जबलपुर शनिवार 6 जून 2026 > शक संवत 1948, ज्येष्ठ कृष्ण पक्ष षष्ठी

वर्ष 31 अंक 337 मूल्य ₹ 3.00 > पेज 12 > आर.एन.आई. पंजीयन नम्बर 64561/96

www.swatantramat.com

अब हर रोज दर्पण ⏩ 3

स्वतंत्र मत

मौसम
अधिकतम तापमान 37.6°C
न्यूनतम तापमान 26.6°C
सूर्योदय -5.24 | सूर्यास्त - 6.54

स्वतंत्र मत में विज्ञापन देने के लिए 9589920250 पर कॉल करें * स्वतंत्र मत का अंक प्राप्त करने के लिए 9301359695 पर कॉल करें।

प्राकृतिक खेती को बढ़ावा देने क्लस्टरों को ⏩ 2

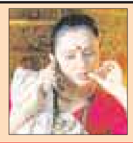

'पुष्पा इम्पॉसिबल' में कादम्बरी की धमाकेदार वापसी, ⏩ 7

महाविद्यालय की छात्रा नम्रता चतुर्वेदी की ⏩ 9

प्रदेश में सड़क एवं परिवहन नेटवर्क निर्माण के साथ हरित विकास को दिया जा रहा बढ़ावा : डॉ. यादव

भावी पीढ़ी के वास्ते...सुदृढ़ होंगे रास्ते

भोपाल (स्वतंत्र मत)

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि मध्यप्रदेश में अधोसंरचना विकास को पर्यावर्णीय संवेदनशीलता और दीर्घकालिक सतत विकास की अवधारणा के साथ आगे बढ़ाया जा रहा है। प्रदेश सरकार की प्राथमिकता आधुनिक सड़क एवं परिवहन नेटवर्क के निर्माण के साथ प्राकृतिक संसाधनों के संरक्षण और हरित विकास को बढ़ावा देना है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि अयोध्या बायपास परियोजना इस सोच का उदाहरण है, जहाँ विकास और पर्यावरण संरक्षण को समान महत्व दिया गया है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि परियोजना के दौरान 7,871 वृक्षों की कटाई की प्रतिपूर्ति के लिये लगभग 10 गुना अधिक अर्थात 80 हजार पौधों का रोपण किया जाएगा। अयोध्या बायपास के दोनों ओर लगभग 10 हजार पौधे लगाकर इसे एक हरित कॉरिडोर के रूप में विकसित किया जाएगा। उन्होंने कहा कि यह पहल पर्यावर्णीय संतुलन को सुदृढ़ करने के साथ क्षेत्र की प्राकृतिक सुंदरता को भी नया आयाम प्रदान करेगी। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि राज्य सरकार का लक्ष्य केवल बेहतर सड़क अधोसंरचना का निर्माण करना नहीं है, बल्कि ऐसी विकास परियोजनाओं को बढ़ावा देना है जो आर्थिक प्रगति के साथ पर्यावरण संरक्षण के उद्देश्यों को भी पूरा करें। उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि अयोध्या बायपास परियोजना प्रदेश में सतत एवं समावेशी विकास के मॉडल के रूप में स्थापित होगी तथा आने वाली पीढ़ियों के लिए स्वच्छ, सुरक्षित और हरित पर्यावरण सुनिश्चित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगी। मुख्यमंत्री डॉ. यादव के इस विजन को धरातल पर उतारने के लिए राज्य शासन द्वारा परियोजना के विभिन्न पहलुओं की नियमित समीक्षा की जा रही है। इसी क्रम में मुख्य सचिव अनुराग जैन ने शुक्रवार को मुख्य सचिव कार्यालय में सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्रालय तथा भारतीय राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण के वरिष्ठ अधिकारियों के साथ प्रदेश की प्रमुख राष्ट्रीय राजमार्ग परियोजनाओं की प्रगति की समीक्षा की। मुख्य सचिव जैन ने राष्ट्रीय राजमार्गों के निर्माण, उन्नयन एवं विस्तार कार्यों की स्थिति की समीक्षा करते हुए परियोजनाओं को निर्धारित समय-सीमा में उच्च गुणवत्ता मानकों के अनुरूप पूर्ण करने के निर्देश दिए। समीक्षा के दौरान भोपाल की महत्वपूर्ण अयोध्या बायपास चौड़ीकरण परियोजना पर विस्तार से चर्चा हुई। बैठक में अधिकारियों ने बताया कि वर्तमान में अयोध्या बायपास की डिजाइन क्षमता लगभग 40 हजार वाहन प्रतिदिन की है, जबकि इस मार्ग पर प्रतिदिन लगभग 45 हजार वाहनों का आवागमन हो रहा है। भोपाल के तेजी से हो रहे शहरीकरण और आसपास विकसित हो रहे नए आवासीय क्षेत्रों के कारण यातायात का दबाव लगातार बढ़ रहा है। ऐसी स्थिति में बायपास का चौड़ीकरण न केवल यातायात प्रबंधन और सड़क सुरक्षा की दृष्टि से आवश्यक है, बल्कि यह राजधानी क्षेत्र की भावी आवश्यकताओं को भी पूरा करेगा।

विकास और पर्यावरण संरक्षण का संतुलित मॉडल

मुख्यमंत्री डॉ. यादव के विजन को मूर्त रूप देते हुए अयोध्या बायपास परियोजना के अंतर्गत व्यापक पौधरोपण एवं हरित विकास योजना तैयार की गई है। परियोजना के दौरान 7,871 वृक्षों की कटाई की प्रतिपूर्ति के लिये लगभग 10 गुना अधिक अर्थात 80 हजार पौधों का रोपण किया जाएगा। इनमें से लगभग 10 हजार पौधे अयोध्या बायपास के दोनों ओर लगाए जाएंगे, जिससे यह मार्ग भविष्य में एक आकर्षक और पर्यावरण-अनुकूल ग्रीन कॉरिडोर के रूप में विकसित होगा। इसके अतिरिक्त झिरनिया एवं झगरिया खुर्द क्षेत्रों में लगभग 70 हजार पौधों के रोपण की तैयारी पूर्ण कर ली गई है। आगामी मानसून में प्रस्तावित यह व्यापक पौधरोपण अभियान भोपाल क्षेत्र में हरित आवरण के विस्तार और पर्यावरणीय संतुलन को सुदृढ़ बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा। पौधों के संरक्षण, देखभाल एवं अनुरक्षण की जिम्मेदारी आगामी 15 वर्षों तक एनएचएआई द्वारा वहन की जाएगी। इसके लिए लगभग 20 करोड़ रुपये का प्रावधान किया गया है। यह पहल इस बात का उदाहरण है कि आधुनिक अधोसंरचना निर्माण और पर्यावरणीय दायित्व एक-दूसरे के पूरक बन सकते हैं।

नागरिक सुविधाओं को प्राथमिकता

मुख्य सचिव जैन ने अयोध्या बायपास परियोजना में भोपाल की पेयजल आपूर्ति व्यवस्था को निर्बाध बनाए रखने के लिए की जा रही तैयारियों की भी समीक्षा की। मुख्य सचिव जैन को अवगत कराया गया कि एनएचएआई और भोपाल नगर निगम के बीच निरंतर समन्वय स्थापित कर कार्य योजना तैयार की गई है। इसमें पाइप लाइन शिफ्टिंग सहित सभी तकनीकी कार्य चरणबद्ध तरीके से किए जाएंगे। नगर निगम के तकनीकी अधिकारियों की निगरानी में कार्य संपादित किए जाने से यह सुनिश्चित किया जाएगा कि परियोजना के क्रियान्वयन के दौरान नागरिकों को पेयजल आपूर्ति संबंधी किसी प्रकार की असुविधा का सामना न करना पड़े। बैठक में बताया गया कि सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्रालय तथा एनएचएआई द्वारा प्रदेश में राष्ट्रीय राजमार्ग परियोजनाओं के प्रभावी क्रियान्वयन के माध्यम से क्षेत्रीय संपर्क, आर्थिक गतिविधियों, निवेश, पर्यटन तथा औद्योगिक विकास को नई गति प्रदान की जा रही है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव के नेतृत्व में मध्यप्रदेश आधुनिक, सुरक्षित और पर्यावरण-अनुकूल परिवहन अधोसंरचना के निर्माण की दिशा में तेजी से आगे बढ़ रहा है।

करोड़ों पेड़ काटकर पर्यटन स्थल को कर रहे बर्बाद

नई दिल्ली (वार्ता)। कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष तथा लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी ने ग्रेट निकोबार परियोजना को लेकर केंद्र सरकार पर निशाना साधते हुए आरोप लगाया कि देश के सबसे खूबसूरत पर्यटन स्थलों में से एक ग्रेट निकोबार परियोजना के लिए करीब 1.5 करोड़ पेड़ काटकर पर्यावरण को नुकसान पहुंचाकर इस क्षेत्र की खूबसूरती को बर्बाद किया जा रहा है। श्री गांधी ने विश्व पर्यावरण दिवस पर सोशल मीडिया एक्स पर शुक्रवार को लिखा मैं भारत के दक्षिणतम छोर इंदिरा प्वाइंट गया। वहां सदियों पुराने वृक्षों के बीच चहल कदमी की, समृद्ध समुद्री जीवन और जैव विविधता से भरपूर प्रवाल (कोरल रीफ) भित्तियां और वहां रहने वाले लोगों से बातचीत भी की। जनजातीय समुदायों की जमीन वनाधिकार कानून का उल्लंघन कर छीनी जा रही है और इन द्वीपों पर बसाए गए अनेक पूर्व सैनिकों को भी उचित मुआवजा नहीं मिल रहा है। उन्होंने कहा कि केंद्र सरकार और भारतीय जनता पार्टी लोगों को बता रही है कि ग्रेट निकोबार परियोजना रक्षा जरूरतों के लिए है, जबकि ऐसा नहीं है। उन्होंने कहा कि यदि आईएनएस बाज के विस्तार की आवश्यकता है तो कांग्रेस सरकार इसका पूरा समर्थन करेगी, लेकिन नौसेना की यह मांग पिछले पांच वर्षों से लंबित है। कांग्रेस नेता ने कहा कि परियोजना को ट्रांसशिपमेंट पोर्ट के नाम पर भी उचित नहीं ठहराया जा सकता क्योंकि ऐसा बंदरगाह केरल में पहले से विकसित किया जा रहा है। उन्होंने यह भी आरोप लगाया कि इस परियोजना के तहत प्रवाल भित्तियों को आधिकारिक मानचित्रों से हटाया जा रहा है तथा सैनिकों और जनजातीय समुदायों को विस्थापित किया जा रहा है ताकि एक कारोबारी समूह वहां होटल और कैसीनो विकसित कर सके। श्री गांधी ने कहा कि देश के लोग यह समझते हैं कि किसी भी प्रकार का लाभ उन प्राकृतिक संपदाओं के विनाश की कीमत पर नहीं होना चाहिए जिन्हें दोबारा प्राप्त नहीं किया जा सकता। उन्होंने कहा कि वह पर्यावरणीय संतुलन के साथ विकास के पक्षधर हैं और निकोबार द्वीप समूह को दुनिया के सबसे उत्कृष्ट टिकाऊ पर्यटन स्थलों में विकसित किया जा सकता है। कांग्रेस नेता ने कहा कि यही वह भारत है जिसके लिए संघर्ष किया जाना चाहिए।

> **राहुल गांधी ने ग्रेट निकोबार परियोजना को लेकर केंद्र सरकार पर साधा निशाना**

अन्नामलाई ने भाजपा से त्यागपत्र दिया

नई दिल्ली (वार्ता)। भारतीय जनता पार्टी की तमिलनाडु ईकाई के पूर्व अध्यक्ष के अन्नामलाई ने पार्टी से त्यागपत्र दे दिया है और पार्टी ने उनका इस्तीफा मंजूर कर लिया है। भाजपा के राष्ट्रीय महासचिव अरुण सिंह ने शुक्रवार को एक बयान में कहा कि पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नवीन ने पार्टी के पूर्व तमिलनाडु प्रदेश अध्यक्ष अन्नामलाई के पार्टी की प्राथमिक सदस्यता छोड़ने के पत्र को स्वीकार कर लिया है। गौरतलब है कि अन्नामलाई इसी सप्ताह दिल्ली आये थे और उन्होंने यहां गृहमंत्री अमित शाह समेत पार्टी के वरिष्ठ नेताओं से मुलाकात की थी।

सरकार और सेबी की लापरवाही से हुआ 15 लाख करोड़ रुपये का घोटाला : कांग्रेस

नई दिल्ली (वार्ता)। कांग्रेस ने आरोप लगाया है कि भारतीय प्रतिभूति एवं विनिमय बोर्ड (सेबी) जैसी नियामक संस्थाओं की निष्क्रियता के कारण देश में निवेश का माहौल प्रभावित हो रहा है और निवेशकों का भरोसा कमजोर पड़ रहा है। कांग्रेस संचार विभाग के प्रमुख पवन खेड़ा ने शुक्रवार को यहां पार्टी मुख्यालय में संवाददाता सम्मेलन में आरोप लगाया कि इस वजह से देश से हर घंटे करीब 400 करोड़ रुपये का निवेश बाहर जा रहा है। सेबी की कथित लापरवाही के कारण 15 लाख करोड़ रुपये के घोटाले को समय रहते नहीं रोका जा सका और संबंधित एजेंसियों ने प्रभावी कार्रवाई नहीं की। उनका कहना था कि इस तरह की निष्क्रियता के कारण बड़े आर्थिक अपराधों के मामलों में जांच और नियामकीय निगरानी को लेकर गंभीर सवाल खड़े हो रहे हैं। श्री खेड़ा ने यह भी आरोप लगाया कि एक सूचीबद्ध कंपनी और उसके प्रवर्तकों के खिलाफ वित्तीय अनियमितताओं तथा धन के दुरुपयोग के आरोपों के बावजूद कार्रवाई में देरी हुई। उन्होंने कहा कि मार्च 2024 में एक शेयरधारक ने शिकायत दर्ज कराई थी, लेकिन उस पर सात महीने तक कोई कार्रवाई नहीं की गई। उनका आरोप था कि इसी अवधि में भारतीय जीवन बीमा निगम (एलआईसी) संबंधित कंपनी में निवेश बढ़ाता रहा। उन्होंने कहा कि सेबी ने बाद में मामले की जांच शुरू की और नियामकीय कार्रवाई के तहत कंपनी के शेयरों के कारोबार पर रोक लगाई। उनके अनुसार वर्ष 2016 में एलआईसी की संबंधित कंपनी में 1.99 प्रतिशत हिस्सेदारी थी, जो 31 मार्च 2026 तक बढ़कर 10.80 प्रतिशत हो गई। उन्होंने कहा कि बड़ी संख्या में छोटे निवेशकों ने भी इसमें निवेश किया था।

वैश्विक आपूर्ति श्रृंखलाओं में बिखराव, इस समय का सबसे बड़ा जोखिम : आरबीआई गवर्नर

मुंबई (वार्ता)। भारतीय रिजर्व बैंक के गवर्नर संजय मल्होत्रा ने शुक्रवार को कहा कि अर्थव्यवस्था के सामने इस समय सबसे बड़ा जोखिम वैश्विक भू-राजनीतिक परिस्थितियों के चलते वैश्विक आपूर्ति की श्रृंखलाओं में उत्पन्न व्यवधान है क्योंकि इसका अवसर मुद्रास्फीति पर पड़ता है। श्री मल्होत्रा आरबीआई की मौद्रिक नीति समिति की द्वैमासिक समीक्षा बैठक के बाद परंपरागत संवाददाता सम्मेलन को संबोधित कर रहे थे। आरबीआई की द्वैमासिक समीक्षा रिपोर्ट में जगह-जगह जोखिमों के उल्लेख के बारे में पूछे गये स्पष्टीकरण पर उन्होंने कहा कि ऐसी कई बातें हैं जो मुद्रास्फीति और आर्थिक वृद्धि के लिए जोखिम पैदा कर सकते हैं... इनमें भू-राजनीतिक संघर्ष और मानसून की कमी के अनुमान जैसे जोखिम शामिल हैं। उन्होंने कहा, देखना है कि आगे स्थिति कैसी बनती है।

अराजकता में अवसर खोजने की सियासत नहीं चलेगी: मोदी

हजीरा (गुजरात)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने आज गुजरात दौरे पर आत्मनिर्भर भारत अभियान के तहत चल रही विकास परियोजनाओं का जिक्र किया। उन्होंने सूरत के हजीरा के अलावा अंतरराज्यीय रोड नेटवर्क का उल्लेख करते हुए कहा कि कुछ लोग देश में निराशा का माहौल बनाने में लगे हैं। पीएम मोदी ने विपक्षी राजनीतिक दलों को आड़े हाथों लिया और बिना किसी का नाम लिए कहा कि ये लोग निराशा का माहौल बनाने के अलावा आत्मनिर्भर भारत अभियान का मजाक भी बनाते हैं। उन्होंने कांग्रेस या राहुल गांधी का नाम लिए बिना कहा, कुछ लोग भारत को नीचा दिखाना चाहते हैं। प्रधानमंत्री मोदी ने पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनाव में मिली सफलता का भी उल्लेख किया। उन्होंने कहा कि विदेश यात्रा के दौरान भी उन्हें बंगाल के जनादेश का जिक्र सुनने को मिला। हाल ही में कर्नाटक में बदले मुख्यमंत्री का जिक्र करते हुए पीएम मोदी ने कहा कि इस राज्य में भी कांग्रेस को लेकर जनता में भारी आक्रोश है। पीएम मोदी ने भाजपा को मिलने वाली राजनीतिक सफलता का उल्लेख करते हुए कहा कि देश अराजकता, अनिश्चितता और निराशा को पसंद नहीं करता। कांग्रेस पिछले 12 वर्षों से अराजकता और अनिश्चितता फैला कर अपने लिए अवसर तलाश रही है, लेकिन देश की जनता बार-बार करारा जवाब दे रही है। आप लोगों ने तो कांग्रेस को हाशिए पर धकेल दिया है। जहां कांग्रेस की सरकारें हैं, वहां की जनता कांग्रेस के कुशासन से तंग आ चुकी है। हिमाचल में हुए निकाय चुनाव का जिक्र करते हुए पीएम मोदी ने कहा, वहां की जनता ने भी कांग्रेस के कुशासन को नकार दिया। पिछले साल हरियाणा और पंजाब की जनता ने भी कांग्रेस को स्पष्ट संदेश दिया है। जनता ने साफ कर दिया है कि कांग्रेस की अराजकता में अवसर खोजने की राजनीति नहीं चलेगी।

दो बसों की टक्कर, 3 की मौत

नीतेश व्यास, मृतक

रायसेन। जिले के खरबई थाना चौकी क्षेत्र अंतर्गत सेहतगंज टोल प्लाजा के पास गुरुवार सुबह दो यात्री बसों की आमने-सामने हुई भीषण टक्कर में तीन यात्रियों की मौत हो गई, जबकि 15 लोग घायल हो गए। हादसा इतना भयावह था कि एक यात्री का सिर बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गया और कई घायलों के चेहरे व सिर पर गंभीर चोटें आई हैं। इस हादसे में ओजस्वी वक्ता और राष्ट्रीय युवा कवि नीतेश व्यास की भी मौत हुई है।

खड़गे ने राज्यसभा के लिए दाखिल किया नामांकन

बेंगलुरु। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने शुक्रवार को बेंगलुरु में राज्यसभा चुनाव के लिए नॉमिनेशन फाइल किया। चुनाव 18 जून को होना है। खड़गे के साथ राहुल गांधी, कर्नाटक के मुख्यमंत्री डीके शिवकुमार, लोकसभा सांसद केसी वेणुगोपाल और कर्नाटक प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष बीके हरिप्रसाद भी थे। खड़गे के साथ, कांग्रेस उम्मीदवार पवन खेड़ा और मंसूर अली खान ने भी कर्नाटक विधान सभा की सेक्रेटरी विशालाक्षी को अपने नॉमिनेशन पेपर जमा किए। रिपोर्टर्स से बात करते हुए, खड़गे ने कहा, सभी एमएलए और मेरे नेताओं ने एकमत से मुझे चुना है और मुझे विश्वास है कि सब एकजुट रहेंगे और कांग्रेस उम्मीदवारों की जीत पक्की करेंगे।

मणिपुर में हथियारबंद बदमाशों का हमला

तीन लोगों की हत्या सात घर भी जलाए

इंफाल। मणिपुर के कांगपोकपी जिले में शुक्रवार तड़के हुए हमले में एक महिला समेत तीन लोगों की मौत हो गई। सैतू-गामफाजोल उपखंड के लोइबोल खुल्लेन गांव में सुबह करीब चार बजे हथियारबंद हमलावरों ने हमला किया। इस दौरान सात घर भी जला दिए गए। अधिकारियों ने बताया कि दो गुटों के बीच कई मिनट तक गोलीबारी हुई। गोलीबारी शुरू होते ही गांव के लोग जान बचाने के लिए पास के जंगलों में शरण लेने को मजबूर हो गए। मारे गए लोगों की पहचान लेटखोंगम हाओकिप, टिनमैरी हाओकिप और जांगमिनलाल हाओकिप के रूप में हुई है। अधिकारियों के मुताबिक, तीनों की मौत गोलीबारी के दौरान हुई।

स्थगित रहेगी आईडब्ल्यूटी : पाक को भारत की दो-टूक

गिलगित-बाल्टिस्तान के तथाकथित चुनाव गलत, कब्जे वाले इलाके खाली करो

नई दिल्ली

भारत सरकार ने शुक्रवार को पाकिस्तान के उस फैसले पर कड़ा विरोध दर्ज कराया है, जिसमें वह कब्जे वाले गिलगित-बाल्टिस्तान में तथाकथित आम चुनाव कराने की योजना बना रहा है। भारत ने दोहराया कि केंद्र शासित प्रदेश जम्मू-कश्मीर और लद्दाख उसके अभिन्न और अविभाज्य हिस्से हैं, जिसमें तथाकथित गिलगित-बाल्टिस्तान भी शामिल है। गिलगित-बाल्टिस्तान में तथाकथित आम चुनाव पर भारत ने कहा, ऐसे कदम पाकिस्तान की ओर से किए जा रहे गंभीर मानवाधिकार उल्लंघनों, राजनीतिक दमन, आर्थिक शोषण और स्वतंत्रता के हनन जैसे मुद्दों को छिपा नहीं सकते। भारत सरकार ने इस कदम पर कड़ा विरोध जताते हुए कहा कि तथाकथित गिलगित-बाल्टिस्तान विधानसभा के लिए सात जून 2026 को चुनाव कराने की योजना भारतीय क्षेत्र में अवैध और जबरन कब्जे वाले इलाकों में की जा रही है। विदेश मंत्रालय ने कहा,भारत का स्पष्ट और पुराना रुख है कि जम्मू-कश्मीर और लद्दाख के पूरे क्षेत्र भारत के अभिन्न अंग हैं, जिनमें गिलगित-बाल्टिस्तान भी शामिल है, क्योंकि जम्मू-कश्मीर का भारत में विलय 1947 में कानूनी और स्थायी रूप से हो चुका है। मंत्रालय की ओर से यह दो टूक प्रतिक्रिया तब आई, जब पाकिस्तानी अधिकारियों ने घोषणा की कि पाकिस्तान के कब्जे वाले कश्मीर की तथाकथित विधानसभा की सभी सीटों के लिए मतदान 27 जुलाई को कराया जाएगा। मंत्रालय ने कहा कि भारत सरकार पाकिस्तान के किसी भी ऐसे प्रयास को खारिज करती है, जिससे वह अपने अवैध कब्जे वाले क्षेत्रों में कोई बदलाव दिखाने की कोशिश करता है। भारत ने साफ कहा कि पाकिस्तान का यह दावा इस हकीकत को नहीं बदल सकता कि वह भारतीय क्षेत्रों पर अवैध रूप से कब्जा किए हुए है और उसे उन्हें खाली करना चाहिए। भारत ने आगे कहा कि पाकिस्तान की ओर से किए जा रहे ऐसे प्रयास वहां के गंभीर मानवाधिकार उल्लंघनों, राजनीतिक दमन, आर्थिक शोषण और लोगों की स्वतंत्रता से वंचित करने की सच्चाई को छिपा नहीं सकते। पिछले नवंबर में भी भारत ने संयुक्त राष्ट्र में पाकिस्तान से स्पष्ट कहा था कि वह उन क्षेत्रों में हो रहे गंभीर मानवाधिकार उल्लंघनों को बंद करे, जिन्हें वह अवैध रूप से नियंत्रित करता है। भारत ने दोहराया कि जम्मू-कश्मीर और लद्दाख भारत के अभिन्न और अविभाज्य हिस्से हैं।

सिंधु जल संधि स्थगित रहेगी : भारत

भारत ने सिंधु जल संधि (आईडब्ल्यूटी) को लेकर भी अपना रुख दोहराते हुए स्पष्ट किया कि जब तक पाकिस्तान सीमा पार आतंकवाद को पूरी तरह और विश्वसनीय तरीके से बंद नहीं करता, तब तक यह संधि स्थगित रहेगी। विदेश मंत्रालय की यह प्रतिक्रिया पाकिस्तान की ओर से भारत की चिनाब-ब्यास लिंक टनल परियोजना और सलाल बांध जलाशय से गाद निकालने की योजनाओं पर आपत्ति जताने के बाद आई है। पाकिस्तान ने आरोप लगाया था कि भारत पानी को हथियार के रूप में इस्तेमाल करने की कोशिश कर रहा है। प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने कहा, हमने सिंधु जल संधि को स्थगित कर रखा है और यह तब तक स्थगित रहेगी, जब तक पाकिस्तान सीमा पार आतंकवाद को पूरी तरह समाप्त नहीं कर देता। जम्मू-कश्मीर में स्विट्जरलैंड के राजदूत की यात्रा पर पाकिस्तान की टिप्पणी के बारे में पूछे जाने पर जायसवाल ने कहा कि जम्मू-कश्मीर भारत का अभिन्न अंग है और स्विस राजदूत या किसी भी अन्य देश के राजदूत को वहां जाने की पूरी स्वतंत्रता है।

सांसें हो रही कम, आओ पेड़ लगाएं हम

विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर शहर भर में हुए विविध आयोजन

जबलपुर (स्वतंत्र मत)

हितकारिणी वुमेन्स कॉलेज ऑफ एजुकेशन के ईको क्लब व विस्तार समिति द्वारा विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर बीएड द्वितीय एवं चतुर्थ सेमेस्टर की छात्राओं को पर्यावरण संरक्षण हेतु डुमना नेचर रिसर्व का शैक्षिक भ्रमण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस भ्रमण का उद्देश्य छात्राओं को प्रकृति, पर्यावरणीय संतुलन एवं संरक्षण के प्रति जागरूक करना तथा उन्हें व्यावहारिक अनुभव प्रदान करना था। जहां उन्होंने जैव विविधता का प्रत्यक्ष अध्ययन करते हुए विभिन्न प्रकार की फ्लोरा (वनस्पति) एवं फौना (जीव-जंतु) प्रजातियों का अवलोकन किया। कार्यक्रम के अंतर्गत छात्राओं के लिए एक फोटोग्राफी प्रतियोगिता भी आयोजित की गई, जिसमें पर्यावरण संरक्षण, प्राकृतिक सौंदर्य एवं जागरूकता से संबंधित आकर्षक, रचनात्मक, शिक्षाप्रद एवं प्रेरणादायक तस्वीरें लेने का अवसर प्रदान किया गया। प्रतियोगिता में सर्वश्रेष्ठ फोटोग्राफ प्रस्तुत करने वाली छात्रा को विजेता घोषित किया जाएगा। महाविद्यालय वापसी उपरांत परिसर में पौधारोपण कार्यक्रम भी आयोजित किया गया, जिसमें छात्राओं एवं प्राध्यापकों ने उत्साहपूर्वक सहभागिता करते हुए पर्यावरण संरक्षण का संकल्प लिया । महाविद्यालय की प्राचार्य डॉ. सुलक्षणा त्रिपाठी ने कहा कि शैक्षिक भ्रमण केवल पुस्तकीय ज्ञान तक सीमित नहीं होता, बल्कि यह विद्यार्थियों को प्रकृति, समाज और वास्तविक जीवन से जोड़ने का एक प्रभावी माध्यम है। यह शैक्षिक भ्रमण कार्यक्रम महाविद्यालय की उप-प्राचार्य व विस्तार समिति प्रभारी डॉ. तृप्ति श्रीवास्तव के मार्गदर्शन में सफल हुआ। इस अवसर पर महाविद्यालय के ईको क्लब की अध्यक्ष, खुशबू यादव, उपाध्यक्ष, कु. इशिता सेन एवं सदस्य, कु. सरला भलावी भी उपस्थित रहीं। कार्यक्रम को सफल बनाने में महाविद्यालय की डॉ. निरुपमा पाठक, डॉ. अलका श्रीवास्तव, डॉ. रश्मि शुक्ला, जया सामदेकर, डॉ. निधि माथुर, ऋषभ भट्ट एवं कार्यालयीन कर्मचारी नितिन साहू, शाश्वत गुप्ता, अविनाश लखेरा, प्रेमलता चौबे, सुमन चौधरी का महत्वपूर्ण योगदान रहा ।

हितकारिणी कॉलेज ऑफ फार्मेसी में हुए विविध आयोजन

विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर हितकारिणी कॉलेज ऑफ फार्मेसी, जबलपुर में पर्यावरण संरक्षण एवं जलवायु परिवर्तन के प्रति जागरूकता बढ़ाने के उद्देश्य से विभिन्न कार्यक्रमों का आयोजन किया गया। कार्यक्रम के अंतर्गत पर्यावरण शपथ ग्रहण, अपशिष्ट प्रबंधन जागरूकता गतिविधि, पर्यावरण जागरूकता रैली, पोस्टर प्रस्तुति प्रतियोगिता तथा पौधारोपण कार्यक्रम आयोजित किए गए। विद्यार्थियों, प्राध्यापकों एवं कर्मचारियों ने उत्साहपूर्वक सहभागिता करते हुए पर्यावरण संरक्षण एवं सतत विकास के प्रति अपनी प्रतिबद्धता व्यक्त की। कार्यक्रम के दौरान आयोजित जागरूकता रैली में विद्यार्थियों ने पर्यावरण संरक्षण, जल संरक्षण, प्लास्टिक मुक्त भारत, स्वच्छता एवं हरित जीवनशैली से संबंधित संदेशों को जनसामान्य तक पहुंचाया। पोस्टर प्रस्तुति प्रतियोगिता में विद्यार्थियों ने जलवायु परिवर्तन, जैव विविधता संरक्षण, प्रदूषण नियंत्रण एवं सतत विकास जैसे महत्वपूर्ण विषयों पर अपने विचारों को रचनात्मक रूप से प्रस्तुत किया। वहीं पौधारोपण कार्यक्रम के माध्यम से परिसर में पौधारोपण कर उनके संरक्षण का संकल्प लिया गया। महाविद्यालय द्वारा संचालित सतत विकास, पर्यावरणीय उत्तरदायित्व एवं नेट जीरो कैंपस की दिशा में किए जा रहे प्रयासों की भी जानकारी साझा की गई। यह संपूर्ण कार्यक्रम हितकारिणी कॉलेज ऑफ फार्मेसी के अध्यक्ष एचएस ओबेरॉय के मार्गदर्शन एवं महाविद्यालय की प्राचार्या डॉ. कविता शुक्ला के नेतृत्व में सफलतापूर्वक संपन्न हुआ। कार्यक्रम के अंत में सभी प्रतिभागियों ने पर्यावरण संरक्षण को अपने दैनिक जीवन का अभिन्न अंग बनाने तथा स्वच्छ, हरित एवं सतत भविष्य के निर्माण में सक्रिय योगदान देने का संकल्प लिया।

रैली निकालकर दिया पर्यावरण बचाने का संदेश

विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर हितकारिणी देवताल में एनसीसी कैडेट्स एवं विद्यार्थियों द्वारा पर्यावरण संरक्षण के प्रति जनजागरूकता फैलाने हेतु रैली का आयोजन किया गया। रैली में बड़ी संख्या में छात्र-छात्राओं, शिक्षकों एवं एनसीसी कैडेट्स ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। रैली के दौरान प्रतिभागियों ने एक पेड़ एक जीवन, एक प्रयास-एक भविष्य तथा प्रकृति बचाओ, भविष्य बनाओ जैसे संदेशों के माध्यम से लोगों को पर्यावरण संरक्षण का महत्व बताया। विद्यार्थियों ने पौधारोपण, जल संरक्षण तथा स्वच्छ पर्यावरण बनाए रखने का संकल्प लिया। कार्यक्रम में विद्यालय के प्राचार्य रजनीश श्रीवास्तव ने कहा कि बढ़ते प्रदूषण और जलवायु परिवर्तन की चुनौतियों से निपटने के लिए प्रत्येक नागरिक को पर्यावरण संरक्षण में अपनी सक्रिय भूमिका निभानी चाहिए। इस अवसर पर एनसीसी अधिकारी रोहित कुमार उपस्थित लोगों को अधिक से अधिक पौधे लगाने तथा उनकी देखभाल करने के लिए प्रेरित किया गया। रैली का समापन के बाद पर्यावरण संरक्षण की शपथ दुर्गेश चौरसिया ने दिलाई।

हितकारिणी शाला गोरखपुर में निकाली गई जागरूकता रैली

हितकारिणी उच्चतर माध्यमिक शाला गोरखपुर में विश्व पर्यावरण दिवस उत्साहपूर्वक मनाया गया। इस अवसर पर विद्यालय से एक जागरूकता रैली का आयोजन किया गया, जिसमें विद्यार्थियों ने पेड़ बचाओ, जीवन बचाओ तथा हरित बनो, स्वच्छ रहो जैसे प्रेरणादायक नारे लगाए। विद्यार्थियों ने पर्यावरण संरक्षण का संदेश देने वाले हस्तनिर्मित पोस्टर एवं प्लेकार्ड भी प्रदर्शित किए। कार्यक्रम के दौरान शिक्षकों एवं विद्यार्थियों द्वारा पर्यावरण के महत्व तथा उसके संरक्षण की आवश्यकता पर प्रेरणादायक भाषण चित्रा परिहार प्राचार्य, रवि शंकर चौबे उप प्राचार्य व अर्चना बख्शी के द्वारा प्रस्तुत किए गए।

पमरे में मनाया गया विश्व पर्यावरण दिवस

पश्चिम मध्य रेलवे द्वारा विभिन्न पर्यावरण संरक्षण एवं जागरूकता कार्यक्रमों का आयोजन कर विश्व पर्यावरण दिवस मनाया गया। वर्ष 2026 के विश्व पर्यावरण दिवस की थीम जलवायु परिवर्तन-धरती मां की चुनौतियां निर्धारित की गई है। इस अवसर पर भारतीय रेल के निर्देशानुसार पश्चिम मध्य रेलवे के तीनों मंडलों जबलपुर, भोपाल एवं कोटा में 15 मई से 5 जून 2026 तक पर्यावरण संरक्षण एवं जन-जागरूकता से संबंधित विविध गतिविधियों का आयोजन किया गया। अभियान के अंतर्गत स्वच्छ स्टेशन, प्लास्टिक प्रदूषण में कमी, पर्यावरण संरक्षण तथा सतत जीवनशैली को बढ़ावा देने हेतु विशेष कार्यक्रम संचालित किए गए। इस अवसर पर अपर महाप्रबंधक प्रमोद कुमार खत्री, वरिष्ठ उप महाप्रबंधक एवं मुख्य सतर्कता अधिकारी नीरज कुमार आदि उपस्थित रहे।

महाविद्यालय परिसर में मनाया गया विश्व पर्यावरण दिवस

सिहोरा (स्वतंत्र मत)। शासकीय श्याम सुंदर अग्रवाल स्नातकोत्तर महाविद्यालय, सिहोरा में 5 जून को विश्व पर्यावरण दिवस उत्साह एवं प्रतिबद्धता के साथ मनाया गया। इस अवसर पर महाविद्यालय की प्राचार्य डॉ. नीता तिवारी, विशिष्ट अतिथि नितिन पटेल आदि उपस्थित रहे। कार्यक्रम के दौरान महाविद्यालय परिसर में शिक्षकों एवं विद्यार्थियों द्वारा पौधारोपण किया गया। डॉ. अंजली मांडवे ने पर्यावरणीय चुनौतियों पर प्रकाश डालते हुए कहा कि जलवायु परिवर्तन आज मानव सभ्यता के समक्ष सबसे गंभीर संकटों में से एक है। वैश्विक तापमान में निरंतर वृद्धि, ध्रुवीय हिमखंडों का पिघलना, समुद्र-स्तर में वृद्धि तथा अनियमित मौसम चक्र इसके प्रत्यक्ष परिणाम हैं।

प्राचार्य डॉ. नीता तिवारी ने विश्व पर्यावरण दिवस के महत्व पर प्रकाश डालते हुए कहा कि स्वस्थ एवं सुरक्षित भविष्य के लिए पर्यावरण संरक्षण को जन-आंदोलन का स्वरूप देना आवश्यक है।

ग्यारह सौ पौधे रोपकर महाअभियान का शुभारंभ

संस्कारधानी जबलपुर को और अधिक हरा-भरा, स्वच्छ और प्रदूषण मुक्त बनाने के लिए नगर निगम द्वारा एक प्रेरणादायी पौधा रोपण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। शहर के फेफड़े कहे जाने वाले सुरम्य डुमना नेचर पार्क में आयोजित इस कार्यक्रम में महापौर जगत बहादुर सिंह अन्नू, केन्ट विधानसभा क्षेत्र के विधायक अशोक ईश्वरदास रोहाणी, निगमाध्यक्ष रिकुंज विज एवं छात्र-छात्राओं में प्रकृति संरक्षण को लेकर अभूतपूर्व उत्साह देखने को मिला। महापौर ने बताया कि शासन के दिशा निर्देशों के अनुरूप नगर निगम ने इस पर्यावरण दिवस पर शहर को एक ग्रीन जबलपुर बनाने की दिशा में एक ऐतिहासिक लक्ष्य निर्धारित किया है। उन्होंने बताया कि अभियान के प्रथम चरण की शुरुआत करते हुए डुमना नेचर पार्क में 1100 पौधों का रोपण किया गया। महापौर ने कहा कि नगर निगम का लक्ष्य 11 लाख पौधे लगाने का है, ताकि जबलपुर की आबो-हवा को और अधिक शुद्ध और सेहतमंद बनाया जा सके।

पर्यावरण संरक्षण के लिए जीवनशैली में बदलाव जरूरी

विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर जनपद पंचायत जबलपुर के ग्राम परासिया में एक पेड़ मां के नाम पौधारोपण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कलेक्टर राघवेंद्र सिंह ने कार्यक्रम को संबोधित करते हुए ग्लोबल वार्मिंग के खतरों को बताते हुए ग्रामीणों को इससे बचने के लिए जागरूक किया। उन्होंने कहा कि पर्यावरण में हो रहे बदलाव हमें चेतावनी दे रहे हैं। यदि हमने अब भी प्रकृति का सम्मान नहीं किया, तो इसका परिणाम आने वाली पीढ़ी के स्वास्थ्य पर पड़ेगा। श्री सिंह ने जलवायु परिवर्तन में हो रहे बदलाव का उदाहरण देते हुए कहा कि पर्यावरण संरक्षण के लिए हम सभी को मिलकर अपनी जीवनशैली में बदलाव करना होगा, कम प्रदूषण फैलाना होगा और अधिक पेड़ लगाने होंगे। इस दौरान कलेक्टर राघवेंद्र सिंह ने ग्राम पंचायत परासिया में स्थित तालाब का जल गंगा संवर्धन अभियान के तहत जनभागीदारी से हुए जीर्णोद्धार का निरीक्षण किया।

जीसीएफ फैक्ट्री में मनाया गया विश्व पर्यावरण दिवस

जबलपुर (स्वतंत्र मत)। विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर गन कैरिज फैक्ट्री (जीसीएफ) में अस्थायी मुख्य महाप्रबंधक राहुल चौधरी के नेतृत्व में व्यापक पौधारोपण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस अवसर पर फैक्ट्री परिसर में विभिन्न प्रजातियों के पौधे लगाकर पर्यावरण संरक्षण एवं हरित भविष्य का संदेश दिया गया। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए राहुल चौधरी ने कहा कि पर्यावरण संरक्षण आज समय की सबसे बड़ी आवश्यकता है। वृक्ष न केवल हमें स्वच्छ वायु प्रदान करते हैं बल्कि जलवायु संतुलन बनाए रखने में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। कार्यक्रम में अधिकारी अवनीश ओझा, अचल कुमार, संदीप राव, प्रभाकर दुबे, यूनियन एसोसिएशन के रोहित यादव, उत्तम विश्वास, अजय रजक आदि उपस्थित रहे।

पुष्पा शर्मा हत्याकांड का खुलासा, पड़ोसी निकला वृद्धा का कातिल

जबलपुर (स्वतंत्र मत)। विगत 27 मई को रांझी थाना अंतर्गत हनुमान नगर अन्ना बाबा क्षेत्र में एक 75 वर्षीय वृद्ध महिला की हत्या के मामले में पुलिस ने बड़ा खुलासा किया है। घर में अकेली रह रही पुष्पा शर्मा नामक 75 वर्षीय महिला की हत्या उनके पड़ोस में ही रहने वाले युवक ने की थी। लूट की नीयत से घर में घुसे युवक ने महिला को मौत के घाट उतार दिया था, वहीं अपने अपराध को छुपाने लाश को पुराने कुएं में फेंक दिया था। पुलिस ने बताया कि मृतिका का भाई सुनील शर्मा ने बताया कि वह किशन होटल के पास जनरल स्टोर्स की दुकान चलाता है। उसके घर के बाजू में उसकी बड़ी बहन श्रीमति पुष्पा शर्मा उम्र 75 वर्ष की रहती थीं। जो दिनांक 26 मई की रात लगभग 8 बजे अपने घर सोने के लिए चली गयीं थीं। 27 मई की रात 9 बजे तक उसकी बहन घर के बाहर नहीं आयी, तो अपने मित्रों के साथ बहन के घर आया।घर के बाहर बाउण्ड्री का गेट अंदर से बंद था। बाउण्ड्री के उपर से सभी लोग अंदर आंगन में आये। कमरे के गेट का एक पल्ला खुला हुआ था,अंदर जाकर देखा अंदर वाले कमरे में फर्श व दीवाल पर खून के निशान व खून के घसीटने के निशान बने थे। मुख्य गेट पर कपड़े गाउन चादर एक जोडी चप्पल दरवाजे के पास पड़ी थी। हम लोग खून के घसीटने के निशान को देखते हुए आंगन में कुएं तरफ गए देखा उसकी बहन पुष्पा शर्मा का शव कुएं के अंदर पानी में उतरा रहा था। किसी अज्ञात व्यक्ति ने उसकी बहन को चोट पहुंचाकर शव को घसीटते हुए कुएं में फेंक कर बहन पुष्पा शर्मा की हत्या कर दी है।

ऐसे हुआ खुलासा -दौरान विवेचना मे आसपास पूछताछ करने पर रात्रि में रामगोपाल मिश्रा उर्फ गोपाल के मृतिका के घर पास देखे जाने की जानकारी मिलने पर रामगोपाल मिश्रा की तलाश किया जो घर पर नहीं मिला। संदेह होने पर पतासाजी करते हुए रामगोपाल मिश्रा उर्फ गोपाल को अभिरक्षा मे लेकर पूछताछ करने पर रामगोपाल मिश्रा उर्फ गोपाल ने बताया कि पुष्पा शर्मा के लडके राजू से उसकी जान पहचान है। जिसके घर भी वह आता जाता रहता था। पुष्पा शर्मा अपने बड़े लड़के राजू के साथ रहती थी एक हफ्ते से राजू अपने गांव गया था, पुष्पा शर्मा घर में अकेली रह रही थी तो उसने सोचा कि पुष्पा शर्मा के घर में घुसकर चोरी कर लूंगा ऐसा प्लान करके दिनांक 26 मई को रात करीबन 10.30 बजे अपने घर से सामने गली में टहलते हुए पुष्पा शर्मा के घर के सामने पहुंचा। जिसकी वाउण्ड्री के गेट पर ताला लगा हुआ था और घर के बाहर वाले कमरे का दरवाजा थोडा खुला हुआ दिख रहा था। तब वह वाउण्ड्री के ऊपर से कूदकर आँगन में पहुंचा और बाहरी कमरे का दरवाजा ढकेलकर अन्दर वाले कमरे में पहुंच गया और अलमारी खोलकर देखने लगा। तभी पुष्पा शर्मा घर के अन्दर किचन तरफ से कमरे मे आ गयी। चिल्लाने को होने लगी तो उसने पुष्पा शर्मा का मुंह पकड़ लिया। जो उसके बाल व कपडो को पकडकर लपटने लगी, तो उसने पुष्पा को जमीन में पटककर, वहीं पर रखा पानी की घघरिया उठाकर मुंह व सिर में 04-05 बार जोर से मारा। जिससे पुष्पा घायल हो गयी। जिसके बाद पुष्पा के गले का मंगलसूत्र, पैर में पहनी पायल निकाल ली और पुष्पा को घसीटते हुए आंगन मे ले जाकर कुए के अन्दर फेंक दिया ताकि जिन्दा न बचे। पुष्पा शर्मा से लूटा हुआ पैंडिल व पायल एक पॉलिथिन में बाँधकर अपने घर के कमरे मे बैग के अन्दर छुपाकर रख दिया। शाम को घटना के बारे में लोगों के पता चलने लगा तो वह घबराकर अपने घर से ग्वारीघाट भाग गया था और यहा वहा छिपता रहा। पायल तथा घटना के वक्त पहने हुये कपड़े जब्त करते हुए आरोपी को प्रकरण में विधिवत गिरफ्तार कर लिया।

पौधा रोपकर संरक्षण के संकल्प को दोहराया

जबलपुर (स्वतंत्र मत)। उत्तर मध्य विधानसभा में पर्यावरण दिवस के अवसर पर विधायक डॉ अभिलाष पाण्डेय के नेतृत्व में बड़ी संख्या में शुक्रवार को सुबह से लेकर सांय तक श्रृंखलाबद्ध आयोजन आयोजित किए गए, जिसमें पौधारोपण और प्रकृति संरक्षण का संकल्प भी लिया गया। विधायक डॉ अभिलाष पाण्डेय ने बताया कि विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर जबलपुर उत्तर मध्य विधानसभा के संगठनात्मक दृष्टि से सभी 5 मंडलों में अलग अलग चयनित स्थानों पर आयोजन किए गए। डॉ पाण्डेय ने बताया कि विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर आचार्य विद्यासागर मंडल, कुशाभाऊ ठाकरे मंडल आदि में पौधारोपण किया एवं उपस्थित साथियों के साथ पर्यावरण संरक्षण के संकल्प को दोहराया।

नक्शों से प्रकृति तक: बच्चों में भूगोल के प्रति कैसे जगाएं रुचि

भूगोल केवल नदियों, पर्वतों और देशों के नाम याद करने का विषय नहीं है, बल्कि यह हमारे आसपास की दुनिया को समझने का माध्यम है। दुर्भाग्यवश, कई विद्यार्थी इसे रटने वाला और कठिन विषय मान लेते हैं, जिससे उनकी रुचि कम हो जाती है। यदि भूगोल को नक्शों, मॉडल, शैक्षणिक भ्रमण, स्थानीय उदाहरणों और आधुनिक तकनीक की सहायता से पढ़ाया जाए, तो यह बच्चों के लिए एक रोमांचक खोज यात्रा बन सकता है। शिक्षकों और अभिभावकों की छोटी-छोटी पहल बच्चों में जिज्ञासा जगाकर उन्हें प्रकृति, पर्यावरण और पृथ्वी के रहस्यों को जानने के लिए प्रेरित कर सकती है।

नक्शों को खेल का हिस्सा बनाएं

भूगोल शिक्षण में नक्शों का उपयोग केवल स्थानों की पहचान तक सीमित नहीं होना चाहिए, बल्कि उन्हें खेल और गतिविधियों का हिस्सा बनाया जाना चाहिए। कक्षा में राज्य खोजो, राजधानी पहचानो, नदी का मार्ग बताओ या देश और उसकी सीमा मिलाओ जैसे रोचक खेल आयोजित किए जा सकते हैं। रंगीन मानचित्रों, पजल मैप्स और प्रतियोगिताओं के माध्यम से बच्चे उत्साह के साथ सीखते हैं। इस तरह की गतिविधियां उनकी अवलोकन क्षमता, स्मरण शक्ति और भौगोलिक समझ को विकसित करती हैं। जब नक्शे खेल का रूप ले लेते हैं, तो भूगोल बच्चों के लिए एक आनंददायक और रोमांचक विषय बन जाता है।

स्थानीय भूगोल से शुरुआत करें

भूगोल की शिक्षा बच्चों के आसपास के वातावरण से शुरू की जानी चाहिए। बच्चों में रूचि पैदा करने के लिए उन्हें अपने गांव, शहर, नदी, तालाब, पहाड़ी, सड़क और मौसम के बारे में जानकारी देकर विषय से जोड़ा जा सकता है। जब विद्यार्थी अपने आसपास की भौगोलिक विशेषताओं को समझते हैं, तो उनके लिए बड़े स्तर पर राज्य, देश और विश्व का भूगोल समझना आसान हो जाता है। स्थानीय उदाहरणों से पढ़ाने पर बच्चों को विषय व्यावहारिक और अपने जीवन से जुड़ा हुआ महसूस होता है, जिससे उनकी जिज्ञासा और सीखने की रुचि बढ़ती है।

ग्लोब और मॉडल का उपयोग

भूगोल की जटिल अवधारणाओं को सरल और रोचक बनाने में ग्लोब तथा विभिन्न मॉडलों की महत्वपूर्ण भूमिका होती है। ग्लोब के माध्यम से बच्चे पृथ्वी की संरचना, महाद्वीपों, महासागरों तथा देशों की वास्तविक स्थिति को आसानी से समझ सकते हैं। वहीं ज्वालामुखी, पर्वत, नदी तंत्र और सौरमंडल के मॉडल बच्चों की कल्पनाशक्ति को विकसित करते हैं। जब विद्यार्थी देखकर और छूकर सीखते हैं, तो विषय की समझ गहरी होती है और उनकी रुचि भी बढ़ती है। इस प्रकार भूगोल केवल पुस्तकों तक सीमित न रहकर एक जीवंत और अनुभवात्मक विषय बन जाता है।

स्टोरी के माध्यम से पढ़ाएं

बच्चों को भूगोल से जोड़ने का एक रोचक तरीका कहानियों के माध्यम से शिक्षण है। नदियों, पर्वतों, रेगिस्तानों, जंगलों और विभिन्न देशों से जुड़ी रोचक कहानियां सुनाकर विषय को जीवंत बनाया जा सकता है। उदाहरण के लिए, किसी नदी की यात्रा या किसी खोजी यात्री के अनुभवों को कहानी के रूप में प्रस्तुत करने से बच्चे अधिक रुचि लेते हैं। कहानी आधारित शिक्षण उनकी कल्पनाशक्ति को बढ़ाता है और कठिन तथ्यों को भी आसानी से याद रखने में मदद करता है। जब भूगोल में रोमांच, पात्र और घटनाएं शामिल हो जाती हैं, तो यह बच्चों के लिए एक मनोरंजक और यादगार अनुभव बन जाता है।

डिजिटल टूल्स का करें उपयोग

आधुनिक तकनीक ने भूगोल शिक्षण को पहले से अधिक रोचक और प्रभावी बना दिया है। स्मार्ट क्लास, डिजिटल मानचित्र, शैक्षणिक वीडियो, एनिमेशन और ऑनलाइन भूगोल ऐप्स के माध्यम से बच्चों को जटिल विषयों को आसानी से समझाया जा सकता है। उपग्रह चित्रों, वर्चुअल टूर और इंटरैक्टिव मैप्स की सहायता से विद्यार्थी दुनिया के विभिन्न स्थानों को कक्षा में बैठे-बैठे देख और समझ सकते हैं। तकनीक आधारित शिक्षण बच्चों की जिज्ञासा बढ़ाता है, उन्हें सक्रिय रूप से सीखने के लिए प्रेरित करता है और भूगोल को एक जीवंत तथा आधुनिक विषय के रूप में प्रस्तुत करता है।

भूगोल को दैनिक जीवन से जोड़ें

भूगोल को बच्चों के दैनिक जीवन से जोड़कर पढ़ाने से उनकी विषय में रुचि स्वाभाविक रूप से बढ़ती है। मौसम में होने वाले बदलाव, जल संरक्षण, खेती, परिवहन, प्राकृतिक संसाधन और पर्यावरण जैसी बातों को उनके आसपास के उदाहरणों से समझाया जा सकता है। जब बच्चे यह समझने लगते हैं कि भूगोल उनके जीवन, समाज और भविष्य से सीधे जुड़ा हुआ है, तो वे विषय को केवल परीक्षा तक सीमित नहीं मानते। इस प्रकार भूगोल उन्हें अपने परिवेश को समझने, समस्याओं का समाधान खोजने और प्रकृति के प्रति संवेदनशील बनने की प्रेरणा देता है।

पहाड़ नहीं होते तो बारिश को तरसता मध्यप्रदेश

मध्यप्रदेश में अगर पहाड़ नहीं होते तो लोग बारिश को तरस जाते। सुनने में अटपटा लग रहा है, लेकिन सच है। दरअसल, राजस्थान से लेकर उत्तर प्रदेश और मध्यप्रदेश के तीन पहाड़ बारिश कराते हैं। राजस्थान के अरावली से लेकर उत्तर में विंध्याचल और सतपुड़ा पर्वत मध्यप्रदेश में मानसून को लॉक करते हैं। इन्हीं पहाड़ों की वजह से मध्यप्रदेश में बारिश होती है।

मध्यप्रदेश में दो सिस्टम कराते हैं बारिश

मध्यप्रदेश में अरब सागर और बंगाल की खाड़ी से आने वाले सिस्टम बारिश कराते हैं। अरब सागर से बारिश इंदौर से लेकर उज्जैन और ग्वालियर चंबल के कुछ इलाकों में बारिश कराता है, जबकि बंगाल की खाड़ी से प्रदेश भर में बारिश होती है। अरब सागर से आने वाली मानसूनी हवाएं खरगोन-बड़वानी जिले के रास्ते मालवा-निमाड़ में प्रवेश करती हैं। यह आगे बढ़ती हैं, तो अरावली पर्वत के सहारे दिल्ली की तरफ चली जाती हैं। अरब सागर के मानसून से ही मालवा-निमाड़ में बारिश होती है। इसी कारण अलीराजपुर, झाबुआ और आगर में या तो सामान्य से कम बारिश होती है या फिर ज्यादा बारिश होती है। अधिकांश तौर पर यहां जुलाई-अगस्त में ही अधिकतम बारिश हो जाती है। इससे श्योपुर, नीमच, मंदसौर, रतलाम और बुरहानपुर में जमकर पानी गिरता है। उज्जैन और इंदौर में सामान्य बारिश होती है। अगर अरावली पर्वत नहीं होता तो अरब सागर से आने वाली मानसूनी हवाएं सीधे निकल जातीं। यह इलाके सूखे रह जाते।

पहाड़ी के कारण भोपाल में अधिक बारिश

मध्यप्रदेश का मध्य भाग में अरब-सागर और बंगाल की खाड़ी दोनों ही सिस्टम बारिश कराते हैं। सतपुड़ा पर्वत और विंध्याचल के कारण बंगाल की खाड़ी से आने वाला मानसून यहां लॉक हो जाता है। मानसूनी हवाएं बैतूल के रास्ते प्रदेश में प्रवेश करती हैं। यह मंडला, डिंडोरी से लेकर जबलपुर, पचमढ़ी, छिंदवाड़ा, नर्मदापुरम और भोपाल तक बारिश करती हैं। अपेक्षाकृत हरदा निचला इलाका होने के कारण यहां अलग परिस्थिति बनने पर ही बारिश होती है। भोपाल में सबसे ज्यादा बारिश का मुख्य कारण अरब और बंगाल से आने वाले दोनों सिस्टम हैं। लोकल सिस्टम बनने से भी अधिक बारिश का क्षेत्र बनता है।

ग्वालियर-चंबल और बघेलखंड

ग्वालियर-चंबल और बघेलखंड के अधिकांश इलाकों में बंगाल की खाड़ी से बारिश होती है। यहां के लिए विंध्याचल पर्वत प्रभावित करता है। इसके कारण ग्वालियर, निवाड़ी, टीकमगढ़, शहडोल, सीधी, रीवा, कटनी और दतिया में बहुत कम बारिश होती है। यहां सामान्य से कम बारिश होती है।

क्यों कहते हैं मध्यप्रदेश को नदियों का मायका

भारत के हृदय स्थल के रूप में प्रसिद्ध मध्यप्रदेश को केवल भौगोलिक दृष्टि से ही नहीं, बल्कि जल संसाधनों की दृष्टि से भी विशेष महत्व प्राप्त है। यही कारण है कि मध्यप्रदेश को नदियों का मायका कहा जाता है। जिस प्रकार मायके से बेटी अपने जीवन की नई यात्रा आरंभ करती है, उसी प्रकार अनेक प्रमुख नदियाँ मध्यप्रदेश की धरती से निकलकर विभिन्न राज्यों को जीवन प्रदान करती हैं। यह प्रदेश देश की कई महत्वपूर्ण नदियों का उद्गम स्थल है और करोड़ों लोगों की जल आवश्यकताओं की पूर्ति में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है।

मध्यप्रदेश की भौगोलिक संरचना, पर्वत श्रृंखलाएँ और पठारी क्षेत्र नदियों के उद्गम के लिए अनुकूल वातावरण प्रदान करते हैं। प्रदेश के पूर्वी भाग में स्थित अमरकंटक को नदियों की जन्मस्थली माना जाता है। यहीं से पवित्र नर्मदा नदी और सोन नदी का उद्गम होता है।

मध्य प्रदेश की नदियाँ

नर्मदा भारत की उन चुनिंदा नदियों में शामिल है जो पूर्व से पश्चिम की ओर बहती हैं और अरब सागर में मिलती हैं। इसके विपरीत सोन नदी उत्तर-पूर्व दिशा में बहते हुए गंगा नदी में समाहित होती है।

मध्यप्रदेश से निकलने वाली अन्य प्रमुख नदियों में चंबल, बेतवा, केन, ताप्ती, क्षिप्रा और कालीसिंध नदी शामिल हैं। ये नदियाँ न केवल सिंचाई और पेयजल का प्रमुख स्रोत हैं, बल्कि प्रदेश की कृषि, उद्योग, पर्यटन और सांस्कृतिक विरासत की आधारशिला भी हैं।

नदियों ने मध्यप्रदेश की सभ्यता और संस्कृति को भी समृद्ध किया है। नर्मदा के तट पर अनेक धार्मिक स्थल विकसित हुए हैं, जबकि क्षिप्रा नदी के किनारे आयोजित होने वाला सिंहस्थ कुंभ विश्व प्रसिद्ध है। प्रदेश के अनेक नगर और गाँव नदियों के किनारे बसे हैं, जिनका सामाजिक और आर्थिक जीवन इन जलधाराओं से जुड़ा हुआ है।

इस प्रकार मध्यप्रदेश केवल भारत का हृदय ही नहीं, बल्कि नदियों का मायका भी है, जहाँ से निकलकर अनेक नदियाँ देश के विशाल भूभाग को जीवन, समृद्धि और संस्कृति का अमूल्य उपहार प्रदान करती हैं।

मध्यप्रदेश के रोचक भौगोलिक तथ्य

1. मध्यप्रदेश भारत के मध्य भाग में स्थित है, इसलिए इसे हृदय प्रदेश भी कहा जाता है।
2. क्षेत्रफल की दृष्टि से मध्यप्रदेश भारत का दूसरा सबसे बड़ा राज्य है।
3. राज्य का कुल क्षेत्रफल लगभग 3,08,252 वर्ग किलोमीटर है।
4. मध्यप्रदेश की सीमाएँ पाँच राज्यों, उत्तर प्रदेश, राजस्थान, गुजरात, महाराष्ट्र और छत्तीसगढ़ से मिलती हैं।
5. नर्मदा घाटी भारत की सबसे महत्वपूर्ण रिफ्ट वैली (भ्रंश घाटी) में से एक है।
6. धूपगढ़ मध्यप्रदेश की सबसे ऊँची चोटी है, जिसकी ऊँचाई लगभग 1,350 मीटर है।
7. पचमढ़ी को सतपुड़ा की रानी कहा जाता है।
8. मध्यप्रदेश भारत में सर्वाधिक वन क्षेत्र वाले राज्यों में शामिल है।
9. पन्ना भारत का प्रमुख हीरा उत्पादक क्षेत्र है।
10. मध्यप्रदेश को सोया स्टेट कहा जाता है क्योंकि देश में सर्वाधिक सोयाबीन उत्पादन यहीं होता है।

मध्य प्रदेश के प्रमुख पर्यटन और दर्शनीय स्थल

मध्य प्रदेश भारत का एक बहुत प्रमुख राज्य है। देश के केंद्र में स्थित होने की वजह से मध्य प्रदेश को भारत का दिल या हृदयप्रदेश कहा जाता है जो यहां आने वाले पर्यटकों को अपने कई ऐतिहासिक स्मारकों, मंदिरों, किले, महलों से काफी आकर्षित करता है। मध्य प्रदेश की यात्रा करना किसी भी पर्यटक के लिए किसी सपने से कम नहीं होगा क्योंकि यहां पर कई नेशनल पार्क और वाईल्डलाइफ सेंचुरी हैं, जिसमें कई लुप्तप्राय प्रजाति के वनस्पति और जीव भी पाए जाते हैं। मध्य प्रदेश उन कुछ राज्यों में से एक है जो चारों और से कई राज्यों से घिरा हुआ है, इस राज्य की एक अलग बात यह भी है कि यह अपनी सीमा किसी भी देश के साथ साझा नहीं करता है। अगर आप मध्य प्रदेश के प्रमुख पर्यटन स्थलों के बारे में जानना चाहते हैं तो इस आर्टिकल को एक बार जरुर पढ़ें, इसमें हमने मध्य प्रदेश में घूमने की जगह और दर्शनीय स्थलों के बारे में जानकारी दी है।

खजुराहो

मध्य प्रदेश में स्थित विश्व प्रसिद्ध खजुराहो अपनी कामुक नक्काशी से सजे अपने आश्चर्यजनक मंदिरों के लिए दुनिया भर में जाना जाता है। खजुराहो मध्य प्रदेश में बुंदेलखंड क्षेत्र में स्थित छोटा शहर है जो मध्ययुगीन काल में भारतीय वास्तुकला और संस्कृति का शानदार नमूना है। यहां स्थित हिंदू और जैन मंदिरों की वास्तुकला प्रेम के एक खास रूप को दर्शाती है।

बांधवगढ़

बांधवगढ़ नेशनल पार्क मध्य प्रदेश के सबसे खास पर्यटकों स्थलों में से एक है जो पुराने समय में रीवा के महाराजाओं के लिए शिकारगाह था। यह राष्ट्रीय उद्यान बाघ अभयारण्य के रूप पूरी दुनिया में जाना जाता है। बांधवगढ़ नेशनल पार्क दुनिया में रॉयल बंगाल टाइगर्स घनत्व के लिए दुनिया भारत में प्रसिद्ध है। यह उद्यान वन्यजीव और बहुतायत में वनस्पतियों के वजह से एक बहुत ही सुंदर जंगल है। इस पार्क में स्तनधारियों की 22 से ज्यादा और अविफौना की 250 प्रजातियां पाई जाती हैं।

अमरकंटक पर्यटन

अमरकंटक मध्य प्रदेश के प्रमुख तीर्थस्थलों में से एक है जिसकी वजह से इसे तीर्थराज के रूप में भी जाना जाता है। बता दें कि अमरकंटक 1065 मीटर की ऊंचाई पर स्थित एक हिल स्टेशन है, जो अपने कुछ अति सुंदर मंदिरों के लिए भी प्रसिद्ध है। मध्य प्रदेश की सबसे पवित्र और बड़ी नदी नर्मदा अमरकंटक से निकलती है जो इस स्थान को बेहद खास बनाती है। अमरकंटक के घने जंगलों में औषधीय गुणों से भरपूर पौधे हैं, जो इसे पारिस्थितिक रूप से महत्वपूर्ण बनाते हैं।

सांची

सांची मध्य प्रदेश में बौद्ध धर्म के दर्शनीय स्थलों में से एक है जो भारत में सबसे पुराने पत्थर संरचनाओं के लिए प्रसिद्ध है। साँची में स्थित बौद्ध स्मारक सांस्कृतिक रूप से समृद्ध भारत में मौजूद विशाल धरोहर का प्रतीक है। यहां स्थित महान स्तूप को तीसरी शताब्दी ईसा पूर्व में मौर्य वंश के सम्राट अशोक द्वारा स्थापित किया गया था। साँची में स्थित स्तूपों को भगवान बुद्ध और कई महत्वपूर्ण बौद्ध अवशेषों के घरों के रूप में बनाया गया था। यह स्थान हरे भरे बागानों से घिरा हुआ है, जो यहां आने वाले पर्यटकों को आनंद और शांति प्रदान करता है।

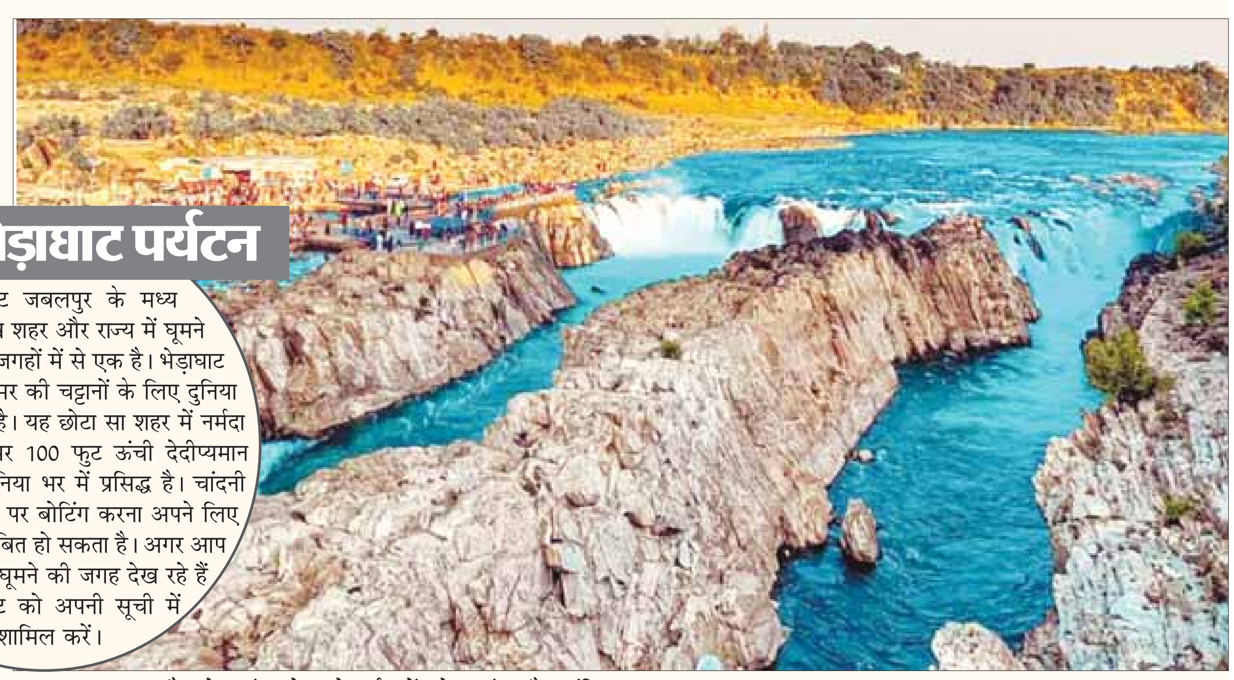

भेड़ाघाट पर्यटन

भेड़ाघाट जबलपुर के मध्य प्रदेश के प्रमुख शहर और राज्य में घूमने की सबसे खास जगहों में से एक है। भेड़ाघाट को इसकी संगमरमर की चट्टानों के लिए दुनिया भर में जाना जाता है। यह छोटा सा शहर में नर्मदा के दोनों किनारों पर 100 फुट ऊंची देदीप्यमान चट्टानों के लिए दुनिया भर में प्रसिद्ध है। चांदनी रात के दौरान यहां पर बोटिंग करना अपने लिए बेहद यादगार साबित हो सकता है। अगर आप मध्य प्रदेश में घूमने की जगह देख रहे हैं तो भेड़ाघाट को अपनी सूची में जरुर शामिल करें।

कान्हा राष्ट्रीय उद्यान

मंडला जिले में स्थित कान्हा नेशनल पार्क में राजसी प्राणी बाघ के साथ-साथ कई प्रकार के जंगली जानवरों का निवास स्थान है। यह पार्क 300 से अधिक प्रजातियों के साथ विभिन्न प्रकार के वन्यजीवों और कई पक्षी जीवों की मेजबानी करता है। इस पार्क की सबसे खास बात है कि यह मध्य प्रदेश में स्थित मध्य भारत का सबसे बड़ा राष्ट्रीय उद्यान है और इस उद्यान का नाम एशिया के सर्वश्रेष्ठ पार्कों की सूचि में शामिल है। इस पार्क में बड़े स्तनधारियों की 22 प्रजातियां पाई जाती है और शाही बंगाल बाघ यहां का एक प्रमुख आकर्षण हैं।

ओरछा पर्यटन

ओरछा मध्य प्रदेश में घूमने के लिए अच्छी जगहों में से एक है। बेतवा नदी के तट पर स्थित यह शहर अपने किले, मंदिरों और महलों के लिए जाना-जाता है। ओरछा किला अपने आकर्षण के लिए देश भर में प्रसिद्ध है, जो यहां आने वाले पर्यटकों के दिलों पर एक अलग ही जादू करता है। इसके अलावा चतुर्भुज मंदिर, राज मंदिर और लक्ष्मी मंदिर ओरछा के मुख्य आकर्षण हैं जो यहां आने वाले लोगों की यात्रा को यादगार बनाते हैं।

पचमढ़ी पर्यटन

अगर आप एक प्रकृति प्रेमी हैं तो मध्य प्रदेश में घूमने के लिए पचमढ़ी से अच्छी जगह और कोई नहीं हो सकती। पचमढ़ी 1,067 फीट की ऊँचाई पर स्थित मध्य प्रदेश का एक मात्र हिल स्टेशन है जिसको सतपुड़ा पर्वतमाला की रानी के रूप में जाना जाता है। पचमढ़ी मध्य प्रदेश का प्रमुख पर्यटक स्थल है जो चीन गुफाओं और सुंदर स्मारकों जैसे असंख्य आकर्षणों से भरा हुआ है। अगर आप मध्यपदेश में घूमने की अच्छी जगहों की खोज कर रहे हैं तो आपको एक बार पचमढ़ी जरुर जाना चाहिए।

मांडू पर्यटन

मांडू मध्य प्रदेश का के बहुत खास पर्यटन स्थल है जो पूर्वजों ने हासिल वास्तु उत्कृष्टता का प्रतीक है। यह शहर राजकुमार बाज बहादुर और रानी रूपमती के सच्चे प्यार को बताता है। बता दें कि मांडू भारत का सबसे पुराना निर्मित स्मारक भी है जो काफी प्रसिद्ध है।

टेकाड़ी नहर टोला में तेंदुए का हमला

बाल-बाल बचा बालक, ग्रामीणों का आरोप गहरी नींद में वन विभाग

कटंगी(स्वतंत्र मत)

वन परिक्षेत्र कटंगी और अरी रेंज के बीच बसे ग्राम टेकाड़ी (म) के नहर टोला में गुरूवार रात करीब साड़े 9 बजे एक बार फिर तेंदुए ने गांव में घुसकर दहशत फैला दी। इस बार तेंदुए ने जितेंद्र पटले के पालतू श्वान पर हमला किया। श्वान घायल हो गया, लेकिन गनीमत रही कि श्वान के पास ही बैठे बालक पर तेंदुए ने हमला नहीं किया। अगर तेंदुए की नजर बालक पर पड़ जाती तो जनहानि की घटना भी हो सकती थी। ग्रामीणों का कहना है कि पिछले करीब 6 महीने से तेंदुआ नहर टोला और आसपास के इलाके में अपनी पैठ बनाए हुए है। ग्रामीण लगातार वन विभाग को सूचना दे रहे हैं, लेकिन विभागीय अफसरों के कानों में जूं तक नहीं रेंग रही। अफसरों की इस लापरवाही से ग्रामीणों में भयंकर आक्रोश है। ग्रामीणों का यह भी आरोप है कि वन विभाग तभी हरकत में आता है जब कोई अनहोनी हो जाए। पठार अंचल में बाघ के हमले की पिछली घटनाएं इसका उदाहरण हैं। जितेंद्र पटले ने बताया कि गुरुवार की रात वह अपने घर के आंगन में बैठे थे।

उनका बालक और पालतू कुत्ता भी पास में ही थे। अचानक तेंदुआ बिजली की गति से आंगन में कूद पड़ा। तेंदुए ने सीधे कुत्ते पर हमला कर दिया। कुत्ता जोर से चिल्लाया और बचने के लिए इधर उधर भागा। बच्चा भी डर से रोने लगा। तब उन्होंने लाठी उठाकर शोर मचाना शुरू किया। पड़ोसी भी लाठी और टॉर्च लेकर बाहर निकल आए। शोर सुनकर तेंदुआ कुत्ते को छोड़कर भाग गया। कुत्ते के शरीर पर पंजे के गहरे निशान हैं और वह घायल हो गया। बच्ची को खरोंच तक नहीं आई, लेकिन वह अभी भी डरी हुई है। ग्रामीणों के अनुसार यह कोई पहली घटना नहीं है। पिछले 6 महीने से नहर टोला, टेकाड़ी म और आसपास के 4-5 गांवों में तेंदुए की चहल कदमी देखी जा रही है। लोग खेत में काम करने जाते समय डरते हैं। बच्चे शाम होते ही घर के अंदर चले जाते हैं। मवेशियों को रात में बाहर बांधना बंद कर दिया गया है। तेंदुए की चहलकदमी की सूचना वन विभाग के अधिकारियों को कई बार दी गई। बावजूद इसके कभी वन विभाग से सिर्फ चौकीदार तो कभी वनरक्षक ही आते हैं। वे पटाखे फोड़कर चले जाते हैं। वरिष्ठ अधिकारी मौके पर आकर निरीक्षण नहीं करते। पिंजरा लगाने या तेंदुए को पकड़कर जंगल में छोड़ने जैसी कोई ठोस कार्रवाई नहीं हुई। जिस वजह से तेंदुआ अब गांव को अपना ठिकाना बना चुका है। वह रात होते ही आबादी क्षेत्र में घुस आता है। अगर इसी तरह लापरवाही बरती गई तो पठार अंचल जैसी घटना यहां भी दोहराई जा सकती है। ग्रामीणों ने पठार अंचल की पुरानी घटनाओं का जिक्र करते हुए कहा कि वहां भी पहले ग्रामीण बाघ की मौजूदगी की सूचना देते रहे। वन विभाग ने बात को गंभीरता से नहीं लिया। नतीजा यह हुआ कि बाघ ने लोगों को अपना शिकार बना लिया। मौतें होने के बाद वन विभाग की नींद टूटी और तब जाकर बाघ को पकड़ने के लिए रेस्क्यू ऑपरेशन शुरू हुआ। टेकाड़ी के लोगों का कहना है कि हम नहीं चाहते कि नहर टोला में भी ऐसा ही हो। अभी समय है। तेंदुए ने सिर्फ कुत्ते पर हमला किया है। अभी किसी इंसान की जान नहीं गई है। वन विभाग अगर अभी सतर्क हो जाए और तेंदुए को पकड़कर घने जंगल में छोड़ दे तो बड़ी दुर्घटना टाली जा सकती है। नहर टोला में करीब 40 परिवार रहते हैं। घटना के बाद से पूरे गांव में डर का माहौल है। तेंदुआ 6 महीने से हैबिचुएट हो चुका है लगातार कुत्तों पर हमले की घटनाएं यही साबित कर रही है। खैर, पठार अंचल की त्रासदी से विभाग को सबक लेना होगा। मौत के बाद रेस्क्यू करने से बेहतर है, मौत से पहले रोकथाम की जाए। वन विभाग के अफसरों को अपनी कुर्सी से उठकर गांव जाना होगा। ग्रामीणों की बात सुननी होगी। तभी जंगल और गांव दोनों सुरक्षित रहेंगे।

किसान गर्जना संगठन की बैठक में उबाल

डीजल-खाद-बिजली को लेकर सरकार पर बरसे पदाधिकारी, 15 दिन का अल्टीमेटम

कटंगी(स्वतंत्र मत)

मध्यप्रदेश के धान का कटोरा कहे जाने वाले बालाघाट जिले में खेती का सीजन शुरू होते ही किसान संकट में घिर गए हैं। शुक्रवार 5 जून की शाम 4 बजे विश्राम गृह कटंगी में किसान गर्जना संगठन की बैठक आयोजित की गई। बैठक में संगठन के पदाधिकारियों ने हिस्सा लिया और पेट्रोल डीजल के बड़ते दाम, डीजल की किल्लत, खाद की कालाबाजारी और अघोषित बिजली कटौती को लेकर प्रदेश सरकार पर जमकर निशाना साधा। संगठन के पदाधिकारियों ने कलेक्टर के माध्यम से मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव सरकार को चेतावनी दी है कि अगर 15 दिन के भीतर किसानों की मांगें पूरी नहीं की गईं तो उग्र आंदोलन शुरू होगा। किसानों का कहना है कि अगर समय पर डीजल नहीं मिला तो धान की रोपाई पिछड़ जाएगी और मध्यप्रदेश का धान का कटोरा सूखाग्रस्त हो जाएगा। किसान गर्जना संगठन के ब्लॉक अध्यक्ष भरतलाल बिसेन ने बैठक की अध्यक्षता की। उन्होंने कहा कि जून की शुरुआत होते ही किसानों ने खेतों में ट्रैक्टर लगाकर भूमि तैयार करना शुरू कर दिया है। लेकिन डीजल पंप पर मिल नहीं रहा है। जो मिल रहा है वह केन में नहीं दिया जा रहा। ट्रैक्टर चालक और मालिक परेशान हैं। किसानों का सबसे बड़ा मुद्दा पेट्रोल डीजल के लगातार बड़ते दाम रहे। किसान गर्जना संगठन के पदाधिकारियों ने आंकड़ों के साथ बताया कि भारत के भीतर मध्यप्रदेश में पेट्रोल डीजल सबसे महंगा बिक रहा है। प्रदेश सरकार पेट्रोल डीजल पर वैट, सेस और अन्य चार्ज लगाकर जनता से बेतहाशा वसूली कर रही है। पिछले साल इस समय डीजल 88 रुपए लीटर था। अब यह 95 रुपए के पार पहुंच गया है। ट्रैक्टर एक घंटे में 4 से 5 लीटर डीजल खाता है। एकड़ जमीन तैयार करने में 8 से 10 लीटर डीजल लग जाता है। पहले जहां 800 रुपए में एकड़ तैयार हो जाता था, अब 1000 रुपए से ज्यादा खर्च आ रहा है। खेती पहले से ही घाटे का सौदा है। ऊपर से डीजल महंगा होने से लागत और बड़ गई है। किसान ने कहा कि हम फसल बेचते हैं तो दाम नहीं बड़ते, लेकिन खेती के लिए लगने वाली हर चीज का दाम बड़ जाता है। यह कैसा न्याय है? संगठन ने आरोप लगाया कि डॉ. मोहन यादव सरकार चुनाव के समय किसानों को सस्ता डीजल देने का वादा करती है। सरकार बनने के बाद किसानों को भूल जाती है। मध्यप्रदेश कृषि प्रधान राज्य है। यहां किसानों को डीजल पर सब्सिडी या रियायती दर पर डीजल उपलब्ध कराना चाहिए। किसानों ने बताया कि जून की शुरुआत होते ही ट्रैक्टर से खेत की जुताई, पडलिंग और नर्सरी तैयार करने का काम शुरू हो जाता है। यह सीजन का सबसे व्यस्त समय होता है। लेकिन पेट्रोल पंप संचालकों ने केन में डीजल देना बंद कर दिया है। नियम का हवाला देकर किसानों को मना कर दिया जाता है। किसान ट्रैक्टर लेकर पंप पर लाइन में लगते हैं तो घंटों इंतजार करना पड़ता है। कई बार डीजल खत्म हो जाता है और किसान खाली हाथ लौट आते हैं। किसानों ने कलेक्टर का ध्यानाकर्षण कराते हुए मांग रखी है कि ट्रैक्टर चालकों और मालिकों को कृषि कार्य के लिए केन में डीजल उपलब्ध करवाया जाए। बैठक में पदाधिकारियों ने अघोषित बिजली कटौती का मुद्दा भी जोर शोर से उठाया।

510 क्विंटल से अधिक धान बीज के अवैध भंडारण पर बजरंग कृषि केंद्र कोसमी के प्रोपराइटर पर एफआईआर

बजरंग कृषि केंद्र को किया गया सील

बालाघाट(स्वतंत्र मत)

किसानों के हितों की सुरक्षा और कृषि आदानों की गुणवत्ता सुनिश्चित करने के लिए जिले में चलाए जा रहे विशेष अभियान के तहत कलेक्टर श्री मृणाल मीना के निर्देश पर कृषि विभाग ने बड़ी कार्रवाई करते हुए परसवाड़ा तहसील के ग्राम कोसमी स्थित बजरंग कृषि केंद्र में 510 क्विंटल 79 किलोग्राम धान बीज का अवैध भंडारण पकड़ा है। मामले में किसानों के साथ धोखाधड़ी की आशंका को देखते हुए कृषि केंद्र को सील कर दिया गया है तथा संचालक के विरुद्ध विभिन्न धाराओं के तहत एफआईआर दर्ज कराई गई है। जानकारी के अनुसार, 23 मई 2026 को सहायक संचालक कृषि राजेश खोबरागड़े, अनुविभागीय अधिकारी कृषि परसवाड़ा श्री एस.आर. धुर्वे, बीज, उर्वरक एवं कीटनाशक निरीक्षक तथा कृषि विकास अधिकारी सुश्री प्रीति पंद्राम द्वारा ग्राम कोसमी स्थित बजरंग कृषि केंद्र का आकस्मिक निरीक्षण

किया गया। निरीक्षण के दौरान केंद्र में उपलब्ध धान बीज के स्टॉक एवं संबंधित अभिलेखों की गहन जांच की गई। जांच में पाया गया कि केंद्र के प्रोपराइटर सूरजलाल हिरवाने द्वारा निर्धारित नियमों का उल्लंघन करते हुए बड़ी मात्रा में धान बीज का भंडारण किया गया था। अधिकारियों को केंद्र में श्री सीड्स, सोमाजीगुड़ा (हैदराबाद) कंपनी का 462 क्विंटल 70 किलोग्राम तथा सीड वर्क इंटरनेशनल लिमिटेड, गोड़ावेली, मलकाजगिरी (तेलंगाना) कंपनी का 48 क्विंटल 09 किलोग्राम धान बीज अवैध रूप से भंडारित मिला। इस प्रकार कुल 510 क्विंटल 79 किलोग्राम धान बीज का नियम विरुद्ध भंडारण पाए जाने पर तत्काल कार्रवाई करते हुए कृषि केंद्र को सील कर दिया गया। कृषि विभाग की जांच में यह भी सामने आया कि अवैधानिक तरीके से बीज का भंडारण कर किसानों को भ्रमित करने एवं उनके साथ धोखाधड़ी किए जाने की आशंका है। मामले को गंभीरता से लेते हुए बीज निरीक्षक एवं कृषि विकास अधिकारी सुश्री प्रीति पंद्राम ने 4 जून 2026 को परसवाड़ा थाना पहुंचकर बजरंग कृषि केन्द्र के संचालक सूरजलाल हिरवाने के विरुद्ध शिकायत दर्ज कराई। शिकायत के आधार पर परसवाड़ा पुलिस ने आरोपी के विरुद्ध भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस) की धारा 314(4), बीज अधिनियम तथा अत्यावश्यक वस्तु अधिनियम के प्रावधानों के तहत एफआईआर दर्ज कर ली है। पुलिस एवं कृषि विभाग द्वारा मामले की विस्तृत जांच की जा रही है। कृषि विभाग के अधिकारियों ने स्पष्ट किया है कि किसानों के हितों से खिलवाड़ करने वाले किसी भी व्यक्ति या संस्था को बख्शा नहीं जाएगा। जिले में बीज, उर्वरक एवं कीटनाशकों के विक्रय एवं भंडारण पर लगातार निगरानी रखी जा रही है तथा नियमों का उल्लंघन पाए जाने पर सख्त कानूनी कार्रवाई की जाएगी। इस कार्रवाई को कृषि क्षेत्र में पारदर्शिता बनाए रखने तथा किसानों को गुणवत्तायुक्त कृषि आदान उपलब्ध कराने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम माना जा रहा है।

राज्य स्तरीय सुब्रोतो मुखर्जी फुटबॉल प्रतियोगिता 15 से 18 जून तक उमरिया में

उमरिया (स्वतंत्रमत)। जिले में राज्य स्तरीय सुब्रोतो मुखर्जी फुटबॉल प्रतियोगिता का आयोजन 15 से 18 जून 2026 तक किया जाएगा। प्रतियोगिता में बालक अंडर-15, बालक अंडर-17 तथा बालिका अंडर-17 आयु वर्ग की टीमें हिस्सा लेंगी। आयोजन की तैयारियों एवं सफल संचालन के लिए कलेक्टर श्रीमती राखी सहाय ने सीईओ जिला पंचायत अभय सिंह को नोडल अधिकारी नियुक्त किया है। कलेक्टर ने बताया कि प्रतियोगिता में प्रदेश के विभिन्न संभागों से खिलाड़ी, प्रशिक्षक तथा अधिकारी शामिल होंगे। प्रतियोगिता की अध्यक्षता कलेक्टर श्रीमती राखी सहाय करेंगी, जबकि कार्यकारी अध्यक्ष के रूप में पुलिस अधीक्षक विजय कुमार भागवानी जिम्मेदारी निभाएंगे। आयोजन को सुव्यवस्थित एवं सफल बनाने के लिए विभिन्न समितियों का गठन कर अधिकारियों एवं कर्मचारियों को अलग-अलग दायित्व सौंपे गए हैं। गठित समितियों के सभी प्रभारी एवं सदस्यों को निर्देशित किया गया है कि वे अपने दायित्वों का निर्वहन पूर्ण निष्ठा, जिम्मेदारी एवं सतर्कता के साथ करें। यह आदेश तत्काल प्रभाव से लागू होगा। कलेक्टर ने यह भी निर्देश दिए हैं कि आवश्यकता के अनुसार आवास व्यवस्था में परिवर्तन किया जा सकता है, जिसकी पूर्व सूचना संबंधित पक्षों को उपलब्ध कराई जाएगी।

विश्व पर्यावरण दिवस पर ईवीएम गोदाम परिसर में हुआ पौधारोपण

उमरिया (स्वतंत्रमत)। शुक्रवार 5 जून को विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर एक पेड़ मां के नाम अभियान के तहत जिले के ईवीएम गोदाम परिसर में पौधारोपण कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम में बांधवगढ़ विधायक शिवनारायण सिंह, कलेक्टर राखी सहाय सहित जिला प्रशासन के अधिकारियों एवं कर्मचारियों ने विभिन्न प्रजातियों के पौधे रोपित कर पर्यावरण संरक्षण का संदेश दिया।

कार्यक्रम का उद्देश्य पर्यावरण संरक्षण के प्रति जन-जागरूकता बढ़ाना तथा अधिक से अधिक पौधारोपण के लिए लोगों को प्रेरित करना था। कार्यक्रम के दौरान आम, अशोक एवं गुलमोहर सहित विभिन्न छायादार और पर्यावरण हितैषी पौधों का रोपण किया गया। इस अवसर पर विधायक शिवनारायण सिंह ने कहा कि वर्तमान समय में पर्यावरण संरक्षण विश्व की सबसे बड़ी चुनौतियों में से एक है। लगातार बढ़ते प्रदूषण, वनों की कटाई और जलवायु परिवर्तन के दुष्प्रभावों से निपटने के लिए पौधारोपण अत्यंत आवश्यक है। उन्होंने कहा कि वृक्ष न केवल हमें शुद्ध वायु प्रदान करते हैं, बल्कि वर्षा चक्र को संतुलित रखने, मिट्टी के संरक्षण तथा जैव विविधता को सुरक्षित रखने में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। विधायक ने कहा कि यदि प्रत्येक नागरिक प्रतिवर्ष कम से कम एक पौधा लगाकर उसकी देखभाल करने का संकल्प ले, तो आने वाले वर्षों में पर्यावरण संरक्षण की दिशा में सकारात्मक परिणाम देखने को मिल सकते हैं। उन्होंने युवाओं से विशेष रूप से पर्यावरण संरक्षण अभियान में सक्रिय भागीदारी निभाने का आह्वान किया। कलेक्टर श्रीमती राखी सहाय ने उपस्थित अधिकारियों एवं कर्मचारियों को संबोधित करते हुए कहा कि पौधारोपण केवल एक दिवस का कार्यक्रम नहीं होना चाहिए, बल्कि इसे हमारी जीवनशैली का हिस्सा बनना चाहिए। उन्होंने कहा कि पौधे लगाना जितना महत्वपूर्ण है, उतना ही महत्वपूर्ण उनकी सुरक्षा और नियमित देखभाल करना भी है। कई बार पौधारोपण तो किया जाता है, लेकिन उचित संरक्षण के अभाव में पौधे जीवित नहीं रह पाते।

मानपुर विधायक ने रक्सा में सीसी रोड का किया भूमि पूजन

मानपुर (स्वतंत्रमत)। क्षेत्रीय विकास के ग्राफ को बढ़ाते हुये मानपुर विधानसभा क्षेत्र की लोकप्रिय विधायक एवं पूर्व कैबिनेट मंत्री सुश्री मीना सिंह द्वारा लगातार क्षेत्रीय विकास को ध्यान में रखते हुए भूमि पूजन और लोकार्पण के कार्यक्रम जारी हैं, जिससे क्षेत्रीय लोगों में खुशी दिख रही हैं और विधायक जी को धन्यवाद ज्ञापित किया जा रहा है। कुछ दिन पहले 12 लाख के लागत से बनने वाले सीसी सड़क का भूमि पूजन मानपुर ब्लाक के परासी ग्राम पंचायत में भूमि पूजन हुआ था एवं 4 जून गुरुवार को ग्राम पंचायत में

सीसी सड़क का भूमि पूजन किया गया। कार्यक्रम में सबसे पहले महिला मंडली द्वारा भजन और लोक गीत संगीत का गायन किया गया, फिर कलश और पुष्प गुच्छों से अतिथियों का स्वागत किया गया। मुख्य अतिथि मानपुर विधायक सुश्री मीना सिंह द्वारा पौराणिक मंत्रों से भूमि पूजन एवं कन्या पूजन कर सिला के पट खोलकर कार्यक्रम का श्रीगणेश किया गया। कार्यक्रम में जिला पंचायत के अध्यक्ष अनूजा पटेल, मानपुर जनपद अध्यक्ष ममता सिंह, सीईओ अंकित कुमार सिरोचिया, सरपंच अंजना सिंह, पुलिस एवं पंचायत विभागीय टीम, आगनबाड़ी एवं आशा,उषा कार्यकर्ता, भाजपा पदाधिकारी हरीश विश्वकर्मा, रषिक खण्डेलवाल एवं अन्य कार्यकर्ता, पत्रकार महेन्द्र मिश्रा के सांथ कई गांव से आये कई सैकड़ा लोगों का जन सैलाब उपस्थित रहा। अपने उदबोधन में जिला पंचायत एवं जनपद पंचायत अध्यक्षों ने विधायक जी एवं उपस्थित लोगों का अभिवादन करते हुये क्षेत्रीय विकास को लेकर और सरकार के प्रति खुशी जाहिर किये, वहीं सुश्री विधायक जी ने कहा कि भारतीय जंता पार्टी के सरकार और पीएम मोदी जी एवं सीएम डॉ मोहन यादव जी के कार्यकाल में भी क्षेत्र का विकास बड़ी तेजी के साथ हो रहा है। लाड़ली बहना, लाड़ली सक्ष्मी, पीअम आवास, मातृवंदना, प्रसूति सहायता, पीएम और सीएम किसान सम्मान निधि जैसे कई योजनायें संचालित हैं।

विवाह योग्य युवक-युवतियों की बढ़ती उम्र पर जताई चिंता

डहरवाल कलार समाज की जिलास्तरीय बैठक में प्रतिभाओं और वरिष्ठजनों का हुआ सम्मान

बालाघाट(स्वतंत्र मत)

डहरवाल कलार समाज संगठन की वार्षिक जिलास्तरीय बैठक गुरुवार को बालाघाट नगर स्थित कमला नेहरू हॉल में आयोजित की गई। बैठक में जिलेभर से समाज के पदाधिकारी, वरिष्ठजन, महिला एवं युवा प्रकोष्ठ के प्रतिनिधि तथा बड़ी संख्या में समाजजन शामिल हुए। कार्यक्रम में समाज के प्रतिभावान छात्र-छात्राओं, शासकीय सेवाओं में चयनित युवाओं, वरिष्ठ नागरिकों एवं समाज के लिए उल्लेखनीय योगदान देने वाले लोगों का सम्मान किया गया। वहीं इस वर्ष समाज में विवाह योग्य युवक-युवतियों की बढ़ती उम्र और विवाह में हो रही देरी को प्रमुख चर्चा का विषय बनाया गया।

कार्यक्रम का शुभारंभ समाज के आराध्य देव भगवान सहस्त्रबाहु के छायाचित्र पर माल्यार्पण एवं पूजा-अर्चना के साथ किया गया। इसके बाद अतिथियों का स्वागत कर बैठक की औपचारिक शुरुआत हुई। मंच पर नागपुर अखंड डहरवाल कलार समाज के अध्यक्ष लिखेंद्र बिठले, प्रांतीय उपाध्यक्ष लाखू पटेल, संरक्षक शिवाजी बाविस्ताले, वरिष्ठ समाजसेवी अमृतलाल धुवारे तथा जिलाध्यक्ष राजेंद्र साकरे सहित अन्य पदाधिकारी उपस्थित रहे।

विवाह योग्य बच्चों की बढ़ती उम्र बनी चिंता बैठक में समाज के वरिष्ठजनों ने कहा कि वर्तमान समय में विवाह योग्य

युवक-युवतियों की बढ़ती उम्र समाज के लिए चिंता का विषय बनती जा रही है। कई बार अत्यधिक अपेक्षाएं, सामाजिक प्रतिष्ठा की सोच और विभिन्न शर्तों के कारण विवाह में अनावश्यक देरी हो रही है। इसका प्रभाव युवाओं के भविष्य और सामाजिक व्यवस्था दोनों पर पड़ रहा है। वक्ताओं ने अभिभावकों से अपील की कि वे बच्चों के भविष्य को प्राथमिकता देते हुए समय पर उचित निर्णय लें। साथ ही युवाओं को अच्छे संस्कार, शिक्षा और पारिवारिक मूल्यों से जोड़ने पर भी जोर दिया गया। उन्होंने कहा कि माता-पिता को बच्चों के साथ संवाद बनाए रखना चाहिए और उनके जीवन से जुड़े महत्वपूर्ण निर्णयों में मार्गदर्शन प्रदान करना चाहिए।

समाज में बदलते परिवेश पर भी हुई चर्चा-महिला प्रकोष्ठ की प्रतिनिधियों और समाज के मार्गदर्शकों ने कहा कि समय के साथ सामाजिक परिस्थितियों में काफी बदलाव आया है। विवाह को लेकर बड़े सपने और ऊंची अपेक्षाएं रखने के कारण अनेक युवक-युवतियां विवाह योग्य आयु पार कर रहे हैं। ऐसे में समाज को व्यावहारिक दृष्टिकोण अपनाते हुए इस दिशा में सकारात्मक पहल करनी होगी।

मेधावी विद्यार्थियों और नव नियुक्त कर्मचारियों का सम्मान

वार्षिक बैठक के दौरान समाज की प्रतिभाओं को सम्मानित किया गया। विशेष उपलब्धियां हासिल करने वाले सात लोगों को सम्मान प्रदान किया गया। वहीं विभिन्न शासकीय विभागों में चयनित आठ नव नियुक्त कर्मचारियों को भी प्रशस्ति पत्र एवं श्रीफल देकर सम्मानित किया गया। इसके अलावा कक्षा 10वीं एवं 12वीं बोर्ड परीक्षाओं में 75 प्रतिशत से अधिक अंक प्राप्त करने वाले लगभग 200 छात्र-छात्राओं का भी सम्मान किया गया। समाज के वरिष्ठ नागरिकों और समाज सेवा में सक्रिय योगदान देने वाले लोगों को भी सम्मानित किया गया।

तहसील स्तर पर होंगी बैठकें, फिर होगा अंतिम निर्णय-जिलाध्यक्ष राजेंद्र साकरे ने बैठक में संगठन की वार्षिक आय-व्यय रिपोर्ट प्रस्तुत करते हुए कहा कि समाज में विवाह योग्य युवक-युवतियों की बढ़ती उम्र की समस्या को इस वर्ष प्रमुख विषय के रूप में लिया गया है। इस संबंध में जिले की विभिन्न तहसीलों में बैठकों का आयोजन कर समाजजनों के सुझाव लिए जाएंगे। इसके बाद जिला स्तर पर एक बड़ी बैठक आयोजित कर अंतिम निर्णय लिया जाएगा। उन्होंने समाज के अभिभावकों से बच्चों के भविष्य को ध्यान में रखते हुए समय पर विवाह संबंधी निर्णय लेने की अपील की। कार्यक्रम में समाज के पदाधिकारियों, महिला प्रकोष्ठ, युवा प्रकोष्ठ तथा विभिन्न तहसीलों से आए प्रतिनिधियों सहित बड़ी संख्या में समाजजन उपस्थित रहे।

इनकी रही उपस्थिति...-इस कार्यक्रम में डहरवाल कलार समाज के जिला अध्यक्ष राजेंद्र सकरे, सचिव दुर्गा प्रसाद बाविसताले, अध्यक्ष परदेसी राठौर, प्रयागराज सुहागपुरे, मीडिया प्रभारी पंकज डहरवाल, रमन बिठले, कोषाध्यक्ष विजय बाविसताले, युवा प्रकोष्ठ संयोजक आशीष गढ़पांडे, अखिलेश मंडलेकर, संयोजक डी सी डहरवाल, नारायण डहरवाल, बालाघाट तहसील अध्यक्ष ज्ञानचंद भौरगढ़े, तिरो?ी तहसील अध्यक्ष सुशील उचबगले, वारासिवनी तहसील अध्यक्ष शिवशंकर मंडलेकर, बैहर तहसील अध्यक्ष जागेश्वर ब्रम्हनोटे, परसवाडा तहसील अध्यक्ष जगदीश साकरे, खैरलांजी तहसील अध्यक्ष श्रीराम सुहागपुरे, लालबर्रा अध्यक्ष राजू बिठले, कटंगी अध्यक्ष चंद्रप्रकाश डहरवाल, बिरसा अध्यक्ष चोखेलाल पारधी तथा महिला प्रकोष्ठ से संयोजक बिरसा श्रीमती सरस्वती ब्रम्हनोटे, श्रीमती रत्ना डहरवाल, श्रीमती कौतिक सिन्धुपे, बैहर संयोजक श्रीमती बबीता ब्रम्हनोटे, श्रीमती मुन्नीबाई डहरवाल, परसवाडा संयोजक श्रीमती रजनी राठौर, श्रीमती भारती अशोक साकरे सहित समाज के वृद्धजनों और लोगों की उपस्थिति रही।

खरीफ सीजन आते ही कृषि सेवा केन्द्रों में किसानों को लूटने की तैयारी, घटिया बीज के साथ कीटनाशक दवा पर सवाल

मण्डला(स्वतंत्रमत)

खरीफ फसल की तैयारी में जुटा किसान अब कृषि सेवा केन्द्रों के चक्कर लगा रहा है। जहां पर अच्छी किस्म के बीज को वह तालाश रहा है लेकिन उसे कोई खास राहत नही मिल रही है लगातार कृषि दुकानों का खुलना और इन दुकानों में नियम कानूनों का पालन न होना इस समस्या को और बढ़ा रहा है। किसानों बताया कि बाजार में नकली बीजों का भंडार दिखाई दे रहा है। आधुनिक पैकिंग में बेचे जा रहे धान के बीज की गुणवत्ता और फसल का उत्पादन कैसा होगा इस पर कोई भी चर्चा नही हो रही है। कृषि विभाग के अधिकारी यह बताने में नकाम है कि कौंन-सी कम्पनी के बीज फसल के लिए बेहतर होंगे। गरीब अशिक्षित किसान दुकानदारों की बातों में आकर घटिया बीज खरीद रहे हैं। पूर्व के वर्षो में भी अनेक दुकानदारों पर इस तरह के बीज बेचे जाने का आरोप लगे थे लेकिन कोई ठोस कार्यवाही नही हो पाई जिन दुकान गोदामों को पिछले वर्ष शील किया गया था। उन दुकानों को फिर से अनुमति कर दी गई है। कितना स्टॉक कौन सी कम्पनी का किसके पास है इसका कोई भी रिकॉर्ड संधारण नही है। जबकि पिछले

वर्ष नैनपुर क्षेत्र में घटिया धान बीज बनाते एक फैक्ट्री भी पकड़ी गई थी इसके बाद भी कोई सुधार नही हो पाया है भले ही कृषि विभाग के अधिकारी दौरा आदि कर निरीक्षण की बात करते हो लेकिन किसानों को सब पता है कि किस तरह उन्हें ठगा जा रहा है जिस बीज की कीमत हजार होनी चाहिए वह बीज 3 से 4 हजार में बिक रहा है। किसानों को पूरी लूटने की तैयारी कर ली गई है। वर्ष 2026-27 में जिले में लगभग 2.40 लाख हेक्टेयर क्षेत्र में खरीफ फसलों की बुवाई का लक्ष्य निर्धारित किया गया है। इसके लिए किसानों को समय पर कृषि आदानों की उपलब्धता, तकनीकी मार्गदर्शन तथा कृषि सेवा केंद्रों की नियमित निगरानी सुनिश्चित के निर्देश शासन ने दिए हुए हैं। किसानों के हितों की रक्षा और कृषि आदानों की गुणवत्ता बनाए रखने के लिए जिलेभर में औचक निरीक्षण अभियान चलाया जा रहा है लेकिन ठोस कार्यवाही नही हो रही है। भले ही आगामी खरीफ सीजन 2026-27 को ध्यान में रखते हुए किसानों को गुणवत्तापूर्ण खाद बीज एवं कीटनाशकों की उपलब्धता सुनिश्चित करने के लिए कृषि विभाग ने जिले में सघन निरीक्षण अभियान शुरू कर दिया है। विभिन्न कृषि सेवा केंद्रों एवं बीज विक्रेताओं के यहां औचक निरीक्षण कर कृषि आदानों की गुणवत्ता एवं उपलब्धता की जांच की गई हो लेकिन किसानों को कोई राहत नही मिल पाई

है। अधिकारी निरीक्षण कर रहे है और विक्रेताओं के स्टॉक, विक्रय अभिलेख, भंडारण व्यवस्था एवं बिल-बुक का बारीकी से परीक्षण भी हो रहा है। जाँच के दौरान सोनल कृषि केंद्र पुरवा एवं सिद्धि विनायक कृषि सेवा केंद्र पुरवा में भंडारित बीजों से संबंधित आवश्यक पी.सी. (प्रोसेसिंग/प्रमाणीकरण) प्रविष्टियां दर्ज नहीं पाई गईं। इसे गंभीर अनियमितता मानते हुए उप संचालक कृषि द्वारा संबंधित विक्रेताओं को कारण बताओ नोटिस जारी किए गए हैं। साथ ही तीन दिवस के भीतर समस्त भंडारित बीजों की आवश्यक प्रविष्टियाँ पूर्ण करने के निर्देश दिए गए हैं। निरीक्षण के दौरान अधिकारियों ने सभी कृषि आदान विक्रेताओं को निर्देशित किया कि किसानों को केवल प्रमाणित एवं गुणवत्तायुक्त बीज, खाद एवं कीटनाशक ही उपलब्ध कराए जाएं। साथ ही खरीफ सीजन में किसानों की सुविधा को ध्यान में रखते हुए केंद्रों पर पेयजल, छाया एवं अन्य आवश्यक व्यवस्थाएं सुनिश्चित करने के निर्देश भी दिए गए। कृषि विभाग के अनुसार जिले में खरीफ फसलों के रकबे में वृद्धि के लिए व्यापक तैयारियां की जा रही हैं। किसानों को गुणवत्तापूर्ण खाद बीज एवं कीटनाशकों की उपलब्धता सुनिश्चित करने के उद्देश्य से कृषि विभाग द्वारा जिले के विभिन्न कृषि सेवा केंद्रों एवं बीज भंडारों का औचक निरीक्षण किया गया। उप संचालक कृषि अश्वनी झारिया ने 2 जून को विभिन्न कृषि प्रतिष्ठानों का निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान स्टॉक रजिस्टर बिल बुक एवं विक्रय अभिलेखों का परीक्षण किया गया। निरीक्षण में सोहल कृषि केंद्र एवं सिद्धि विनायक कृषि सेवा केंद्र द्वारा भंडारित बीजों की पी.सी. प्रमाणीकरण संबंधी जानकारी अद्यतन नहीं पाए जाने पर संबंधित संचालकों को कारण बताओ नोटिस जारी किया गया।

फार्मर रजिस्ट्री पूर्ण करने निर्देश

मण्डला(स्वतंत्रमत)। कलेक्टर ने गुरुवार को जिला योजना भवन में आयोजित राजस्व अधिकारियों की बैठक में जिले के राजस्व कार्यों, लंबित प्रकरणों, राजस्व वसूली, फार्मर रजिस्ट्री सीएम हेल्पलाइन तथा अन्य महत्वपूर्ण विषयों की विस्तार से समीक्षा की। बैठक में उन्होंने अधिकारियों को स्पष्ट निर्देश दिए कि राजस्व प्रकरणों के निराकरण में किसी भी प्रकार की शिथिलता स्वीकार नहीं की जाएगी तथा सभी प्रकरणों का समय-सीमा के भीतर गुणवत्तापूर्ण निराकरण सुनिश्चित किया जाए बैठक में कलेक्टर ने कहा कि सीमांकन नामांतरण, बंटवारा, भू-अभिलेख दुरुस्ती, अतिक्रमण संबंधी प्रकरण तथा राजस्व वसूली शासन की प्राथमिकताओं में शामिल हैं। इन कार्यों की नियमित समीक्षा करते हुए प्रकरणों के त्वरित निराकरण पर विशेष ध्यान दिया जाए। मामलों की समीक्षा कर उन्हें प्राथमिकता के आधार पर निपटाया जाए राजस्व वसूली की समीक्षा करते हुए कलेक्टर ने कहा कि प्रत्येक राजस्व अधिकारी अपने क्षेत्र के लिए वसूली के स्पष्ट लक्ष्य एक सप्ताह में निर्धारित करें।

जिले में 4.3 मिमी औसत वर्षा

मण्डला(स्वतंत्रमत)। जिले में इस वर्ष 1 जून से 4 जून के दौरान 4.3 मिमी. औसत वर्षा दर्ज की गई है जबकि इसी अवधि तक गत वर्ष 14.8 मिलीमीटर औसत वर्षा दर्ज की गई थी इस प्रकार गत वर्ष की तुलना में इस वर्ष 10.5 मिलीमीटर कम वर्षा दर्ज की गई है अधीक्षक भू-अभिलेख से प्राप्त जानकारी के अनुसार 4 जून को मंडला में 19.2 मि.मी. वर्षा दर्ज की गई इस प्रकार जिले में 4 जून को 3.2 मिमी.औसत वर्षा दर्ज की गई है।

संगम यात्रा का द्वितीय दिवस

मण्डला(स्वतंत्रमत)। मध्यप्रदेश जन अभियान परिषद द्वारा संचालित गौर नदी संरक्षण अभियान के अंतर्गत आयोजित उद्गम से संगम यात्रा का द्वितीय दिवस उत्साहपूर्ण वातावरण में संपन्न हुआ। यात्रा का उद्देश्य नर्मदा की सहायक गौर नदी के संरक्षण, पुनर्जीवन तथा जल संरक्षण के प्रति जनजागरूकता बढ़ाना है द्वितीय दिवस में विकासखंड निवास के सेक्टर-3 अंतर्गत ग्राम भटगांव से यात्रा प्रारंभ की गई। यात्रा दल ने भारद्वारा, कटंगसिवनी, पाडरपानी सहित गौर नदी के तटवर्ती ग्रामों का भ्रमण कर स्थानीय ग्रामीणों से संवाद स्थापित किया।

निषेध दिवस पर रैली

मण्डला(स्वतंत्रमत)। विश्व तम्बाकू निषेध दिवस के अवसर पर भारत सरकार के नशा मुक्त भारत अभियान के अंतर्गत सामाजिक न्याय विभाग द्वारा जनजागरूकता रैली एवं जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। रैली का शुभारंभ योजना भवन से मुख्य अतिथियों एवं गणमान्य नागरिकों द्वारा दीप प्रज्वलन तथा नशामुक्ति के नारों के साथ किया गया। इसके पश्चात रैली लालीपुर चौराहा, चिलमन चौक होते हुए नगरपालिका परिषद पहुंची। रैली में शामिल प्रतिभागियों ने हाथों में तख्तियाँ एवं बैनर लेकर तंबाकू छोड़ो दृढ़निश्चय, जीवन जोड़ो, नशा मुक्त भारत, स्वस्थ भारत तथा स्वास्थ्य है।

स्वच्छता का लिया संकल्प

मण्डला(स्वतंत्रमत)। मध्यप्रदेश जन अभियान परिषद द्वारा विकासखंड मोहगांव में समीक्षा बैठक आयोजित की गई। बैठक में नवांकुर संस्थाओं द्वारा संचालित गतिविधियों एवं आगामी कार्ययोजना की विस्तृत समीक्षा की गई। जल गंगा अभियान के अंतर्गत रेवा सेवा समागम, गंगा दशहरा कार्यक्रम, समितियों के फ्लेक्स एवं सूचना बोर्ड, जन सूचना केंद्र, पौधारोपण तथा नर्सरी विकास संबंधी कार्यों पर चर्चा की गई।

10 वर्ष पूर्ण होने पर कार्यक्रम आयोजित

मण्डला(स्वतंत्रमत)

जिले के प्रतिष्ठित बाइकिंग समूह माहिष्मती राइडर्स ने अपनी स्थापना के 10 वर्ष पूर्ण होने पर समारोह आयोजित कर गौरव शाली दशक का उत्सव मनाया इस अवसर पर क्लब के सदस्य एकत्रित हुए, केक काटकर खुशियां साझा कीं तथा बीते वर्षों की उपलब्धियों और यादगार पलों को स्मरण किया समारोह में वक्ताओं ने बताया कि माहिष्मती राइडर्स ने पिछले एक दशक में साहसिक बाइकिंग के क्षेत्र में उल्लेखनीय पहचान बनाई है क्लब के सदस्यों ने देश के विभिन्न हिस्सों में अनेक रोमांचक और चुनौतीपूर्ण यात्राएं

सफलता पूर्वक पूरी की हैं इनमें विश्व प्रसिद्ध लेह-लद्दाख की दुर्गम यात्रा विशेष रूप से उल्लेखनीय रही कठिन पर्वतीय मार्गों और प्रतिकूल परिस्थितियों के बीच संपन्न इन यात्राओं ने सदस्यों के साहस अनुशासन और एकजुटता को नई पहचान दिलाई माहिष्मती राइडर्स ने जिले के विभिन्न शासकीय एवं जनहित कार्यक्रमों में भी महत्वपूर्ण योगदान दिया है क्लब द्वारा समय-समय पर तिरंगा राइड, यातायात जागरूकता अभियान तथा कोविड-19 महामारी के दौरान जनजागरूकता रैलियों का आयोजन किया गया सभी सदस्यों ने संकल्प लिया कि आने वाले वर्षों में साहसिक यात्राओं के साथ-साथ सामाजिक सेवा पर्यावरण संरक्षण और जनजागरूकता अभियानों को और अधिक प्रभावी ढंग से आगे बढ़ाया जाएगा कार्यक्रम में रूपेश इसरानी, डॉ. कपिल वर्मा, राज बहादुर सिंह, प्रशांत बंटी अग्रवाल, राकेश अग्रवाल, रवि राय, एडवोकेट योगेश अग्रवाल, राकेश अमपुरी, विजय इसरानी, सुरभि पाठक, मनीष कछवाहा, अतीश डीके, बादल मलवानी, सिद्धार्थ अग्निहोत्री, विनय रंजन मिश्रा, डॉ. प्रवीण उइके, अनिल सिहानी, एकाग्र पाठक, संतोष चौकसे सहित अन्य सदस्य उपस्थित रहे।

प्रदेशाध्यक्ष के आगमन पर बैठक आयोजित

मण्डला(स्वतंत्रमत)

भारतीय जनता पार्टी पिछड़ा वर्ग मोर्चा के प्रदेश अध्यक्ष पवन पाटीदार के आगामी 16 जून के मंडला प्रवास को लेकर तैयारियां तेज हो गई हैं। इसी क्रम में मंगलवार को जिला भाजपा कार्यालय में आवश्यक बैठक का आयोजन किया गया जिसमें कार्यक्रम की रूपरेखा एवं व्यवस्थाओं पर विस्तार से चर्चा की गई बैठक में भाजपा पिछड़ा वर्ग मोर्चा के प्रदेश उपाध्यक्ष सुरजीत सिंह चौहान, प्रदेश महामंत्री नरेंद्र राठौर, संभाग प्रभारी धनेश, जिलाध्यक्ष प्रफुल्ल मिश्रा, नगर पालिका अध्यक्ष विनोद कछवाहा सहित संगठन के अनेक पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता उपस्थित रहे। बैठक के दौरान प्रदेश सरकार में मंत्री श्रीमती संपतिया उईके ने भी आगामी संगठनात्मक कार्यक्रमों एवं प्रदेश पदाधिकारियों के प्रस्तावित प्रवास की तैयारियों को लेकर आवश्यक मार्गदर्शन प्रदान किया बैठक में पवन पाटीदार के भव्य स्वागत जनसंपर्क

कार्यक्रमों तथा उनकी उपस्थिति में आयोजित होने वाले विभिन्न आयोजनों की तैयारियों पर विस्तृत चर्चा की गई साथ ही कार्यकर्ताओं से आग्रह किया गया कि वे अलग-अलग वाहनों के काफिलों में आने के बजाय सामूहिक रूप से यात्रा करें तथा प्रधानमंत्री के ईंधन बचत एवं पर्यावरण संरक्षण संबंधी आह्वान को ध्यान में रखते हुए कार पूलिंग अथवा इलेक्ट्रिक वाहनों का अधिकाधिक उपयोग करें इस अवसर पर जिला महामंत्री लखन बंजारा, कार्यालय मंत्री थामन बरमैया, दुष्यंत कछवाहा, कपिल कछवाहा, बैसाखू नंदा, खूबचंद नंदा, रंजीत पटेल, एड. राजेन्द्र चंद्रोल, सौरभ गुप्ता, उमा यादव, शैल जैन, कृतिका चौरसिया, शेखर निखारे,धर्मराज परिहार, पवन पटेल,विकास यादव, रिषभ सिन्हा, मंगलेश चक्रवर्ती, आशीष अग्रवाल, संतोष जंघेला सहित अपिव मोर्चा के पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

नर्मदा घाट में चलाया स्वच्छता अभियान

मण्डला(स्वतंत्रमत)

विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर जन शिक्षण संस्थान द्वारा नर्मदा घाट में स्वच्छता अभियान का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक शिव कुमार वर्मा पर्यावरण विशेषज्ञ राजेश क्षत्री तथा दिवाकर द्विवेदी उपस्थित रहे। प्रतिभागियों ने नर्मदा घाट की साफ-सफाई कर पर्यावरण संरक्षण के प्रति अपनी प्रतिबद्धता व्यक्त की तथा जल स्त्रोतों के संवर्धन एवं स्वच्छ परिवेश बनाए रखने का संकल्प लिया इस अवसर पर अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक शिव कुमार वर्मा ने कहा कि पर्यावरण संरक्षण के प्रति जागरूकता आज की सबसे बड़ी आवश्यकता है उन्होंने बताया कि प्रदूषण, वनों की कटाई, जलवायु परिवर्तन और जल संकट जैसी चुनौतियाँ मानव जीवन के सामने गंभीर खतरे के रूप में खड़ी हैं। यदि समय रहते इनके

समाधान के लिए प्रयास नहीं किए गए, तो आने वाली पीढ़ियों को गंभीर कठिनाइयों का सामना करना पड़ सकता है पर्यावरण विशेषज्ञ राजेश क्षत्री ने कहा कि पर्यावरण संरक्षण केवल एक दिन का अभियान नहीं बल्कि समाज के प्रत्येक नागरिक की सामूहिक जिम्मेदारी है। जन शिक्षण संस्थान निर्देशक अखिलेश पाण्डेय ने कहा कि प्रकृति और जल स्त्रोतों का संरक्षण समाज के प्रत्येक व्यक्ति का दायित्व है ऐसे अभियान न केवल स्वच्छता को बढ़ावा देते हैं बल्कि लोगों में पर्यावरण के प्रति जिम्मेदारी और संवेदनशीलता का भाव भी विकसित करते हैं कार्यक्रम में युगल प्रकाश द्विवेदी, श्रीमती शमशाद बेगम, श्रीमती श्रृद्धा चौबे,श्रीमती नगमा बेगम, गणेश, विवेक कुमार,राकेश सिंधिया, रामकृष्ण धुर्वे, प्रमोद परमार, देवेंद्र केरिया एवं सोहन सोनी उपस्थित थे।

कैबिनेट मंत्री ने किया पौधारोपण

मण्डला(स्वतंत्रमत)

पौधारोपण किया यह पौधारोपण राज्यव्यापी हरित सहकार अभियान, एक पेड़ माँ के नाम के अंतर्गत किया गया इस दौरान उन्होंने प्रकृति के संरक्षण और संवर्धन का संकल्प लेते हुए उपस्थित जनसमुदाय को पर्यावरण सुरक्षा का संदेश दिया।

सहायक आयुक्त का किया स्वागत

मण्डला(स्वतंत्रमत)

जनजातीय कार्य विभाग में लंबे प्रशासनिक अनुभव एवं शिक्षा क्षेत्र में उत्कृष्ट सेवाएं देने वाली श्रीमती वंदना गुप्ता को मध्यप्रदेश शासन द्वारा सहायक आयुक्त जनजातीय कार्य विभाग के पद पर पदस्थ किए जाने पर भारत स्काउट एवं गाइड द्वारा स्वागत किया। मध्यप्रदेश शासन जनजातीय कार्य विभाग मंत्रालय भोपाल द्वारा जारी

आदेश के अनुसार विभागीय पदोन्नति समिति एवं परिभ्रमण बैठक में लिए गए निर्णयों के आधार पर श्रीमती वंदना गुप्ता को प्राचार्य प्रथम श्रेणी के उच्च पद का प्रभार सौंपते हुए सहायक आयुक्त जनजातीय कार्य विभाग के पद पर पदस्थापना प्रदान की गई है नई जिम्मेदारी मिलने के उपरांत भारत स्काउट एवं गाइड के प्रतिनिधि मंडल ने उनके कार्यालय पहुंचकर पुष्पगुच्छ भेंट कर शुभकामनाएं दीं साथ ही उज्ज्वल कार्यकाल की कामना की। कार्यक्रम में भारत स्काउट एवं गाइड जिला सचिव लोकसिंह पदम, दिनेश दुबे, अखिलेश चंद्रोल, विवेक शुक्ला, दिलीप मरावी, श्रीमती शकुन सैयाम संजय तिवारी, अजय खोत, कपिल वर्मा सहित अधिकारी कर्मचारियों ने बधाई दी है।

गेहूं का परिवहन न होने के कारण किसानों को नहीं हो रहा भुगतान

नैनपुर (स्वतंत्र मत)। क्षेत्र के शासकीय उपार्जन केंद्रों में खरीदा गया गेहूं परिवहन की धीमी गति के कारण अटका हुआ है, जिससे किसानों को उनके उपज का भुगतान समय पर नहीं मिल पा रहा है। हालात यह हैं कि किसान अपनी मेहनत की कमाई पाने के लिए बैंकों के चक्कर लगाने को मजबूर हैं, लेकिन उन्हें निराशा ही हाथ लग रही है।जानकारी के अनुसार, कृषि उपज मंडी नैनपुर में 5 मई से पूर्व तौला गया लगभग 20 हजार क्विंटल गेहूं अभी भी परिवहन के इंतजार में रखा हुआ है। परिवहन व्यवस्था सुचारू न होने के कारण इस गेहूं को गोदामों तक नहीं पहुंचाया जा सका है, जिससे भुगतान प्रक्रिया अटक गई है। यही स्थिति क्षेत्र के अन्य उपार्जन केंद्रों, जैसे केरेगांव एवं चीजगांव में भी बनी हुई है, जहां हजारों क्विंटल गेहूं उठाव के अभाव में जमा है। किसानों का कहना है कि उन्होंने समय पर अपनी उपज उपार्जन केंद्रों में जमा कर दी थी और उन्हें उम्मीद थी कि निर्धारित समय सीमा में भुगतान मिल जाएगा। लेकिन परिवहन में देरी ने उनकी उम्मीदों पर पानी फेर दिया है। कई किसानों को खेती के अगले कार्यों, कर्ज अदायगी और घरेलू जरूरतों के लिए पैसों की सख्त आवश्यकता है, जिससे उनकी परेशानियां और बढ़ गई हैं। इस संबंध में उपार्जन केंद्र के प्रभारियों, जिला आपूर्ति अधिकारी एवं नागरिक आपूर्ति निगम के अधिकारियों का कहना है कि परिवहन कार्य में तेजी लाई जा रही है और एक-दो दिनों के भीतर सभी खरीदी केंद्रों से तौला गया गेहूं गोदामों तक पहुंचा दिया जाएगा। अधिकारियों ने आश्वासन दिया है कि परिवहन पूरा होते ही किसानों के खातों में भुगतान की प्रक्रिया भी शीघ्र प्रारंभ कर दी जाएगी। फिलहाल, किसान प्रशासन के आश्वासनों पर नजर टिकाए हुए हैं और जल्द समाधान की उम्मीद कर रहे हैं, ताकि उन्हें उनकी मेहनत का उचित मूल्य समय पर मिल सके।

क्षेत्र में अवैध मुरम उत्खनन परिवहन जोरों से जारी

नैनपुर (स्वतंत्र मत)। विकासखंड नैनपुर में इन दिनों अवैध मुरम, गिट्टी, मिट्टी एंव रेत का उत्खनन व परिवहन जोरों से किया जा रहा है । जिसकी शिकायत उच्च अधिकारियों को की जा रही है परंतु कार्रवाई का अभाव बना हुआ है जिसके चलते अवैध मुरम उत्खनन करने बालो के हौसले बुलंद है। वहीं दूसरी ओर शासन को लाखों

रुपए की क्षति हो रही है। बताया गया कि गत 31 मई एंव 1 जून की रात्रि करीब 8 बजे से देर रात्रि तक जेसीबी मशीन के माध्यम से समनापुर के पावर हाउस के नजदीक शासकीय भूमि से अवैध मुर्रम खोदी गई। जिसकी जानकारी पंचायत प्रतिनिधियों द्वारा अधिकारियों को दी गई परंतु कार्यवाही नहीं हो पाई। जबकि मुख्य मार्ग से सभी अधिकारियों का आना-जाना लगा रहता है। इसके बाद भी अवैध मुरम उत्खनन व परिवहन किया जाना व भंडारन खुली आंखों देखा जा रहा है। संबंधित विभागों से कार्यवाही करने की अपेक्षा जताई जा रही है।

कार्यालय शासकीय कस्तूरबा गाँधी बालिका विद्यालय छात्रावास मोहगॉव

क्रं./बा.छा./निविदा/.... मोहगांव दिनांक 06.06.2026

निविदा

राष्ट्रीय माध्यमिक शिक्षा अभियान अंतर्गत संचालित बालिका छात्रावास (समग्र शिक्षा) मोहगॉव में निवासरत बालिकाओं हेतु भोजन व्यवस्था, फल, सब्जी, खाद्यान, दूध एवं अन्य सामग्री की सूची एवं निर्धारित निविदा प्रपत्र कार्यालय से प्राप्त किये जा सकते है। निविदा प्राप्त करने की अंतिम तिथि 10.06.2026 को समय 05:00 बजे तक है। तथा भरे हुए निविदा प्रपत्र जमा करने की अंतिम तिथि 13.06.2026 है। निविदाएं दिनांक 15/06/2026 को दोपहर 12:00 बजे समिति के समक्ष खोली जाएगी।

प्राचार्य /अधीक्षिका
शा.बालिका छात्रावास मोहगॉव

कार्यालय शासकीय कस्तूरबा गाँधी बालिका विद्यालय छात्रावास घुघरी

क्रं./बा.छा./निविदा/03 घुघरी दिनांक 06.06.2026

निविदा

राष्ट्रीय माध्यमिक शिक्षा अभियान अंतर्गत संचालित बालिका छात्रावास (समग्र शिक्षा) घुघरी में निवासरत बालिकाओं हेतु भोजन व्यवस्था, फल, सब्जी, खाद्यान, दूध एवं अन्य सामग्री की सूची एवं निर्धारित निविदा प्रपत्र कार्यालय से प्राप्त किये जा सकते है। निविदा प्राप्त करने की अंतिम तिथि 10.06.2026 को समय 05:00 बजे तक है। तथा भरे हुए निविदा प्रपत्र जमा करने की अंतिम तिथि 13.06.2026 है। निविदाएं दिनांक 15/06/2026 को दोपहर 12:00 बजे समिति के समक्ष खोली जाएगी।

प्राचार्य /अधीक्षिका
शा.बालिका छात्रावास घुघरी

संपादकीय

ट्रंप का नया टैरिफवाद

अमरीकी राष्ट्रपति ट्रंप अब 'जबरन मजदूरी' के वैश्विक पैरोकार बनना चाहते हैं। उनके निशाने पर भारत समेत 54 देश ऐसे हैं, जो बंधुआ अथवा जबरन मजदूरी से बनाए गए सामान के आयात रोकने में नाकाम रहे हैं। अमरीकी व्यापार प्रतिनिधि कार्यालय ने व्यापार कानून की धारा 301 के तहत एक प्रस्ताव दिया है कि इन देशों पर 12.5 फीसदी टैरिफ लगाया जाए। वैसे अमरीकी सर्वोच्च अदालत 'ट्रंपवादी टैरिफ' को 'अवैध' करार दे चुकी है, फिर भी राष्ट्रपति को अधिकार प्राप्त हैं कि वह एक निश्चित अवधि तक 10 फीसदी टैरिफ लगा सकते हैं। राष्ट्रपति ट्रंप ने इसी संवैधानिक प्रावधान का इस्तेमाल करते हुए जो वैश्विक टैरिफ लगाया था, उसकी अवधि 24 जुलाई को समाप्त हो रही है। दरअसल ट्रंप बुनियादी तौर पर 'व्यापारी' हैं और राष्ट्रपति कार्यालय भी उसी मानस के साथ धकेलना चाहते हैं।

यदि भारत, चीन, जापान, ब्राजील, ऑस्ट्रेलिया, ब्रिटेन, सऊदी अरब आदि देशों में 'जबरन मजदूरी' प्रचलित है, तो अमरीकी राष्ट्रपति के पेट में दर्द क्यों हो रहा है? क्या ट्रंप को यह ठेकेदारी भी मिली है? भारत का ही उदाहरण लें, तो वहां अनुमान है कि 1 करोड़ 10 लाख 50,000 से अधिक 'जबरन श्रम' से पीड़ित, विवश लोग हैं। वे बाल-मजदूर, बंधुआ अथवा गुलाम मजदूर भी हो सकते हैं। देश के ईंट-भट्टों, कृषि, कपास, वस्त्र उद्योग, खनन, झींगा प्रसंस्करण, घरेलू काम, कालीन बुनाई, पत्थर की खदानों आदि में 'जबरन मजदूरी' का चलन है। हालांकि भारत में बंधुआ मजदूरी प्रणाली (उन्मूलन) अधिनियम की व्यवस्था भी है, लेकिन उन स्थितियों से अमरीका पर क्या प्रभाव पड़ रहा है? यह अमरीका की समस्या नहीं है, लेकिन टैरिफ के लिए ट्रंप कुछ भी कर सकते हैं और कोई भी दलील दे सकते हैं। अमरीकी राष्ट्रपति ने नए टैरिफवाद के लिए एक और क्षेत्र चुन लिया है। बंधुआ-बाल मजदूरी या पीढ़ी-दर-पीढ़ी गुलामी के संदर्भ में अमरीका ने कौन से ठोस और कारगर प्रयास किए हैं? दरअसल इस 'जबरन मजदूरी' टैरिफ का प्रस्ताव ऐसे समय सामने आया है, जब भारत में अमरीकी प्रतिनिधिमंडल के साथ 'द्विपक्षीय व्यापार समझौते' की 99 फीसदी रूपरेखा तय की जा चुकी है। यह पुष्टि केंद्रीय उद्योग-वाणिज्य मंत्री पीयूष गोयल ने भी की है। अंतिम 1 फीसदी बेहद महत्वपूर्ण है, क्योंकि भारत को लगता है कि 'जबरन श्रम' टैरिफ के जरिए अमरीका अनधिकार चेष्टा कर रहा है। दरअसल राष्ट्रपति ट्रंप ईरान युद्ध के घाटे और नुकसान की भरपाई अब एक और टैरिफ के माध्यम से करना चाहते हैं। उस थोपे हुए, फिजूल, नाकाम युद्ध पर अमरीका के 100 अरब डॉलर फूंके जा चुके हैं।

बेशक यह सच है कि राष्ट्रपति ट्रंप ने 'जैसे को तैसा टैरिफ' के जरिए 214 अरब डॉलर कमाए थे, लेकिन अदालती आदेश के बाद अमरीका को 165 अरब डॉलर वापस रिफंड करने पड़े। इसके बावजूद राष्ट्रपति ट्रंप विचलित नहीं हुए। उन्हें 'जबरन टैरिफ' से इतना लगाव है कि उन्होंने दर्जनों व्यापारिक साझेदार देशों पर टैरिफ थोपने का प्रस्ताव तैयार कराया है। अमरीकी कानून का दोगलापन देखिए कि 'जबरन श्रम' के संदर्भ में उसने दुर्लभ खनिज, कुछ और धातुओं, कॉफी, फार्मा, विमान के कुछ हिस्से आदि के क्षेत्रों को छूट दे रखी है। बहरहाल अभी तो प्रस्ताव रखा गया है। अभी भारत समेत 54 देशों पर लागू किया जाना शेष है। सुनवाई का समय 22 जून तय किया गया है, लेकिन अमरीका और राष्ट्रपति ट्रंप के मंसूबे साफ हैं। यह अमरीका की धमकी भी हो सकती है, ताकि भारत से व्यापार समझौते में कुछ और रियायतें हासिल की जा सकें। भारत को 'अमरीकी ब्लैकमेल' के सामने झुकना नहीं चाहिए और प्रस्तावित टैरिफ का सख्ती से जवाब देना चाहिए।

औसत से दस फ़ीसद कम बारिश होने की आशंका

ताकि अलनीनो का कम पड़े दुष्प्रभाव

वर्षा की कमी के कारण भूजल का पुनर्भरण यानी रिचार्ज कम होता है, जिससे भूजल स्तर और नीचे चला जाता है। वैसे भी उत्तर भारत के कई हिस्सों में पहले से ही भूजल स्तर काफ़ी नीचे चला गया है। इसलिए सूखे की स्थिति विशेषकर उत्तर-पश्चिम और मध्य भारत के लिए बहुत खतरनाक है।

उमेश चतुर्वेदी

साल 2026 में प्रशांत महासागर में सक्रिय अल नीनो का साया भारत के कृषि क्षेत्र के लिए बड़ी चुनौती बनकर उभर रहा है। भारतीय मौसम विज्ञान विभाग ने अपने संशोधित पूर्वानुमान के अनुसार, इस वर्ष मानसून सामान्य से कम रहने की आशंका जताई है। नए पूर्वानुमान के अनुसार, इस साल औसत से करीब दस फ़ीसद कम बारिश होने की आशंका है। भारत में, जहाँ कृषि अभी- भी काफी हद तक मानसून पर निर्भर है, उसके लिए मानसूनी बारिश की कमी और भीषण सूखा एक तरह से विपत्ति का ही द्योतक है। ऐसे में जरूरी हो जाता है कि सिंचाई का भी प्रबंधन किया जाए।

भारत की करीब साठ प्रतिशत अब भी सीधे तौर पर खेती-किसानी पर निर्भर है। सूखे की मार की वजह से इस बड़ी आबादी के सामने सहज तरीके से रोजी-रोटी का संकट उठ खड़ा होगा। इससे बचाव के लिए जरूरी होगा कि सिंचाई के ऐसे साधनों और तकनीक को अपनाया जाए, जिनके ज़रिए पानी को बचाया जा सके और तुलनात्मक रूप से ज़्यादा पैदावार ली जा सके। अल नीनो का दूसरा अर्थ है, कम वर्षा और भीषण सूखा। इस परिस्थिति में भारत में सिंचाई साधनों की भूमिका महत्वपूर्ण हो जाती है, जिनसे न केवल फसलों का बचाव हो सके, बल्कि खाद्य सुरक्षा को भी सुनिश्चित किया जा सके। जहाँ तक भारत में सिंचाई व्यवस्था की बात है, तो मुख्य रूप से यह भूजल और सतही जल यानी नहरों और तालाबों पर आधारित है। चूँकि इस साल अल नीनो के कारण कम बारिश होने की आशंका है, इसलिए इन साधनों पर दबाव बढ़ना स्वाभाविक है।

वर्षा की कमी के कारण भूजल का पुनर्भरण यानी रिचार्ज कम होता है, जिससे भूजल स्तर और नीचे चला जाता है। वैसे भी उत्तर भारत के कई हिस्सों में पहले से ही भूजल स्तर काफ़ी नीचे चला गया है। इसलिए सूखे की स्थिति विशेषकर उत्तर-पश्चिम और मध्य भारत के लिए बहुत खतरनाक है। अल नीनो के चलते इस साल वर्षों पहले बने बांधों और जलाशयों में पानी का भंडारण सामान्य से कम होने की आशंका है। इस पानी का इस्तेमाल ज्यादातर रबी फसलों के लिए होता है। जब पानी कम होगा तो रबी फसलों की सिंचाई के लिए कम उपलब्ध होगा। अल नीनो के कारण देश के ज्यादातर हिस्सों के सूखे की चपेट में आना स्वाभाविक है। इसकी वजह से पैदावार पर बुरा असर पड़ना तय है। इससे फसलों की बुवाई में देरी हो सकती है और फसलों की बुआई के लिए अतिरिक्त सिंचाई की आवश्यकता पड़ेगी। इसके लिए भूजल की आवश्यकता होगी और उसे चूँकि ट्यूबवेल से निकाला जाएगा, लिहाजा बिजली की माँग बढ़ेगी।

इसके लिए सिंचाई के दृष्टिकोण में बदलाव की आवश्यकता है। इसके लिए जरूरी हो जाता है कि किसानों को कम पानी की जरूरत वाली फसलों, जैसे बाजरा, मूँग, अरहर, मक्का आदि को अपनाने के लिए प्रोत्साहित किया जाना चाहिए। इसे कृषि और किसान कल्याण मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने इस उपाय को अपनाने की बात भी की है। सरकार की ओर से इस संबंध में किसानों को तैयार भी किया जा रहा है। इसके तहत मिट्टी की नमी बनाए रखने के लिए पौधों की जड़ों के आसपास सूखी पत्तियों या प्लास्टिक की शीट की परत बिछाने का सुझाव दिया जा रहा है।

कृषि वैज्ञानिकों के अनुसार, देशी पौधों को आमतौर पर बढ़ने के लिए कम पानी की आवश्यकता होती है या वे अन्य प्रकार की घासों, पेड़ों और झाड़ियों की तुलना में उपलब्ध पानी का बेहतर उपयोग कर सकते हैं। वैज्ञानिकों का कहना है कि किसान और बागवानी करने वाले लोग अपने बगीचों या यहां तक कि अपने व्यवसायों के सामने भी पत्थरों या अन्य प्रकार के भू-आवरण का उपयोग करके रचनात्मक तरीके से पानी को बचा सकते हैं । कृषि वैज्ञानिकों के अनुसार शुष्क बागवानी के मूल सिद्धांत हैं कि पौधों की आवश्यकता के अनुसार ही पानी का उपयोग किया जाए और ऐसी बागवानी डिजाइन और पौधों का चयन किया जाए जो उपलब्ध वर्षा जल का उपयोग कर सकें।

इसके साथ ही ड्रिप और स्प्रिंकलर सिंचाई व्यवस्था को भी अपनाने के लिए किसानों को प्रोत्साहित किया जाना चाहिए। इससे पानी की खपत को कम किया जा सकता है। इसके साथ ही खेत के तालाबों और जल संचयन को प्राथमिकता दी जानी चाहिए, जो सूखे की हालत में सिंचाई की सुविधा प्रदान कर सकते हैं।

किसानों को जरूरत के हिसाब से खेत के उन क्षेत्रों में सिंचाई किया जाना होगा, जिसे पानी की जरूरत ज़्यादा हो। रासायनिक खाद और कीटनाशकों के उपयोग वाली फसलों को पानी की ज़्यादा आवश्यकता होती है। ऐसी फसलों से बचना होगा और जैविक खाद एवं प्राकृतिक कीटनाशकों के इस्तेमाल किया जाना चाहिए होगा।

जब बाड़ ही खेत खाने लगे...

चैतन्य भट्ट

कानून व्यवस्था बनाए रखने और भ्रष्टाचार निवारण हेतु जिम्मेदार दो सरकारी संस्थानों से जुड़ी खबरें सुर्खियों में हैं। दुखद यह है कि ख़बरें इनकी कार्यकुशलता को लेकर नहीं बल्कि इनकी छवि को दागदार बनाने से संबंधित हैं।

भोपाल में मॉडल और एक्ट्रेस त्विशा शर्मा की बहुचर्चित संदिग्ध मौत के मामले में भोपाल पुलिस की कार्यप्रणाली शुरु से ही ढुलमुल और लापरवाही भरी रही। मामले को आत्महत्या बताने की जल्दबाजी में मृतका के शरीर पर मौत से पहले के 7 गंभीर घाव/चोटों को नजरअंदाज करने जैसे गंभीर आरोपों की हाईकोर्ट में सुनवाई के दौरान भी पुष्टि हुई और सरकार को केस सीबीआई को ट्रांसफर करना पड़ा। सीबीआई को बेतरतीब और आधी-अधूरी केस डायरी सौंपी गई उसमें घटनाक्रम का कोई निश्चित क्रम दर्ज नहीं था। एम्स के डॉक्टरों के पैनल के सामने पोस्टमार्टम के समय घटना में इस्तेमाल किया गया फंदा पेश न करने जैसी बड़ी प्रक्रियात्मक चूक भी हुई। मृतका के परिजनों ने आरोप लगाया कि आरोपी पति समर्थ सिंह और सास गिरीबाला सिंह, जो रिटायर्ड जज हैं, के रसूख के कारण भोपाल पुलिस ने शुरुआती कार्रवाई नहीं की और आरोपियों को साक्ष्य प्रभावित करने का मौका मिला।

दूसरे घटनाक्रम में एक प्रतिष्ठित अखबार के स्टिंग ऑपरेशन में शीर्ष भ्रष्टाचार निरोधक संस्था लोकायुक्त के तकनीशियन, हेड कांस्टेबल यहां तक कि डीएसपी स्तर के अधिकारी रिश्वत लेकर ट्रैप केस और जांच रिपोर्ट्स को कमजोर करते कैमरे में पकड़े गए। लोकायुक्त संगठन के भीतर ही घूस का यह नेटवर्क लाखों के बदले ट्रैप मामलों के आरोपियों को मामलों की ट्रांसक्रिप्ट और वॉयस सैंपल को मैनेज करने के लिए 3 से 5 लाख रुपए तक लेकर राहत दिलाने की डील कर रहा था।

त्विशा शर्मा मामले में सरकार द्वारा खुद मामला सीबीआई को सौंपे जाने का प्रस्ताव पुलिस की कार्यप्रणाली पर सवाल उठाता है और इस तथ्य की परोक्ष स्वीकृति है कि पुलिस दबाव में काम करती है। दूसरे मामले में लोकायुक्त के शीर्ष नेतृत्व द्वारा फौरन एक्शन लेते हुए 2 डीएसपी को पद से हटाकर पुलिस मुख्यालय अटैच और अन्य 3 कर्मचारियों को सस्पेंड किया जाना भी परोक्ष स्वीकारोक्ति है कि सब कुछ ठीक नहीं चल रहा है। इन बातों में दम है जांच एजेंसियां भ्रष्टाचारियों को सजा दिलाने के बजाय उन्हें क्लीन चिट देने का काम कर रही हैं।

पुलिसिया व्यवस्था में जनता के घटते भरोसे को लेकर उठने वाले सवाल नये नहीं हैं। छतरपुर जिले में महज दो महीनों के भीतर हिरासत में 4 युवकों की संदिग्ध मौतें हुईं। परिजनों ने पुलिस हिरासत में मारपीट और मानसिक प्रताड़ना के आरोप लगाए, जिसके बाद यह मामला मध्य प्रदेश हाईकोर्ट तक पहुंच गया। इंदौर में आपराधिक मुकदमों में कोर्ट में पेश किए जाने वाले गवाहों को लेकर बड़ा फर्जीवाड़ा सामने आया। विभिन्न थानों के सैंकड़ों मुकदमों में मात्र दो लोगों को ही गवाह बनाया गया था। समय पर गवाह पेश न करने पर कोर्ट में गंभीर सवाल उठते रहे हैं। रिश्वत और वसूली की खबरें जब तब सुर्खियां बनती हैं। पुलिस थानों और उच्चाधिकारियों के बीच तनाव की खबरें भी आती रहती हैं। नीमच और दतिया जिलों में हेड कांस्टेबल व एएसआई द्वारा वरिष्ठ अधिकारियों के दबाव और भ्रष्टाचार का आरोप लगाते हुए आत्महत्या करने जैसी दुखद घटनाओं ने विभाग के अंदर की स्थिति उजागर की है। जन आक्रोश भी मुखर होता दिखाई देता रहता है। खरगोन के चैनपुर और अन्य क्षेत्रों में संदिग्ध मौतों की सूचना के बाद पुलिस के मौके पर देरी से पहुंचने पर ग्रामीणों की नाराजगी सामने आई और कई जगह जनता ने पुलिस का विरोध किया। इन चुनौतियों के बीच पुलिस प्रशासन की छवि सुधारने और जन-संवाद बढ़ाने के प्रयास हो रहे हैं। उच्चाधिकारियों द्वारा थानों में जनसुनवाई, पुलिस पंचायत, और महिला सुरक्षा जैसे अभियानों के जरिए जनता का भरोसा दोबारा जीतने की कोशिशें भी दिखती हैं।मगर अविश्वास की दीवार ढहाने के लिए आंतरिक साफ सफाई में और भी सशक्त कदमों की जरूरत है जो न सिर्फ जनता का भरोसा जीतें बल्कि विभाग के अंदर के ईमानदार और कर्तव्यनिष्ठ कार्मिकों का आत्मविश्वास भी मजबूत करें।

लोकायुक्त की कार्यप्रणाली भी सवालों के घेरे में है। भोपाल की स्पेशल कोर्ट ने एक अवधि विशेष में लोकायुक्त द्वारा पेश की गई सभी पैंतीस खात्मा रिपोर्टों को सबूतों की कमी का हवाला देकर खारिज कर दिया। पिछले 3 वर्षों में लोकायुक्त द्वारा रिश्वतखोरी के मामलों में ट्रैप की कार्रवाई तो 28% तक बढ़ी है, लेकिन अदालत में केस साबित न होने के कारण सजा दिलाने के मामलों में भारी गिरावट आई है। अपराध सिद्धि की अनुपस्थता में आरोपी मज़े से निलंबन अवधि के बाहर आकर पुराने वेतन भत्ते उठाते हैं। भुगतती वह निरपराध आम जनता है जिसके पैसे से यह होली खेली जाती है।

फसल को बचाने के लिए बाड़ लगाने की परंपरा है। पुलिस और लोकायुक्त जैसी संस्थाएं वस्तुतः आमजन के भले के लिए लगाई गई बाड़ ही हैं। कहावत है कि जब बाड़ ही खेत को खाने लगे तो उसे कतरना जरूरी हो जाता है। आम जनमानस में यह धारणा घर कर गई है कि सारा किया धरा ऊपर तक के लोगों की संलिप्तता का है। इस ऊपर की सीमा कहां तक जाती है, बताना जरूरी नहीं है। नीचे के झाड़ झंखाड़ काटने से कोई ज्यादा फायदा नहीं दिखता। सफाई ऊपरी स्तर पर भी जरूरी है। अविश्वास के इन क्षणों में विश्वास जगाने के लिए कदम उठाए जाने जरूरी हैं और बहु प्रतीक्षित भी। लगता तो नहीं मगर उम्मीद पे दुनिया कायम है।

कभी-कभी आते थे बुद्ध कभी-कभी आ जाता था बाघ भी

केदारनाथ सिंह

इस विशाल देश के
धुर उत्तर में
एक छोटा-सा खँडहर है
किसी प्राचीन नगर का
जहाँ उसके वैभव के दिनों में
कभी-कभी आते थे बुद्ध
कभी-कभी आ जाता था
बाघ भी

दोनों अलग-अलग आते थे
अगर बुद्ध आते थे पूरब से
तो बाघ क्या
कभी वह पश्चिम से
आ जाता था
कभी किसी ऐसी
गुमनाम दिशा से
जिसका किसी को
आभास तक नहीं होता था

पर कभी-कभी दोनों का
हो जाता था सामना
फिर बाघ आँख उठा
देखता था बुद्ध को
और बुद्ध सिर झुका
बढ़ जाते थे आगे

इस तरह चलता रहा

क्या चर्चिल कांग्रेस में लौटेंगे?

डॉ. सुधीर सक्सेना
लेखक स्वतंत्र पत्रकार हैं

चर्चिल ब्राज अलेमाओं छोटे और तटीय राज्य गोवा के बड़े क्षत्रप हैं। वह धनाढ्य और रसूखदार शख्सियत हैं। वह चर्चित रहे हैं और विवादास्पद भी। उनके खाते में कई सुनहरी उपलब्धियां है। इनमें सर्वप्रथम हैं मुख्यमंत्रित्व। वह मार्च-अप्रैल, सन 1990 में गोवा के मुख्यमंत्री थे। सन 1996-98 और सन 2004-07 में वह दक्षिण गोवा से निर्वाचित सांसद रहे। यही नहीं, इसके पूर्व वह बेनोलिम और नावेलिम निर्वाचन क्षेत्रों से चार बार राज्य विधानसभा के लिये चुने गये। कथानक दिलचस्प इस नाते हैं कि वह पहलेपहल सन 1989 में राज्य विधानसभा के लिये चुने गये और अगले ही वर्ष उन्हें चीफ मिनिस्टर बनने का गौरव मिला। इसे नियति कहें या योगायोग कि वह केवल सत्रह दिन ही इस पद पर रह सके। कालक्रम के मान से वह प्रतापसिंह राणे के बाद गोवा के दूसरे मुख्यमंत्री थे लेकिन उन्हें तकरीबन एक पखवाड़े में ही लुई बारबोसा को सत्ता सौंपनी पड़ी।

16 मई, सन 1949 को पोर्चुगीज गोवा में कार्मोना में जनमे चर्चिल ने बतौर सांसद और एमएलए खूब सुर्खियां बटोरीं। उन्होंने अपनी यात्रा यूनाइटेड गोवंस डेमोक्रेटिक पार्टी के बैनर तले शुरू की और विभक्त दल के संस्थापक बने। सन 80 के दशक के उत्तरार्द्ध में उसे अलविदा कह वह भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस से जुड़े। कांग्रेसनीत प्रोगेसिव डेमोक्रेटिक फ्रंट के सत्ता में आने पर वह चंद दिनों के लिये सूबे के मुखिया बने, किंतु आंतरिक खटपट से इस्तीफा देने को बाध्य हुये। बावजूद इसके कांग्रेस से उनका नाता जुड़ा रहा और वह उसी की टिकट पर चुने जाकर लोकसभा में पहुंचे। उनकी महत्वाकांक्षा उन्हें कुछ न कुछ करने को प्रेरित करती रही। फलतः मार्च, 2007 में उन्होंने कांग्रेस छोड़ दी और सेव गोवा फ्रंट की स्थापना की। फ्रंट ने 17 सीटों पर चुनाव लड़ा और दो पर विजय प्राप्त की। फ्रंट प्रत्याशी के तौर पर वह और अलीक्सो लौरेंसा विजयी रहे। चूंकि, स्पष्ट बहुमत किसी को भी नहीं मिला था, अतः कांग्रेस के नेतृत्व में मिली जुली सरकार बनी तो फ्रंट उसका घटक दल था। चर्चिल को मंत्री पद मिला।

चर्चिल और उनके परिवार पर भाग्य अधिक दिनों तक मेहरबान नहीं रहा। मार्च, 2012 में असेंबली चुनाव में चर्चिल, उनके भाई जोआकिम, पुत्री वलांका और भतीजा यूरी चुनाव हार गये। चर्चिल ने अलेमाओ-परिवार के चार सदस्यों की पराजय पर मुख्यमंत्री दिगंबर कामत और ईवीएम पर तोहमत जड़ी। सन 2014 में वलांका के दक्षिण गोवा से टिकट देने पर इंकार करने पर उन्होंने कांग्रेस छोड दी और निर्दल लड़ने का ऐलान किया। दो ही दिन बाद उन्होंने तृणमूल कांग्रेस ज्वाइन करने की घोषणा की और उसकी टिकट पर लोकसभा के लिये चुनाव लड़ा, मगर मुह की खाई। उन्हें बमुश्किल करीब 12 हजार वोट मिले। इसके बाद उन्होंने फिर पैंतरा बदला और अक्टूबर, 2016 में एनसीपी में शरीक हो गये। यह दाँव उन्हें फला और सन 2017 में वह बेनोलिम से असेंबली के लिये चुने गये। इसके बाद भी वह चैन से नहीं बैठे और 13 दिसंबर, 2021 को टीएमसी में लौट आये।

ताजा चुनाव में टीएमसी के दयनीय प्रदर्शन और बिखराव के बाद 77 वर्षीय चर्चिल नया अशियाना तलाश रहे हैं। स्वभाविक तौर पर उनका ध्यान कांग्रेस की ओर गया है। उन्होंने स्पष्ट कहा है कि उन्हें कांग्रेस में लौटने पर खुशी होगी। उनकी छोटी सी शर्त है, बशर्ते कांग्रेस एप्रोच करे। वह साधन संपन्न कुबेर नेता हैं। इधर उन्हें कोंकणी-गायन का शौक चर्राया है। उनकी फुटबॉल टीम चर्चिल ब्रदर्स लीग मैचों में चर्चित रही है। बेटी वलांका इसकी सीईओ है। सन 2017 के चुनाव में उन्होंने करीब 15 करोड़ रूपयों की संपत्ति की घोषणा की थी। देखना दिलचस्प होगा कि एक और पारी खेलने को लालायित चर्चिल के लिये कांग्रेस अपने दरवाजे खोलती है या नहीं?

तिनके-तिनके होती तृणमूल

आदित्य नारायण चौपड़ा
लेखक वरिष्ठ पत्रकार हैं

देश के दो राज्यों में कल दो महत्वपूर्ण राजनीतिक घटनाक्रमों ने भविष्य की राजनीति की तरफ इंगित करते हुए साफ किया कि एक तरफ जहां बलशाली क्षेत्रीय दलों का ह्रास हो रहा है वहीं दूसरी ओर देश की प्रमुख विपक्षी पार्टी कांग्रेस अपनी विचारधारा की ताकत पर अपना अस्तित्व बनाये रखने के लिए जद्दोजहद कर रही है। इसका एक अर्थ यह भी निकलता है कि राजनीति में सकल रूप से क्षेत्रीय दलों का प्रभाव जिस तरह पिछले कुछ दशकों खास कर 90 के दशक के बाद बढ़ा था उसके पीछे कोई निश्चित सैद्धान्तिक विचारधारा काम नहीं कर रही थी, बल्कि कोरी सत्ता की समीकरणें प्रमुख भूमिका निभा रही थीं और लगातार राज कर रही कांग्रेस पार्टी के शिथिल रवैये के प्रति लोगों में उत्पन्न हुई उदासीनता को भुना रही थीं। एक तरफ दक्षिण के राज्य कर्नाटक में कल कांग्रेस के नये मुख्यमन्त्री श्री डी.के. शिवकुमार ने पद व गोपनीयता की शपथ अपने राज्य के राजनीति के महाबली के रूप में स्थापित श्री सिद्धारमैया को गद्दी से उतार की तो दूसरी तरफ पूर्व के राज्य प. बंगाल में एक महीने पहले तक राज कर रहीं जन नेता के रूप में जानी जाने वाली सुश्री ममता बनर्जी के विरुद्ध उनके अपने ही दल तृणमूल कांग्रेस में हुए व्यापक विद्रोह को वैधानिकता प्राप्त हुई।

ममता दीदी के विरुद्ध यह विद्रोह उन्हीं की पार्टी के एक नेता ऋतुब्रत बनर्जी ने किया और घोषणा की कि राज्य विधानसभा में हाल के चुनावों में चुने गये पार्टी के 80 विधायकों में से 60 उनके साथ हैं अतः वही विधानमंडल दल के नेता हैं। उनके इस दावे को विधानसभा के अध्यक्ष ने जायज पाया और उन्हें विपक्ष के नेता के रूप में मान्यता दे दी। जबकि इससे पहले तृणमूल कांग्रेस के महासचिव व ममता दी के भतीजे अभिषेक बनर्जी ने अध्यक्ष को अपनी पार्टी की ओर से सूचित किया था कि उनकी पार्टी का विधानमंडल दल श्री शोभनदेव चट्टोपाध्याय को अपना नेता चुनता है अतः उन्हें नेता प्रतिपक्ष घोषित किया जाना चाहिए परन्तु इस पक्ष के बारे में श्री ऋतुब्रत बनर्जी के साथ एक अन्य विधायक ने दावा किया कि अभिषेक बनर्जी द्वारा भेजे गये पत्र पर उनके जाली दस्तखत हैं और इसकी शिकायत विधानसभा अध्यक्ष के साथ लोकसभा अध्यक्ष को भी कर दी क्योंकि अभिषेक बनर्जी प. बंगाल की डायमंड हार्बर सीट से लोकसभा सदस्य हैं। दूसरी तरफ राज्य विधानसभा के तृणमूल कांग्रेस के 58 विधायकों ने श्री ऋतुब्रत बनर्जी के पक्ष में अध्यक्ष को जो पत्र भेजा उसमें साफ लिखा कि वे ही तृणमूल कांग्रेस का विधानसभा में प्रतिनिधित्व करते हैं क्योंकि उनके पास दो-तिहाई विधायकों से अधिक का बहुमत प्राप्त है और ममता दीदी उनकी नेता हैं। इससे स्पष्ट है कि ममता दी की पार्टी में जो विद्रोह हुआ है वह वैधानिक नियमों की परिधि में सर्वथा जायज है। क्योंकि विधानसभा अध्यक्ष को इस बात से मतलब होता है कि किसी पार्टी के विधानमंडल दल में किस गुट का बहुमत है । इसके कई उदाहरण हमारे सामने हैं।

पहला उदाहरण यह है कि 1969 में जब स्वर्गीय इन्दिरा गांधी ने बैंक राष्ट्रीयकरण के मुद्दे पर विभाजन किया तो पार्टी दो भागों में विभाजित हो गई। एक नई कांग्रेस बनी और दूसरी संगठन कांग्रेस बनी। इन्दिरा जी की नई कांग्रेस सत्ता में थी और संगठन कांग्रेस के सांसद विपक्ष में बैठे। उस समय लोकसभा में संगठन कांग्रेस के सांसदों की संख्या सभी विपक्षी दलों के सांसदों से ज्यादा थी अतः लोकसभा अध्यक्ष ने संगठन कांग्रेस के नेता स्व. रामसुभग सिंह को ही विपक्ष के नेता के रूप में मान्यता दी । अतः प. बंगाल में भी आज ठीक 1969 जैसे हालात बने हैं, फर्क सिर्फ यह है कि उस समय कांग्रेस सत्ता में थी और आज प. बंगाल में तृणमूल कांग्रेस पार्टी विपक्ष में है। मगर इसके साथ यह भी हकीकत है कि विगत 4 मई को प. बंगाल विधानसभा चुनावों के नतीजों में सत्तारूढ़ तृणमूल कांग्रेस के बुरी तरह पराजित हो जाने के बाद कुछ ही दिनों में इसमें विद्रोह के बादल मंडराने लगे इसका अर्थ यही निकलता है कि ममता दी के साथ जो भी नेता उनके सत्ता में रहते चिपके हुए थे वे उनकी पार्टी की विचारधारा की वजह से नहीं बल्कि सत्ता की वजह से चिपके हुए थे। हालांकि यह स्थिति हम आजकल राष्ट्रीय राजनीतिक धरातल पर भी देख रहे हैं, मगर प. बंगाल में इसका प्रदर्शन बहुत विद्रूप स्वरूप में हुआ है और पार्टी में अभिषेक बनर्जी के विरुद्ध गुस्सा फूट पड़ा है। इसकी तुलना हम 1977 के इमरजेंसी के बाद के राजनीतिक घटनाक्रम से कर सकते हैं जब इस वर्ष हुए लोकसभा चुनावों में कांग्रेस पार्टी की करारी पराजय के बाद कांग्रेसियों ने इमरजेंसी काल में हुई ज्यादतियों के लिए इन्दिरा जी के छोटे पुत्र स्वर्गीय संजय गांधी को जिम्मेदार माना था और स्वयं इन्दिरा जी को ही पार्टी की प्राथमिक सदस्यता से बर्खास्त कर दिया था। तब इन्दिरा जी ने फिर से अपनी अलग से कांग्रेस पार्टी गठित की थी और 1980 के चुनावों में विजय प्राप्त की थी। सवाल यह है कि क्या अपनी पार्टी में विद्रोह के बाद ममता दी में इतनी ताकत है कि वह फिर से अपनी पार्टी खड़ी कर सकें। इसका उत्तर हमें नकारात्मक इसलिए मिलता है क्योंकि ममता दी राजनीति में कोई विचारधारा लेकर नहीं चलीं, बल्कि वह सत्ता के विरुद्ध उपजे फौरी आक्रोश को भुनाने की गरज से सभी प्रकार की विकृतियों को स्वीकृति देती हुई चलीं जिसकी वजह से उनकी शासन पद्धति और उनसे पहले वामपंथियों की शासन पद्धित में भेद मिटता चला गया। अतः 1998 में कांग्रेस से अलग होकर उन्होंने जो अपनी अलग तृणमूल कांग्रेस पार्टी बनाई थी वह आज तिनके-तिनके हुई जा रही है और इस काम में उन्हीं के कल तक के साथी योगदान दे रहे हैं।

चार दशकों से धरती को हरा भरा बनाने में जुटा है 'ट्री मैन'

अलवर, (वार्ता)

मौजूदा दौर में जब अधिकतर लोग मोबाइल और सोशल मीडिया की दुनिया में व्यस्त हैं उसी समय राजस्थान में खैरथल तिजारा जिले के पेहल गांव का एक साधारण ग्रामीण पिछले 46 वर्षों से धरती को हरा-भरा बनाने के अभियान में जुटा हुआ है।

उसके पास कोई आधुनिक संसाधन हैं, न प्रचार-प्रसार का कोई माध्यम और उन्होंने कभी मोबाइल फोन का इस्तेमाल कभी नहीं किया है। उनकी पहचान केवल एक है, पेड़ों के प्रति अटूट प्रेम और पर्यावरण संरक्षण का जुनून।

यह कहानी है सुरेंद्र सैन उर्फ बंटी की है जिन्हें क्षेत्र में लोग सम्मानपूर्वक %ट्री-मैन% के नाम से जानते हैं। उन्होंने अब तक पहल गांव की पहाड़ियों के अलावा हरियाणा के कई गांव में एक लाख 10 हजार से अधिक पौधे लगाकर उन्हें वृक्षों का रूप दिया है। उन्होंने बताया जो भी पेड़ लगाने के लिए सहायता मांगता है मैं वही चला जाता हूं और उसकी देखभाल भी मुझे करनी पड़ती है। उन्होंने अफसोस व्यक्त किया कि कई बार जिला प्रशासन स्थानीय प्रशासन और वन विभाग से पेड़ों की सुरक्षा के लिए टी गार्ड सहित अन्य सहायता मांगी गयी लेकिन उन्होंने कुछ नहीं किया।

सुरेंद्र ने बताया कि उन्हें अपने गुरु संत घीसा दास जी महाराज का सान्निध्य मिला। गुरु ने उन्हें प्रकृति और पर्यावरण संरक्षण का महत्व समझाया। इसी प्रेरणा से महज आठ वर्ष की आयु में उसने पहला पौधा लगाया। समय के साथ यह शौक नहीं, बल्कि जीवन का उद्देश्य बन गया। अब भी वह प्रतिदिन घंटों तक पौधों की देखभाल में जुटे रहते हैं और पर्यावरण संरक्षण को अपना सबसे बड़ा धर्म मानते हैं।

सुरेंद्र की सबसे बड़ी विशेषता यह है कि वे अधिकतर पौधे स्वयं तैयार करते हैं। पौधों को तैयार करने के बाद उन्हें कंधों पर उठाकर कई किलोमीटर दूर पहाड़ी और चट्टानी क्षेत्रों तक पहुंचाते हैं, जहां

हरियाली की सबसे अधिक आवश्यकता होती है। उनके लगाए गए हजारों पौधे अब विशाल वृक्ष बन चुके हैं और लोगों को छाया, ऑक्सीजन पर्यावरणीय सुरक्षा प्रदान कर रहे हैं।

गर्मी के मौसम में जब तापमान 45 डिग्री सेल्सियस से ऊपर पहुंच जाता है, तब भी सुरेंद्र का अभियान नहीं रुकता। कई बार वह अपने घर से 10 किलोमीटर दूर तक पानी लेकर जाते हैं और दुर्गम पहाड़ियों पर चढ़कर पौधों को सींचते हैं। वह बताते हैं कि पौधा लगाना आसान है, लेकिन उसे वृक्ष बनने तक जीवित रखना सबसे बड़ी चुनौती होती है। यही कारण है कि उनके लगाए गए पौधों की जीवित रहने की दर काफी अधिक है। पेहल गांव और आसपास के जिन क्षेत्रों में कभी केवल पत्थर, झाड़ियां और बंजर भूमि दिखाई देती थी, वहां अब हरियाली की सुंदर तस्वीर दिखाई देती है।

सुरेंद्र ने स्कूलों, अस्पतालों, पुलिस थानों, श्मशान घाटों, मंदिर परिसरों, सार्वजनिक पार्कों और सड़क किनारे हजारों पौधे लगाए हैं। उनके अथक प्रयासों ने कई क्षेत्रों की तस्वीर बदल दी है।सुरेंद्र केवल पौधे लगाने तक सीमित नहीं हैं, बल्कि वह गांव-गांव जाकर पर्यावरण संरक्षण का संदेश भी दे रहे हैं। स्कूलों में बच्चों को पौधारोपण के लिए प्रेरित करते हैं और युवाओं को हरियाली अभियान से जोड़ते हैं। उनका मानना है कि हर व्यक्ति अपने जीवन में कम से कम पांच पौधे लगाकर उनकी जिम्मेदारी ले ले, तो पर्यावरण संरक्षण की दिशा में बड़ा बदलाव संभव है।

पर्यावरण संरक्षण के क्षेत्र में उल्लेखनीय योगदान के लिए सुरेंद्र सैन को जिला प्रशासन और विभिन्न सामाजिक संस्थाओं द्वारा सम्मानित किया जा चुका है, लेकिन उनके लिए सबसे बड़ा पुरस्कार तब होता है जब उनके लगाए पौधे विशाल वृक्ष बनकर लोगों को छाया देते हैं। सुरेंद्र ने कहा, पेड़ लगाना आसान है, लेकिन उसे वृक्ष बनने तक संभालना सबसे बड़ी जिम्मेदारी है। मेरा सपना है कि आने वाली पीढ़ियों को स्वच्छ हवा और हरा-भरा वातावरण मिले। सरकार अच्छे बीज और आवश्यक संसाधन उपलब्ध कराए तो पर्यावरण संरक्षण के कार्य को और गति मिल सकती है। स्थानीय सामाजिक और धार्मिक संगठनों का मानना है कि चार दशक से अधिक समय से पर्यावरण संरक्षण के क्षेत्र में निस्वार्थ भाव से कार्य कर रहे सुरेंद्र सैन को राष्ट्रीय स्तर पर पहचान मिलनी चाहिए। लोगों का कहना है कि उनके समर्पण, संघर्ष और पर्यावरण के प्रति असाधारण योगदान को देखते हुए उन्हें पद्मश्री सम्मान से सम्मानित किया जाना चाहिए।

पुतिन ने 30 साल बाद जगाया रूस का दैत्य अमेरिका के 3 डिस्ट्रायर निगलने में सक्षम

नई दिल्ली

समंदर में रूस का वो सुपर पावर जिसने यूरोप में नाटो से लेकर अमेरिका तक की सेनाओं की नींद उड़ा दी है। समंदर में इसका 30 साल बाद उतरना रूस के दुश्मनों के लिए किसी खौफनाक खबर से कम नहीं। यह ऐसा महादानव है जो अकेले ही किसी भी देश के पूरे नौसैनिक बेड़े को तबाह कर सकता है। समंदर का यह सुल्तान इतना खतरनाक है कि इसके सामने आने के बाद दुश्मन देश के जहाजों को संभलने या भागने के लिए सिर्फ एक सेकंड का वक्त मिलेगा और फिर सब कुछ खाक हो जाएगा। 30 साल बाद रूस का महादानव सी ट्रायल में उतरा। सोवियत संघ के जमाने का यह दैत्य पिछले 30 सालों से अपग्रेड होने के लिए रुका था। लेकिन अगस्त 2025 में इसने पहली बार अपनी खुद की ताकत से समंदर की लहरों को चीरना शुरू किया और अब 2026 में यह अपनी अंतिम परीक्षा के लिए पूरी तरह तैयार है।

किरो क्लास क्रूज़र कोई आम युद्धपोत नहीं बल्कि दुनिया का सबसे बड़ा क्लियर पावर्ड कॉम्बैटशिप है। इसका वजन करीब 28,000 टन है। इसके आकार का अंदाजा आप इस बात से लगा सकते हैं कि अकेला जहाज अमेरिका के तीन सबसे मॉडर्न अर्ली बर्ग क्लास डिस्ट्रॉय जहाजों से भी बड़ा और भारी है। न्यूक्लियर प्लांट से चलने वाले युद्धपोत का वजन 28,000 टन है।

अंदर हथियारों का ऐसा गोदाम है कि कोई दुश्मन इसके करीब आने की सोच भी नहीं सकता। इस जहाज में कुल 176 मिसाइल लॉन्च सेल्स लगाए गए हैं। इनमें से करीब 100 सेल्स में रूस के सबसे खतरनाक एयर डिफेंस सिस्टम स्400 का नेवल वर्जन तैनात है। जो जमीन पर मौजूद स्400 की तीन पूरी बटालियन के बराबर आसमान से आने वाली हर आफत को रोक सकता है। इसके अलावा बाकी सेल्स में रूस की सबसे घातक ज़रकॉन हाइपरसोनिक क्रूज मिसाइलें भरी गई हैं। यह मिसाइल साउंड की रफ्तार से नौ गुना तेजी से उड़ती हैं और 1000 किमी दूर बैठे दुश्मन को संभलने का 1 सेकंड का भी मौका नहीं देती।

जहाज को इस तरह अपग्रेड किया गया है कि आज की तारीख में दुनिया का सबसे ताकतवर कॉम्बैट शिप बन चुका है। हालांकि रूस के लिए इस दैत्य को जिंदा करना आसान नहीं था। यूक्रेन के साथ जारी भीषण युद्ध के कारण लगे प्रतिबंधों और भारी बजट संकट की वजह से रूस को इसके जुड़वा जहाज पियोत्र वेलिकी को समय से पहले रिटायर करना पड़ा। क्योंकि दोनों जहाजों को मेंटेन रखना रूस की इकॉनमी पर भारी पड़ रहा था। सोवियत संघ के टूटने के बाद से रूस से कोई नया बड़ा जहाज नहीं बनाया।

इसलिए अपनी धाग जमाए रखने के लिए उसने अपनी पूरी ताकत एडमिरल नाखिमो को चमकाने में झोंक दी। दरअसल अमेरिका और नाटो देश लगातार आर्कटिक क्षेत्र में रूस के व्यापारिक जहाजों को निशाना बनाने की कोशिश कर रहे हैं।

ज़ेलेंस्की बातचीत के लिए कभी भी रुस आ सकते हैं: पेस्कोव

मॉस्को/कीव, (वार्ता)। रुस ने कहा है कि अगर यूक्रेन के राष्टपति वोलोडिमिर ज़ेलेंस्की बातचीत करना चाहते हैं, तो वे कभी भी यहां आ सकते हैं। क्रेमलिन के प्रवक्ता दिमित्री पेस्कोव ने इस आशय की घोषणा की है। श्री ज़ेलेंस्की ने गुरुवार को एक पत्र जारी करके शांति प्रक्रिया पर चर्चा के लिए रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन के साथ आमने-सामने की बैठक का प्रस्ताव रखा, जिसमें यूरोप और अमेरिका भी शामिल हों। श्री ज़ेलेंस्की ने पत्र में लिखा, यूक्रेन हमारे और आपके बीच सीधी बातचीत के ज़रिए इस युद्ध को खत्म करने का प्रस्ताव देता है। मैं एक बैठक का प्रस्ताव रख रहा हूं। श्री ज़ेलेंस्की ने बैठक के लिए एक स्पष्ट तारीख तय करने की भी मांग की और कहा कि बातचीत के दौरान पूरी तरह से युद्धविराम के लिए यूक्रेन तैयार है। स्विट्ज़रलैंड, तुर्की और कुछ अरब देशों ने ऐसी बातचीत की मेज़बानी करने की इच्छा जताई है। श्री पेस्कोव ने कहा कि क्रेमलिन ने पत्र की समीक्षा कर ली है और अपनी कामकाजी बैठक के बाद श्री पुतिन को इसकी जानकारी देगा। राष्टपति पुतिन ने कहा है कि अगर ज़ेलेंस्की बातचीत करना चाहते हैं।

अल नीनो की दस्तक से बढ़ी चिंता, प्रशांत महासागर का तापमान बढ़ा, भारत में मानसून पर भी पड़ेगा असर

नई दिल्ली

प्रशांत महासागर में तेजी से बढ़ते तापमान के कारण अल नीनो ने दस्तक दे दी है। मई महीने में समुद्र का तापमान अल नीनो की निर्धारित 0.5 डिग्री सेल्सियस की सीमा को पार कर चुका है। यूरोपीय मौसम एजेंसी के लेटेस्ट अपडेट के अनुसार, इसके प्रभाव से वैश्विक वायुमंडलीय परिस्थितियों में बड़े बदलाव की आशंका है, जिसका आने वाले महीनों में भारतीय मानसून सहित दुनिया भर के मौसम पर गहरा असर पड़ सकता है।

यूरोपियन सेंटर फॉर मीडियम-रेंज वेदर फोरकास्ट द्वारा जारी की गई यह रिपोर्ट प्रशांत महासागर की स्थिति पर किसी प्रमुख वैश्विक मौसम एजेंसी का जून महीने का पहला अपडेट है। पिछले महीने ही अधिकांश एजेंसियों ने चेतावनी दी थी कि अल नीनो आने की कगार पर है। वहीं, अमेरिकी सरकारी संस्थानों ने मई से जुलाई की अवधि के बीच इसके बनने की 82% संभावना जताई थी।

अनुभवी मौसम विज्ञानी और पृथ्वी विज्ञान मंत्रालय के पूर्व सचिव एम राजीवन ने बताया कि ईसीएमडब्ल्यूएफ के नवीनतम चार्ट से पता चलता है कि 0.5 डिग्री की सीमा पार हो गई है।

आधिकारिक तौर पर, अल नीनो की घोषणा तभी की जाती है जब ये बदलाव कम से कम तीन महीने तक लगातार बने रहते हैं। अल नीनो से जुड़े वायुमंडलीय बदलाव अब पहले से ही देखे जा रहे हैं और इसका असर भी महसूस किया जाने लगा है।

ईसीएमडब्ल्यूएफ का यह अपडेट उसी दिन आया है, जब मानसून अपने सामान्य समय से तीन दिन की देरी के बाद केरल पहुंचा। भारत मौसम विज्ञान विभाग के प्रमुख मृत्युंजय महापात्र ने कहा कि मानसून के पश्चिमी तट के और अधिक हिस्सों तथा कर्नाटक, आंध्र प्रदेश की ओर बढ़ने और अगले दो-तीन दिनों में तमिलनाडु को कवर करने की संभावना है। हालांकि, उन्होंने स्पष्ट किया कि इन क्षेत्रों में बारिश की तीव्रता बहुत अधिक होने की संभावना नहीं है।

अल नीनो के पूरी तरह से हावी होने को लेकर महापात्र ने कहा कि तस्वीर साफ होने के लिए अन्य एजेंसियों के अपडेट का इंतजार करना चाहिए। अमेरिकी सरकारी एजेंसियों और आईएसडी द्वारा एक सप्ताह के भीतर अपना पूर्वानुमान जारी करने की उम्मीद है।

गौरतलब है कि ढ्ढरूष्ठ ने इस साल लॉन्ग पीरियड एवरेज का 90% यानी सामान्य से कम मानसून रहने का अनुमान जताया है, जो कि 90% से कम की श्रेणी के करीब है।

पिछले महीने के अंत में ऑस्ट्रेलियाई मौसम ब्यूरो ने भी बताया था कि नीनो 3.4 क्षेत्र में तापमान सामान्य से 0.67 डिग्री सेल्सियस अधिक था, मध्य-पूर्व भूमध्यरेखीय प्रशांत महासागर का वह क्षेत्र जहां अल नीनो पर सबसे ज्यादा नजर रखी जाती है।

यह अधिकांश एजेंसियों द्वारा अल नीनो की शुरुआत के लिए तय की गई 0.5 डिग्री सेल्सियस की सीमा से अधिक है, हालांकि ऑस्ट्रेलियाई ब्यूरो इसका मापदंड 0.8 डिग्री सेल्सियस मानता है। ईसीएमडब्ल्यूएफ के नवीनतम मौसमी पूर्वानुमान के अनुसार, मई के अंत तक नीनो 3.4 क्षेत्र का तापमान सामान्य से 1 डिग्री सेल्सियस अधिक हो चुका है।

खान ग्लोबल स्टडीज के दो गार्डों की गिरफ्तारी के बाद बढ़ सकती हैं खान सर की मुश्किलें

पटना. (वार्ता)

राजधानी पटना के मुसल्लहपुर हाट इलाके में खान ग्लोबल स्टडीज के मुख्य द्वार के पास पिछले 02 जून को हुई कथित फायरिंग मामले में संस्थान से जुड़े दो गार्डों की गिरफ्तारी के बाद खान सर की मुश्किलें बढ़ सकती हैं। इस मामले में कदमकुआं थाने में कांड संख्या- 410/26 दर्ज कर जांच जारी है। पुलिस की यह कार्रवाई खान ग्लोबल स्टडीज परिसर से हुई फायरिंग का वीडियो सामने आने के बाद हुई है। इस मामले में खान सर का कहना है कि गोलीबारी सेल्फ डिफेंस में की गई थी। पटना के मुसल्लहपुर हाट इलाके में पिछले 02 जून को हुई इस कथित फायरिंग मामले में एक अन्य कोचिंग संस्थान ज्ञान बिंदु के डायरेक्टर रोशन आनंद और उनके दो सहयोगियों को पहले ही गिरफ्तार किया जा चुका है। इस गिरफ्तारी के बाद बड़ी संख्या में छात्र प्रदर्शन के लिए सडक पर उतर आये थे । इस दौरान छात्रों ने कहा कि इस मामले में ज्ञान बिंदु कोचिंग के मालिक रोशन आनंद को फंसाया जा रहा है और वह पूरी तरह निर्दोष हैं। छात्रों ने कहा कि यह अफवाह गलत है कि खान सर की फीस उनके प्रतिद्वंद्वियों से कम है। उन्होंने कहा कि ज्ञान बिंदु के ज्यादातर ऑफ लाईन कोर्सेस की कीमत खान ग्लोबल के मुकाबले कम है। छात्रों ने कहा कि यह साबित होने के बाद कि फायरिंग खान सर के गार्डों ने की थी, प्रशासन को रोशन आनंद को छोड़ देना चाहिए। छात्रों के इस प्रदर्शन के बाद नगर पुलिस अधीक्षक कार्यालय से जारी एक अनुरोध में छात्रों से कहा गया है कि छात्र कोचिंग सेंटर की प्रतिस्पर्धा या बहकावे में नही आएं। उखान ग्लोबल कोचिंग स्टडीज परिसर के पास हुई इस कथित फायरिंग के मामले में पुलिस ने रोशन आनंद सहित तीन आरोपियों को गिरफ्तार किया है।

अमेरिका ने क्यूबा के राष्ट्रपति पर नये दबाव अभियान के तहत प्रतिबंध लगाये

न्यूयॉर्क, (वार्ता)। अमेरिका ने क्यूबा पर दबाव बढ़ाने के लिए राष्ट्रपति मिगुएल डियाज़-कैनेल और कई अन्य लोगों एवं संस्थाओं पर प्रतिबंध लगा दिये हैं। अमेरिकी वित्त विभाग की वेबसाइट पर गुरुवार को जारी जानकारी के अनुसार विभाग ने डियाज़-कैनेल, चार अन्य लोगों और पांच संस्थाओं (जिनमें क्यूबा का %रिवोल्यूशनरी आर्म्ड फोर्सेस मंत्रालय भी शामिल है) को विशेष रूप से नामित नागरिकों और प्रतिबंधित व्यक्तियों की सूची में शामिल किया है। डियाज़-कैनेल ने 2018 में राउल कास्त्रो की जगह क्यूबा के राष्टपति का पद संभाला था।मई में अमेरिकी सरकार ने क्यूबा के 11 अधिकारियों पर प्रतिबंध लगाए थे और 1996 में क्यूबा से निर्वासित लोगों से जुड़ी एक घटना को लेकर राउल कास्त्रो पर आरोप लगाए थे।

भारत-बांग्लादेश सीमा पर बढ़ा तनाव, जबरन घुसपैठ के आरोपों से रिश्तों में कड़वाहट

नई दिल्ली

भारत और बांग्लादेश के बीच सीमा विवाद एक बार फिर गरमा गया है। बांग्लादेश ने दावा किया है कि उसने पिछले 24 घंटों में भारत द्वारा अपने नागरिकों को जबरन बांग्लादेश की सीमा में धकेलने के कम से कम 10 प्रयासों को विफल कर दिया है। चार हजार किलोमीटर से अधिक लंबी और जटिल भौगोलिक परिस्थितियों वाली इस अंतरराष्ट्रीय सीमा पर मुस्तैदी बढ़ाते हुए बार्डर गार्ड बांग्लादेश (बीजीबी) ने कहा है कि किसी भी अवैध घुसपैठ को बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। इसने दावा किया कि हाल ही में झिनाइदाह जिले में भारतीय सुरक्षा बलों द्वारा 30-35

लोगों को वैन में लाकर सीमा पार कराने की कोशिश को नाकाम कर दिया गया। राजनीतिक उथल-पुथल और राजनयिक गतिरोध 2024 में भारत-समर्थक नेता शेख हसीना के सत्ता से हटने के बाद से दोनों देशों के रिश्तों में सुधार की कोशिशें चल रही थीं, लेकिन इस घटना ने उन पर पानी फेर दिया है। भारत के सीमावर्ती राज्यों (त्रिपुरा, बंगाल और असम) में सत्तारूढ़ भाजपा ने घुसपैठियों के खिलाफ सख्त रुख अपनाया हुआ है। हालांकि, ढाका का कहना है कि किसी भी नागरिक की वापसी उचित कानूनी और राजनयिक प्रक्रियाओं के जरिये होनी चाहिए, न कि जबरन। इस संवेदनशील मुद्दे पर 8 से 11 जून के बीच नई दिल्ली में दोनों देशों के महानिदेशक स्तर की बैठक होने वाली है, जहां इस पर तीखी चर्चा की उम्मीद है। बांग्लादेश की राजनीति में हलचल- सेलीना रिहा इस सीमाई तनाव के बीच, बांग्लादेश की आंतरिक राजनीति से भी एक बड़ी खबर आई है। अवामी लीग की दिग्गज नेता और नारायणगंज सिटी कारपोरेशन की पूर्व मेयर सेलीना हयात को बुधवार रात काशिमपुर जेल से जमानत पर रिहा कर दिया गया। पिछले साल सितंबर में गिरफ्तार हुई सेलीना की रिहाई पूर्व स्पीकर शिरीन शार्मिन चौधरी के बाद अवामी लीग के किसी बड़े नेता को मिली दूसरी बड़ी राहत है। इसी बीच, इंटरनेशनल क्राइसिस ग्रुप ने सरकार से अवामी लीग पर प्रतिबंध लगाने के फैसले पर पुनर्विचार करने की अपील की है, जिससे देश में राजनीतिक सरगर्मी बढ़ गई है।

फिल्म/टीवी मनोरंजन

ऑफ-स्क्रीन भी युवा कलाकार मुझे पितामह कहते हैं: मनीष वाधवा

सोनी सब के शो हस्तिनापुर के वीर में भीष्म पितामह की भूमिका निभा रहे अभिनेता मनीष वाधवा ने बताया कि ऑन-स्क्रीन मार्गदर्शक की भूमिका निभाते-निभाते ऑफ-स्क्रीन भी उनका रिश्ता युवा कलाकारों के साथ एक मेंटर जैसा बन गया है। मनीष वाधवा ने कहा कि पांडवों और कौरवों की भूमिका निभाने वाले युवा कलाकार सीखने के प्रति बेहद उत्सुक हैं और हमेशा अपने किरदारों को बेहतर समझने का प्रयास करते हैं। उन्होंने बताया कि शूटिंग के दौरान वे अक्सर बच्चों के साथ पौराणिक कथाओं पर चर्चा करते हैं, संवादों और भावनाओं को समझने में उनकी मदद करते हैं तथा अपने अनुभव साझा करते हैं। उन्होंने कहा, ऑफ-स्क्रीन भी अब कई लोग मुझे 'पितामह' कहने लगे हैं, जो मेरे लिए बेहद खास है। हमने एक खूबसूरत रिश्ता बनाया है और उनकी ऊर्जा हर दिन सेट को जीवंत बनाए रखती है। शो हस्तिनापुर के वीर पांडवों और कौरवों के शुरुआती जीवन पर आधारित एक भव्य पौराणिक गाथा है, जिसमें रिश्तों, कर्तव्य, शक्ति और नियति की कहानी को दर्शाया गया है। यह धारावाहिक हर सोमवार से शनिवार रात 9 बजे सोनी सब पर प्रसारित होता है।

'पुष्पा इम्पॉसिबल' में कादम्बरी की धमाकेदार वापसी, पुष्पा की जिंदगी में मचेगा नया बवंडर

सोनी सब के लोकप्रिय धारावाहिक पुष्पा इम्पॉसिबल में दर्शकों को जल्द ही एक बड़ा ट्विस्ट देखने को मिलेगा। सोनी सब का लोकप्रिय शो पुष्पा इम्पॉसिबल अपने दिल छू लेने वाले पारिवारिक पलों और अप्रत्याशित मोड़ों के साथ दर्शकों को लगातार बाँधे रखता है। जैसे ही पुष्पा (करुणा पांडे) और बापोदरा चॉल के लोग एक खुशहाल मौके का जश्न मनाने और नई शुरुआत की ओर बढ़ने की तैयारी करते हैं, अचानक हुई एक वापसी उनकी खुशियों पर साया डाल देती है। आने वाले एपिसोड्स में, पुष्पा और शनाया चिराग और मानवा (रसिका धुबाले) को और करीब लाते हैं, जिससे उनकी सगाई का रास्ता खुलता है और चॉल शादी की तैयारियों में जुट जाता है। लेकिन, जब परिवार उत्सव की तैयारियों में व्यस्त होता है, तभी देर रात पुष्पा के दरवाज़े पर एक अनचाहा मेहमान दस्तक देता है। कादम्बरी (बृंदा त्रिवेदी) चौंकाने वाली वापसी करती है। महीनों तक जेल में रहने के बाद, जो पुष्पा की वजह से हुआ था, वह अब बदला लेने लौटी है। उसकी अचानक मौजूदगी सबको असहज कर देती है और जल्द ही यह स्पष्ट हो जाता है कि वह पुराने हिसाब चुकाने और बदला लेने आई है। कादम्बरी की भूमिका निभा रहीं बृंदा त्रिवेदी ने कहा, कादम्बरी कभी सच में जाती नहीं है, वह सिर्फ सही मौके का इंतजार करती है। इस बार वह पहले से ज्यादा मजबूत इरादों और बदले की आग के साथ लौटी है। दर्शकों को उसका ऐसा रूप देखने को मिलेगा, जो पहले से कहीं ज्यादा खतरनाक है।

नेहा धूपिया और अंगद बेदी के शो 'डबल डेट' में जैकी भगनानी ने किया खुलासा

अभिनेता और निर्माता जैकी भगनानी ने नेहा धूपिया और अंगद बेदी के चैट शो डबल डेट में अपनी निजी जिंदगी से जुड़ी भावनात्मक बातें साझा कीं। शो में पत्नी रकुल प्रीत सिंह के साथ पहुंचे जैकी ने बताया कि बचपन में उनका वजन करीब 150 किलो था, जिसके कारण उन्हें लगातार बॉडी शेमिंग और लोगों की तानों का सामना करना पड़ा। उन्होंने एक पुरानी घटना याद करते हुए बताया कि एक बातचीत के दौरान उनकी तुलना रेसलर योकोज़ुना से की गई थी, जो उनके लिए बेहद आहत करने वाली थी। जैकी ने कहा कि ऐसी टिप्पणियाँ भले ही लोग मज़ाक में करते हों, लेकिन उनका असर लंबे समय तक मानसिक रूप से रहता है।उन्होंने यह भी साझा किया कि उनके पिता ने उन्हें उसी स्थिति में अभिनेता के रूप में लॉन्च करने से मना कर दिया था, जिसे वे पहले तो कठिन बात मानते थे, लेकिन बाद में उन्होंने इसे अपने बदलाव की प्रेरणा बनाया। जैकी ने बताया कि इसके बाद उन्होंने फिटनेस पर काम किया और खुद को पूरी तरह बदल लिया। शो में उनकी ईमानदार बातचीत को दर्शकों ने सराहा है और सोशल मीडिया पर उनकी खुलकर बात करने की खूब तारीफ हो रही है।

'माँ बहन' में माधुरी दीक्षित ने फिर जीता दिल, अभिनय से बटोरी वाहवाही

कई सालों से अपने शानदार अभिनय से दर्शकों का दिल जीतती आ रही माधुरी, नेटफ्लिक्स की नई फिल्म 'माँ बहन' में एक बिल्कुल अलग अंदाज़ में नजर आ रही हैं। इस फिल्म में माधुरी ने एक ऐसा किरदार निभाया है जो रंगों से भरपूर होने के साथ-साथ भावनात्मक गहराई भी रखता है। माधुरी ने इस भूमिका को पूरी ईमानदारी और सहजता के साथ निभाया है। इस बार उनका किरदार उनकी पारंपरिक हीरोइन वाली छवि और 'धक-धक गर्ल' वाली पहचान से काफी अलग है। अपने करियर के इस पड़ाव पर ऐसा किरदार चुनना एक साहसिक फैसला है। माधुरी यह दिखाती हैं कि वह समय के साथ खुद को बदल सकती हैं, लेकिन उनकी स्क्रीन पर मौजूदगी और अभिनय की ताकत आज भी वैसी ही है। फिल्म में वह एक साधारण मध्यमवर्गीय महिला की भूमिका निभा रही हैं, जिसे दर्शक उनके साथ कम ही देख पाए हैं। उनके चेहरे के भाव, उनकी कॉमिक टाइमिंग और उत्तर भारतीय लहजे में बोले गए संवाद इस किरदार को और भी खास बना देते हैं। 'माँ बहन' में माधुरी दीक्षित पूरी तरह छाई हुई हैं। उन्होंने व्यंग्य, हास्य और आत्मविश्वास का बेहतरीन संतुलन दिखाया है। इस फिल्म के जरिए वह एक बार फिर साबित करती हैं कि शानदार अभिनय उम्र का मोहताज नहीं होता और आज भी वह नई पीढ़ी की अभिनेत्रियों को कड़ी टक्कर दे सकती हैं।

विश्व पर्यावरण दिवस पर साईं मंदिर पार्क में हुआ पौधारोपण

पौधों की नियमित देखरेख, संरक्षण का लिया संकल्प

करेली (स्वतंत्र मत)।

विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर शुक्रवार, 05 जून 2026 को प्रात: 9-30 बजे सुभाष वार्ड स्थित साईं मंदिर पार्क में नगर पालिका परिषद करेली द्वारा पौधारोपण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में जनप्रतिनिधियों एवं नागरिकों ने पौधे लगाकर पर्यावरण संरक्षण का संकल्प लिया तथा हरियाली बढ़ाने का संदेश दिया। कार्यक्रम में पूर्व राज्यसभा सांसद कैलाश सोनी, भारतीय जनता पार्टी के जिलाध्यक्ष रामस्नेही पाठक, नगर पालिका अध्यक्ष श्रीमती सुशीला ममार, भाजपा जिला उपाध्यक्ष श्रीमती बीना ओसवाल, महामंत्री सुरेन्द्र मोहन नेमा, नगर पालिका उपाध्यक्ष श्रीमती अनीता नेमा, भाजपा मंडल अध्यक्ष जितेंद्र स्वामी, कृपाल सिंह सोहेल मंडल महामंत्री, पार्षद खालिक कुरैशी, हेमंत मेहरा, श्रीमति ज्योति सोनी, श्रीमती ज्योति जैन, श्रीमती संगीता शर्मा, सत्यप्रकाश साहनी, सुरेश नेमा, जगदीश मिश्रा, संदीप सिंह ममार, उपेंद्र काले, नीरज लूनावत, राजेश दुबे, प्रखर दुबे, आनंद सोनी,अरुण झारिया, कैलाश रघुवंशी, श्रीमती माया भारद्वाज, श्रीमती अनुराधा जाट, कालूराम सोनी, राकेश बड़कुर, सुशील ठाकुर, सुनील सोनी, सावन साहनी, अजय झरिया, नितिन ठाकुर, ललित खत्री, श्रीमती सीमा कोहली, लोकेश बाथरे, मुकेश रघुवंशी, बृजेंद्र राजपूत, राजकुमार रजक, विमल कोहली सहित समस्त पार्षदगण, जनप्रतिनिधि, गणमान्य नागरिक एवं नगर पालिका के अधिकारी-कर्मचारी उपस्थित रहे। सभी ने पार्क परिसर में विभिन्न प्रजातियों के पौधों का रोपण किया। इस अवसर पर पूर्व राज्यसभा सांसद कैलाश सोनी ने कहा पर्यावरण संरक्षण केवल एक दिन का कार्यक्रम नहीं, बल्कि हम सभी की सामूहिक जिम्मेदारी है। आने वाली पीढ़ियों को स्वच्छ और सुरक्षित वातावरण देने के लिए अधिक से अधिक पौधे लगाना आवश्यक है। भाजपा जिलाध्यक्ष रामस्नेही पाठक ने कहा वृक्ष हमारे जीवन का आधार हैं। पौधारोपण के साथ-साथ उनका संरक्षण भी उतना ही महत्वपूर्ण है। प्रत्येक व्यक्ति को इस अभियान से जुड़कर पर्यावरण संरक्षण में योगदान देना चाहिए। नगर पालिका अध्यक्ष श्रीमती सुशीला ममार ने अपने संदेश में कहा कि नगर को स्वच्छ, सुंदर एवं हराभरा बनाने के लिए नगर पालिका निरंतर प्रयासरत है। पौधारोपण पर्यावरण संरक्षण की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है और सभी नागरिकों को इसमें सक्रिय भागीदारी निभानी चाहिए।

मुख्य नगरपालिका अधिकारी श्रीकांत पाटर ने कहा पर्यावरण संरक्षण हम सभी की साझा जिम्मेदारी है। पौधारोपण के साथ-साथ पौधों का संरक्षण और संवर्धन भी आवश्यक है। नगर पालिका द्वारा हरित वातावरण के निर्माण हेतु निरंतर प्रयास किए जा रहे हैं। कार्यक्रम के दौरान उपस्थित सभी लोगों ने पौधों की नियमित देखरेख एवं संरक्षण का संकल्प लिया।

पौधरोपण कर महाविद्यालय में मनाया गया विश्व पर्यावरण दिवस

करेली (स्वतंत्र मत)।

महात्मा गांधी स्नातकोत्तर महाविद्यालय में विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर महाविद्यालय इकाई राष्ट्रीय सेवा योजना (रासेयो) एवं एनसीसी के तत्वावधान में महाविद्यालय के खेल परिसर के समीप पौधरोपण कार्यक्रम आयोजित किया गया। जिसमे महाविद्यालय प्राचार्य सहित समस्त महाविद्यालय स्टाफ एवं रासेयो और एनसीसी द्वारा पौधरोपण किया गया। कार्यक्रम के दौरान पर्यावरण संरक्षण को लेकर महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ ए के अग्रवाल ने महाविद्यालय स्टाफ, एनसीसी कैडेट्स, रासेयो स्वयंसेवकों एवं छात्र-छात्राओं को पर्यावरण संरक्षण की शपथ दिलाई। इस अवसर पर महाविद्यालय के पूर्व प्राचार्य डॉ यू एस परमार, उपप्राचार्य डॉ ए के वाजपेयी, रासेयो अधिकारी अंशुल नेमा, एनसीसी अधिकारी रामसेवक कुशवाहा एवं वरिष्ठ समाजसेवी व पर्यावरण संरक्षण के प्रति जागरूक नागरिक केवल सिंह जाट, प्रदीप जैन, गीता कुशवाहा सहित ग्राम उत्थान फाउंडेशन के सदस्य महाविद्यालय स्टाफ एवं छात्र छात्राएं उपस्थित रहे। कार्यक्रम में सभी ने अधिक से अधिक पौधे लगाने तथा पर्यावरण संरक्षण के प्रति जनजागरूकता फैलाने का संकल्प लिया।

जिले में 30 जून तक प्रत्येक शनिवार को मेगा अपार दिवस का आयोजन होगा

नरसिंहपुर, स्वतंत्रमत। जिला शिक्षा अधिकारी नरसिंहपुर ने बताया कि संचालक राज्य शिक्षा केन्द्र भोपाल मध्यप्रदेश के निर्देशानुसार जिले के सभी शासकीय और अशासकीय विद्यालयों में एक जून से 30 जून तक प्रत्येक शनिवार को मेगा अपार दिवस का विशेष अभियान चलाया जा रहा है। कक्षा पहली से 12 वीं तक के उन सभी छात्र-छात्राओं की अपार आईडी अनिवार्य रूप से बनाई जाएगी।

विश्व पर्यावरण दिवस के उपलक्ष में पौधारोपण

नरसिंहपुर, स्वतंत्रमत। विश्व पर्यावरण दिवस के उपलक्ष में संस्था पीएम श्री शासकीय महारानी लक्ष्मी बाई कन्या उच्चतर माध्यमिक विद्यालय नरसिंहपुर में वृक्षारोपण कार्यक्रम संपन्न हुआ इस अवसर पर संस्था की प्राचार्या श्रीमती आशा नेमा एवं शाला परिवार के शिक्षक शिक्षिकाएं एवं छात्राओ ने वृक्षारोपण कार्यक्रम में हिस्सा लिया प्राचार्य ने विद्यालय परिसर में सिंदूर के पौधे का रोपण किया एवं विद्यार्थियों को पर्यावरण संरक्षण प्लास्टिक मुक्त परिसर एवं जल संरक्षण पर संदेश देते हुए कहा कि पर्यावरण संरक्षण सिर्फ हमारी जिम्मेदारी ही नहीं बल्कि आने वाली पीढियां के प्रति हमारा कर्तव्य भी है सभी छात्राओं को एक-एक पौधा रोपण करने के लिए संदेश दिया गया।

वृक्ष जीवन का आधार है, जो प्राकृतिक संतुलन प्रदान करते हैं : विधायक पटेल

नरसिंहपुर, स्वतंत्रमत। विधायक तेंदूखेड़ा श्री विश्वनाथ सिंह पटेल ने कहा कि वृक्ष हमारे जीवन का आधार है, जो हमें शुद्ध वायु, स्वच्छ वातावरण और प्राकृतिक संतुलन प्रदान करते हैं। वृक्ष और समृद्ध जैव विविधता ही मानव जीवन को सुरक्षित और सुखमय बनाते हैं। उन्होंने कहा कि वर्तमान में बढ़ते प्रदूषण, जल संकट और जलवायु परिवर्तन जैसी चुनौतियों के बीच पर्यावरण संरक्षण हम सभी की सामूहिक जिम्मेदारी बन गई है। विधायक श्री पटेल विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर शुक्रवार 5 जून 2026 को जिले के बरमानकलां में हरियाली महोत्सव के तहत पौधरोपण के कार्यक्रम को संबोधित कर रहे थे। इस अवसर पर विधायक श्री विश्वनाथ सिंह पटेल ने सभी को पर्यावरण संरक्षण की शपथ दिलाई। विधायक श्री पटेल ने कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कहा कि सभी नागरिकों को यह संकल्प लेना होगा कि वे अधिक से अधिक पौधरोपण करें, जल संरक्षण को बढ़ावा दें, प्लास्टिक के उपयोग को कम करें और आसपास के वातावरण को स्वच्छ और हरित बनाए रखने में सक्रिय योगदान दें। उन्होंने कहा कि हमसभी का यह प्रयास आने वाली पीढ़ियों को सुरक्षित और स्वस्थ भविष्य प्रदान कर सकता है। विधायक श्री पटेल ने कहा कि पर्यावरण की रक्षा केवल एक दिन का अभियान नहीं, बल्कि जीवनभर निभाए जाने वाली जिम्मेदारी है। हम सभी मिलकर प्रकृति के संरक्षण और संवर्धन का संकल्प लें और एक स्वच्छ, हरित और समृद्ध भारत के निर्माण में अपनी सहभागिता सुनिश्चित करें।

कलेक्टर श्रीमती रजनी सिंह ने कहा कि 5 जून को विश्व पर्यावरण दिवस मनाया जाता है। इस दिन हम प्रतिवर्ष की तरह पौधरोपण का कार्य करते हैं। उन्होंने बताया कि पर्यावरण की रक्षा के लिए जन सहभागिता से 5 जून से पौधरोपण करने का अभियान प्रारंभ किया गया है। यह अभियान 5 जून से 21 जून तक संचालित होगा। इस दौरान पौधरोपण, स्वच्छता, पर्यावरण, जल संरक्षण प्राकृतिक खेती और शिविर आयोजित कर हितग्राहियों को जनकल्याणकारी योजनाओं से लाभांवित किया जाएगा। इस अभियान के दौरान नदी, नालों, तालाबों और जल स्त्रोतों की साफ- सफाई की जाएगी, जिससे जल स्त्रोत संरक्षित हो सके। कलेक्टर श्रीमती सिंह ने कहा कि नरसिंहपुर जिले को मां नर्मदा जी की कृपा मिली है, यहां की भूमि उपजाऊ है। इस उपजाऊ भूमि में पौधरोपण का कार्य जरूर करें। उन्होंने किसानों को प्रेरित करते हुए कहा कि धान, गेहूं, सोयाबीन, मूंग की खेती के साथ-साथ फलदार खेती भी करें। किसान अपनी खाली पड़ी जमीन या खेतों की मेढ़ों में पौधरोपण करें। उन्होंने कहा कि नर्मदा नदी के तटीय क्षेत्रों के किनारे पौधरोपण करना अनिवार्य है। नर्मदा नदी के तटीय क्षेत्रों की मिट्टी का कटाव होने से प्रतिवर्ष मिट्टी कटकर नर्मदा नदी में प्रवाहित हो जाती है। नर्मदा नदी के तटीय क्षेत्रों में पौधरोपण करने से मिट्टी का कटाव रूकेगा और भूमि की उर्वरकता-क्षमता बढ़ेगी।

विश्व पर्यावरण दिवस पर नगर निगम परिषद की विशेष बैठक संपन्न

सिंगरौली। संचालनालय, नगरीय प्रशासन एवं विकास, भोपाल (मध्य प्रदेश) के दिशा-निर्देशों के परिपालन में आज 5 जून को विश्व पर्यावरण दिवस के विशेष अवसर पर नगर पालिक निगम सिंगरौली की एक अत्यंत महत्वपूर्ण विशेष बैठक आयोजित की गई। यह बैठक नगर निगम परिषद के अध्यक्ष देवेश पाण्डेय की अध्यक्षता तथा सिंगरौली विधानसभा के विधायक रामनिवास शाह, महापौर रानी अग्रवाल, मेयर-इन-काउंसिल के सदस्य खुर्शीद आलम, शत्रुघ्न लाल शाह, श्यामला, रुक्मणी देवी, नगर निगम आयुक्त सविता प्रधान एवं सांसद प्रतिनिधि संतोष वर्मा की गरिमामय उपस्थिति में प्रात: 11 बजे से निगम मुख्यालय के परिषद सभागार में संपन्न हुई। बैठक का शुभारंभ परम्परा अनुसार राष्ट्रगान के साथ हुआ।बैठक का मुख्य उद्देश्य ठोस अपशिष्ट प्रबंधन नियम 2026 के प्रभावी क्रियान्वयन हेतु विशेष अभियान की रूपरेखा तैयार करना तथा शहर के विकास और पर्यावरणीय संतुलन से जुड़े विभिन्न नीतिगत विषयों पर विस्तृत चर्चा कर ठोस कार्य योजना तैयार करना था।बैठक में गहन चर्चा और विचार-विमर्श के दौरान यह स्पष्ट किया गया कि नए नियमों के तहत सिंगरौली शहर में कचरा प्रबंधन की पूरी प्रणाली को अपग्रेड किया जाएगा। इसके अंतर्गत स्रोतों पर ही कचरे का पृथक्करण-यानी गीला, सूखा और हानिकारक कचरा अलग-अलग करना अनिवार्य किया जा रहा है और नियमों का उल्लंघन करने वालों पर सख्त चालानी कार्रवाई की जाएगी। इसके साथ ही, आज से शुरू हो रहे इस विशेष अभियान को जन-आंदोलन का रूप देने के लिए वार्ड स्तर पर पार्षदों के नेतृत्व में स्वच्छता समितियां गठित की जाएंगी, जो नागरिकों को पर्यावरण संरक्षण और सिंगल-यूज प्लास्टिक के पूर्ण बहिष्कार के प्रति जागरूक करेंगी।

पर्यावरण दिवस के संदर्भ में शहर के पारंपरिक जल स्त्रोतों, तालाबों के पुनरुद्धार और आगामी वर्षा ऋतु के आगमन से पूर्व सभी प्रमुख नालों की वैज्ञानिक तरीके से सफाई सुनिश्चित करने के निर्देश भी दिए गए, ताकि शहर में जलभराव की स्थिति निर्मित न हो।

वृत्त नरसिंहपुर व करेली में अवैध मदिरा बरामद

नरसिंहपुर, स्वतंत्रमत।

कलेक्टर श्रीमती रजनी सिंह के निर्देशन में जिले में मदिरा संबंधी अवैध गतिविधियों के विरूद्ध विशेष अभियान चलाया जा रहा है। इसी क्रम में आबकारी विभाग बल द्वारा गुरूवार को वृत्त नरसिंहपुर और करेली के अंतर्गत दबिश देकर अवैध मदिरा के विरूद्ध कार्यवाही की गई। दबिश के दौरान 15 लीटर कच्ची हाथ भट्टी अवैध मदिरा, 52 पाव देशी मदिरा (9.36 बीएल), 13 पाव विदेशी मदिरा एवं 975 किलो ग्राम महुआ लाहन बरामद कर मप्र आबकारी अधिनियम 1915 संशोधन 2000 की के तहत 9 प्रकरण पंजीबद्ध किए गये। कार्यवाही के दौरान सहायक जिला आबकारी अधिकारी श्री रवींद्र जैन, आबकारी उपनिरीक्षक सतीश कुमार, आब.मु.आर. सदर सिंह बरकड़े, आब.आर. लालजी प्रसाद चौधरी, नवल सिंह उपस्थित थे।

चीचली में बीपीएमयू बैठक संपन्न

गाडरवारा (स्वतंत्र मत)। गत दिवस चीचली विकासखंड के जनपद शिक्षा केंद्र में विकासखंड प्रोजेक्ट मैनेजमेंट यूनिट तथा उल्लास नवभारत साक्षरता की बैठक आयोजित की गई। बैठक को सम्बोधित करते हुए विकासखंड स्त्रोत समन्वयक चीचली डी के पटैल एवं एमआईएस कोऑर्डिनेटर दीपक श्रीवास्तव ने पावरप्वाइंट प्रेजेंटेशन के माध्यम से स्कूल एमआईएस पोर्टल का बिंदुवार प्रशिक्षण देकर संबंधित कार्य पूर्ण करने के निर्देश दिए। उन्होंने स्कूल चले हम अभियान द्वितीय चरण से संबंधित सभी बिंदुओं को समाहित करते हुए 16 जून को प्रत्येक विद्यालय में शाला प्रवेश उत्सव भव्यता से आयोजित के सुझाव दिए। कक्षा पहली एवं छठवीं में नवीन प्रवेश, नामांकन, मैपिंग , यू डाइस पोर्टल पर प्रोग्रेशन, पोर्टल पर निशुल्क पाठ्यपुस्तक वितरण, आईगाट कर्मयोगी प्रशिक्षण, अपार आई डी निर्माण, खाद्यान्न उठाव, निर्माण कार्य सहित अन्य बिंदुओं पर विस्तृत निर्देश दिए। उल्लास नवभारत साक्षरता के सहसमन्वयक सत्यम ताम्रकार द्वारा ने मार्च में संपादित असाक्षरों की परीक्षा के रिजल्ट की पोर्टल फीडिंग समीक्षा, बसाहटों में असाक्षरों के शत प्रतिशत सर्वे, सामाजिक चेतना के संचालन, आदर्श सामाजिक चेतना केंद्र में आवश्यक सामग्री की व्यवस्था तथा सामाजिक चेतना पंजी के सतत अद्यतन की बात की।

इस बैठक मे बीएसी अरुण दुबे, एमआईएस कोआर्डिनेटर दीपक श्रीवास्तव, खुशबू ब्रिजपुरिया, उपयंत्री मनोज बुनकर, सत्यम ताम्रकार, अजय नामदेव, प्रमोद साहू, संजय सोनी, ललित पाराशर, हरीश गुप्ता, अनूप पालीवाल, हेमंत पटेल, नरेश मेहरा, बुलंद सिंह कुशवाहा, कैलाश कहार इत्यादि की उपस्थिति रही।

कैबिनेट मंत्री उदयप्रताप सिंह ने पर्यावरण दिवस पर किया पौधारोपण

एक पेड़ माँ के नाम अभियान के तहत लगाये पौधे

गाडरवारा (स्वतंत्र मत)।

प्रदेश के स्कूल शिक्षा एवं परिवहन मंत्री उदयप्रताप सिंह ने स्थानीय पीएमश्री शासकीय कन्या नवीन उच्चतर माध्यमिक विद्यालय मे विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर एक पेड़ माँ के नाम अभियान के तहत अनेक पौधे लगाये। उन्होंने जनप्रतिनिधियों, भाजपा कार्यकर्ताओ,अधिकारियो, कर्मचारियों एवं छात्र छात्राओं के साथ पौधे लगाये। इस अवसर पर मंत्री श्री सिंह ने कहा कि धरती का आंचल हरा-भरा रखना, हम सब की जिम्मेदारी है। यह दिन केवल एक तारीख नहीं है, बल्कि एक चेतावनी भी है और एक मौका भी-यह याद रखने का कि प्रकृति से हमारा रिश्ता च्लेनेज का नहीं, बल्कि च्सह-अस्तित्वज का है। आज हमारी धरती हमसे राहत की मांग कर रही है। बढ़ते प्रदूषण, कटते जंगलों और बदलते मौसम के मिजाज को हम अनदेखा नहीं कर सकते।आज के दिन हम केवल बातें न करें, बल्कि कुछ छोटे लेकिन ठोस संकल्प लें, ?एक पौधा जरूर लगाएं सिर्फ लगाएं ही नहीं, बल्कि उसके बड़ा होने तक उसकी देखभाल करने की जिम्मेदारी भी लें। उन्होंने कहा कि पर्यावरण के मामले मे हम खुद भी जागरूक बनें और दूसरों को भी प्रेरित करें।

वृक्षारोपण उपरांत मंत्री श्री सिंह एवं मंचासीन अतिथियों ने माँ सरस्वती का पूजन कर कार्यक्रम का विधिवत शुभारंभ किया। मंचासीन अतिथियों का स्वागत स्कूल शिक्षा विभाग के अधिकारियो एवं प्राचार्यो ने किया। कार्यक्रम मे प्राचार्य सतीश नाईक ने स्वागत भाषण प्रस्तुत किया। कार्यक्रम का मंच संचालन प्राचार्य सतीश नाईक एवं अंत मे आभार प्रदर्शन भाजपा मंडल अध्यक्ष चंद्रकांत शर्मा ने किया।

इस अवसर पर नपा अध्यक्ष शिवाकांत मिश्रा, पूर्व नपा अध्यक्ष नवनीत चाचा, राजेंद्र साहू, मिनेन्द्र डागा , हंसराज मालपानी, बसंती पालीवाल, पुष्पा राय आदि मंचासीन अतिथियो सहित एसडीएम मणिन्द्र सिंह, जिला शिक्षा अधिकारी डॉ अनिल कुशवाहा, तहसीलदार प्रियंका नेताम,बीईओ सीमा डोंगरे, वीरेंद्र राजपूत, प्राचार्य प्रतुल इंदुरख्या,एस के मिश्रा, सुनीता पटैल,सुशील शर्मा सहित अन्य उपस्थित रहे।

कलेक्टर ने एसडीएम कार्यालय परिसर में किया पौधारोपण

कलेक्टर ने एक पेड़ मां के नाम 2.0 अभियान के तहत रोपा आम का पौधा

कटनी (स्वतंत्रमत)

विश्व पर्यावरण दिवस शुक्रवार 5 जून को एक पेड़ मां के नाम 2.0 अभियान के तहत कलेक्टर आशीष तिवारी ने बहोरीबंद के एसडीएम कार्यालय परिसर में पौधरोपण किया। उन्होंने आम का पौधा लगाकर पर्यावरण संरक्षण का संदेश दिया। इस अवसर पर एसडीएम बहोरीबंद प्रदीप कुमार मिश्रा, तहसीलदार आशीष अग्रवाल, जनपद पंचायत सीईओ अभिषेक सिंह, परियोजना अधिकारी सतीश पटेल सहित पटवारियों और कोटवारों ने भी पौधारोपण किया। कलेक्टर ने एक पेड़ माँ के नाम 2.0 अभियान के अंतर्गत नागरिकों, शैक्षणिक संस्थाओं, उद्योगों, स्व-सहायता समूहों, नगरीय निकायों, पंचायतों तथा विभिन्न सामाजिक संगठनों से पौधारोपण अवश्य करने का आग्रह किया है। कलेक्टर ने रोपे गए पौधों की जियो-टैगिंग कर उनका पंजीयन मेरी लाईफ पोर्टल पर करने और पोर्टल के माध्यम से जियो-टैग्ड पौधों की निगरानी और संरक्षण करने की बात कही है। वर्ष 2024 से प्रारंभ हुआ यह अभियान इस साल 5 जून से 30 सितम्बर 2026 तक जन-सहभागिता के साथ कटनी जिले में संचालित किया जाएगा। विश्व पर्यावरण दिवस 5 जून को जिले में पर्यावरण संरक्षण, जैव-विविधता संवर्धन और जन-भागीदारी आधारित पौधारोपण को जन-आंदोलन का स्वरूप देने के लिए विविध कार्यक्रम आयोजित करने की योजना बनाई गई है। इस वर्ष आयोजन संयुक्त राष्ट्र की थीम इंस्पाईर्ड बाइ नेचर, फॉर क्लाइमेट एंड फॉर अवर फ्यूचर तथा देशव्यापी संदेश नॉउ फऱ़ॉर क्लाइमेट पर केंद्रित रहेगा। कार्यक्रम में पर्यावरण संरक्षण, जलवायु परिवर्तन, प्रदूषण नियंत्रण और सतत विकास लक्ष्यों पर विशेषज्ञों, जनप्रतिनिधियों एवं पर्यावरणविदों द्वारा विचार रखे जाएंगे। समूचे जिले में पर्यावरण संरक्षण संबंधी जन-जागरूकता कार्यक्रम, संगोष्ठियां, रैलियां, चित्र कला एवं निबंध प्रतियोगिताएं, पौध-रोपण अभियान, स्वच्छता गतिविधियां तथा पर्यावरण शपथ कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे। विद्यालयों, महाविद्यालयों, एनएसएस, एनसीसी, नेहरू युवा केंद्र तथा स्वयंसेवी संगठनों की सक्रिय भागीदारी सुनिश्चित की जाएगी। जिला स्तर पर एक पेड़-अनेक जीवन तथा प्रकृति से प्रेरित, जलवायु के लिए हमारा भविष्य विषयों पर विशेष कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे। जल संरक्षण, जैव-विविधता संवर्धन, प्लास्टिक-मुक्त वातावरण, स्वच्छता और हरित विकास के संदेश को जन-जन तक पहुंचाने के लिए व्यापक गतिविधियां संचालित की जाएंगी।

यूथ हॉस्टल ने किया वृक्षारोपण

(छायाचित्र क्रं.ए-०७ नाम से संलग्न है। फोटो विकास गुप्ता)

वृक्ष आज की जरूरत है पर सबसे ज्यादा जरूरी वृक्ष बचाना है। हमे ये प्रयाश हमेशा करना चाहिए। यह उदगार यूथ हॉस्टल अध्यक्ष पंचम जैन ने व्यक्त किए। चेयरमैन गोपाल शर्मा ने बताया कि इकाई के लगाए अधिकांश वृक्ष आज भी जीवित है। हमारे प्रयास वर्ष भर चलते है। इकाई पूर्व अध्यक्ष डॉ हेमलता गर्ग एवं उपाध्यक्ष अमित सिंघई ने इकाई के कार्यों को और विस्तार देने की आवश्यकता पर बल दिया। आपने आम जन मानस से वृक्ष लगाने और उसके संवर्धन की अपील की। अभियान प्रभारी शैलेन्द्र जैन एवं नवीन मित्तल ने बताया कि इकाई द्वारा प्रतिवर्ष पर्यावरण दिवस पर वृक्षारोपण किया जाता है हमारी कोशिश रहती है कि हम वृक्ष लगाए भी और उसे सुरक्षित रखे। इसी लिए वृक्ष वहां लगाए जाते है जहां उसके बचने की संभावना हो। इस अवसर पर अनिल नेमा, नरेंद्र चौरसिया द्वारा रेन वाटर हार्वेस्टिंग के विषय में जानकारी दी। वरिष्ठ सदस्य प्रकाश जायसवाल, प्रकाश बिलैया, संदीप कनकने, मीना शर्मा, रुक्मणी शर्मा, खुशबू शर्मा द्वारा भी वृक्ष लगाकर इकाई के आव्हान को सहयोग दिया। इस अवसर पर उपस्थित सदस्यों द्वारा पारिवारिक मिलन कार्यक्रम, हेरिटेज वॉक बिलहरी एवं वसुधा ट्रैकिंग शीघ्र करवाने पर जोर दिया। इकाई सदस्यों द्वारा बताया केलवारा जैन समाज मंदिर में स्थापित मेडिकल बैंक के लिये ऑक्सीजन कंसंट्रेटर शीघ्र दिया जाएगा। इकाई सचिव वीरेंद्र सिंह ने उपस्थित सदस्यों को इस अवसर पर सहयोग के लिए धन्यवाद दिया।

स्वदेशी जागरण मंच द्वारा श्रमदान एवं पर्यावरण जागरूकता कार्यक्रम

विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर स्वदेशी जागरण मंच द्वारा जागृति पार्क, कटनी में स्वच्छता, श्रमदान एवं पर्यावरण जनजागरण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का उद्देश्य पर्यावरण संरक्षण के प्रति जन-जागरूकता बढ़ाना तथा स्वच्छ एवं हरित वातावरण के निर्माण हेतु समाज की सहभागिता सुनिश्चित करना था। कार्यक्रम का संचालन एवं संयोजन डॉ. उमा निगम के नेतृत्व में संपन्न हुआ, जो जागृति समिति की अध्यक्ष, पर्यावरण विकास संधारण समिति की उपसचिव एवं स्वदेशी जागरण मंच की जिला पर्यावरण प्रमुख हैं। उन्होंने पर्यावरण संरक्षण को वर्तमान समय की सबसे बड़ी आवश्यकता बताते हुए जल संरक्षण, वृक्षारोपण एवं स्वच्छता को जनआंदोलन बनाने का आह्वान किया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में तपस्या परिहार, आयुक्त, नगर पालिक निगम कटनी उपस्थित रहीं। उन्होंने अपने उद्बोधन में कहा कि पर्यावरण संरक्षण केवल प्रशासन का नहीं, बल्कि समाज के प्रत्येक नागरिक का दायित्व है। उन्होंने स्वच्छता, जल संरक्षण एवं वृक्षारोपण को जनभागीदारी से जोड़ने पर बल दिया तथा सभी नागरिकों से पर्यावरण संरक्षण हेतु सक्रिय योगदान देने का आह्वान किया। विशिष्ट अतिथि के रूप में शासकीय कन्या महाविद्यालय की प्राचार्य डॉ. चित्रा प्रभात एवं स्वदेशी जागरण मंच की प्रांतीय महिला प्रमुख वंदना गिलानी उपस्थित रहीं। डॉ. चित्रा प्रभात ने अपने उद्बोधन में कहा कि पर्यावरण के प्रति संवेदनशीलता का संस्कार शिक्षा और परिवार दोनों से विकसित होता है। उन्होंने युवाओं एवं विद्यार्थियों से प्रकृति संरक्षण को अपने दैनिक जीवन का हिस्सा बनाने का आह्वान किया तथा कहा कि प्रत्येक व्यक्ति यदि एक पौधे के संरक्षण का संकल्प ले, तो पर्यावरण संरक्षण का अभियान और अधिक प्रभावी बन सकता है। वंदना गिलानी ने कहा कि परिवार में पर्यावरण के प्रति जागरूकता विकसित करने में मातृशक्ति की महत्वपूर्ण भूमिका है। स्वदेशी एवं प्रकृति-अनुकूल जीवनशैली अपनाकर पर्यावरण संरक्षण में सार्थक योगदान दिया जा सकता है। कार्यक्रम में सहसंयोजक रमेश गुप्ता, जिला सह महिला आयाम नीति वर्मा, सह संघर्ष वाहिनी अलका अग्रवाल एवं जिला प्रशिक्षक अंकित शुक्ला की गरिमामयी उपस्थिति रही। साथ ही पर्यावरण विकास संधारण समिति के सदस्य अनिल नेमा, सुजीत, निरंजन पंजवानी सहित अन्य सदस्यगण उपस्थित रहे। इस अवसर पर स्काउट एवं गाइड प्रभारी ललित अपने स्काउट विद्यार्थियों के साथ उपस्थित रहे तथा श्रमदान एवं स्वच्छता अभियान में सक्रिय सहभागिता निभाई। कार्यक्रम में डॉ. विकास गुप्ता, डॉ. वंदना गुप्ता, विभिन्न फार्मा कंपनियों के सदस्यगण, सामाजिक कार्यकर्ता एवं नगर के गणमान्य नागरिक भी उपस्थित रहे।

प्रशासन बना बिछड़े मासूम का सहारा

रेलवे स्टेशन पर अकेला मिला मासूम, प्रशासन की संवेदनशील पहल से लौटी परिवार की खुशियां

कटनी (स्वतंत्रमत)

कभी-कभी एक छोटी सी चूक किसी बच्चे को अपनों से मीलों दूर कर देती है। लेकिन जब संवेदनशील प्रशासन, समर्पित अधिकारी और मानवीय प्रयास एक साथ खड़े हो जाएं, तो बिछड़े रिश्तों को फिर से मिलाया जा सकता है। ऐसी ही एक भावुक और प्रेरणादायक कहानी है नेपाल निवासी बालक आरव (परिवर्तित नाम) की, जो अपने परिवार से बिछड़ गया था, लेकिन कलेक्टर आशीष तिवारी द्वारा विगत कई दिनों से किये जा रहे प्रयास फलीभूत हुए और विदेश मंत्रालय भारत सरकार की मदद से आरव को नेपाल दूतावास को सौंप दिया गया। जहां से आरव का अपने माता-पिता से सुखद मिलन हुआ। अकेला आरव अपने परिजनों के साथ रेल यात्रा कर रहा था। सफर के दौरान परिस्थितियां ऐसी बनीं कि वह अपने परिवार से बिछड़ गया। मासूम बालक खुद को एक अनजान जगह पर अकेला पाकर घबरा गया। कटनी रेलवे स्टेशन पर जब आरपीएफ की नजर उस पर पड़ी, तो उसे तत्काल संरक्षण में लिया गया। सूचना मिलते ही जिला बाल संरक्षण इकाई कटनी सक्रिय हुई। बालक की सुरक्षा और देखरेख सुनिश्चित करते हुए उसे मिशन वात्सल्य के अंतर्गत संचालित आशा किरण बाल देखरेख संस्था में आश्रय दिया गया। साथ ही नियमानुसार उसका प्रकरण बाल कल्याण समिति के समक्ष प्रस्तुत किया गया। बालक की भाषा, व्यवहार और उपलब्ध सूचनाओं के आधार पर उसके परिवार की तलाश शुरू हुई। यह काम आसान नहीं था। एक ओर मासूम की चिंता थी, दूसरी ओर अंतरराष्ट्रीय स्तर पर आवश्यक कानूनी प्रक्रियाओं का पालन भी करना था। ऐसे में कलेक्टर द्वारा किए गए विशेष प्रयास खासतौर पर विदेश मंत्रालय के अफसरों से संपर्क और संवाद कर किया गया मानवीय और संवेदनशील प्रयास सराहनीय रहा।। खोजबीन के बाद बालक के परिजनों का पता लगाया गया और यह स्पष्ट हुआ कि उसका परिवार नेपाल में निवास करता है। इसके बाद शुरू हुआ वह प्रशासनिक अभियान, जिसमें संवेदनशीलता और कानून दोनों का संतुलन आवश्यक था। किशोर न्याय अधिनियम 2015 के प्रावधानों के अनुरूप विस्तृत प्रतिवेदन तैयार कर महिला एवं बाल विकास विभाग के संचालनालय को भेजा गया। विदेश मंत्रालय, भारत सरकार तथा नेपाली दूतावास से समन्वय स्थापित किया गया। कई स्तरों की औपचारिकताओं और सत्यापन प्रक्रियाओं के बाद बालक की सुरक्षित वापसी का मार्ग प्रशस्त हुआ। कटनी से नई दिल्ली तक की यात्रा और उसके बाद नेपाली दूतावास में परिजनों से मिलन की व्यवस्था की गई।

सड़क दुर्घटना पीड़ितों को त्वरित कैशलेस उपचार दिलाने हेतु प्रक्रिया लागू

कटनी (स्वतंत्रमत)

पुलिस अधीक्षक अभिनय विश्वकर्मा के निर्देशन एवं अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक डॉक्ट संतोष डेहरिया के मार्गदर्शन में सड़क दुर्घटना में घायल व्यक्तियों को समय पर उपचार उपलब्ध कराने तथा प्रधानमंत्री सड़क दुर्घटना राहत योजना के प्रभावी क्रियान्वयन हेतु जिला स्तर पर द्व्न्ष्ठ / द्दष्ठक्र क्त्नद्ध-श्चश्चद्धश्1द्द प्रक्रिया को और अधिक सुदृढ़ बनाया गया है। इस व्यवस्था का मुख्य उद्देश्य सड़क दुर्घटना में घायल व्यक्तियों को बिना किसी विलंब के त्वरित एवं कैशलेस उपचार का लाभ उपलब्ध कराना है, ताकि दुर्घटना के बाद के (गोल्डन आवर) में पीड़ित को शीघ्र चिकित्सा सहायता मिल सके और उसके जीवन की रक्षा की जा सके। निर्धारित प्रक्रिया के अनुसार जब भी किसी सड़क दुर्घटना में घायल व्यक्ति को 112, 1033, 108 अथवा अन्य माध्यमों से जिला अस्पताल या किसी निजी अस्पताल में उपचार हेतु भर्ती कराया जाता है, तब संबंधित अस्पताल, डायल सेवा अथवा पुलिस कर्मचारी द्वारा तत्काल पुलिस कंट्रोल रूम कटनी को सूचना प्रदान की जाएगी। सूचना प्राप्त होने हेतु पुलिस कंट्रोल रूम कटनी का मोबाइल नम्बर 7587600044 निर्धारित किया गया है। सूचना प्राप्त होते ही पुलिस कंट्रोल रूम द्वारा संबंधित थाना अथवा चौकी क्षेत्र को तत्काल अवगत कराया जाएगा। इसके पश्चात संबंधित थाना/चौकी द्वारा दुर्घटना की जानकारी द्व्न्ष्ठ / द्दष्ठक्र पोर्टल पर दर्ज कर आवश्यक आईडी जनरेट की जाएगी तथा प्रधानमंत्री सड़क दुर्घटना राहत योजना अंतर्गत घायल के उपचार हेतु क्त्नद्ध-श्चश्चद्धश्1द्द प्रक्रिया पूर्ण की जाएगी। इस व्यवस्था के माध्यम से पात्र दुर्घटना पीड़ितों को शीघ्र कैशलेस उपचार की सुविधा उपलब्ध होगी तथा अस्पतालों को भी आवश्यक प्रक्रिया समय पर पूर्ण करने में सहायता मिलेगी। साथ ही संबंधित थाना एवं चौकी द्वारा अस्पताल से सतत समन्वय स्थापित कर घायल के उपचार की निगरानी भी सुनिश्चित की जाएगी। यातायात पुलिस द्वारा जिले के समस्त पुलिस अधिकारियों, कर्मचारियों, अस्पताल प्रबंधन, डायल सेवाओं एवं संबंधित विभागों से अपील की गई है कि सड़क दुर्घटना के प्रत्येक पात्र प्रकरण में द्व्न्ष्ठ / द्दष्ठक्र आईडी समय पर जनरेट कर क्त्नद्ध-श्चश्चद्धश्1द्द प्रक्रिया तत्काल पूर्ण करें, जिससे शासन की जनहितकारी योजना का लाभ प्रत्येक जरूरतमंद व्यक्ति तक समय पर पहुंच सके। कटनी पुलिस सड़क सुरक्षा, दुर्घटना पीड़ितों की सहायता एवं जनकल्याणकारी योजनाओं के प्रभावी क्रियान्वयन हेतु निरंतर प्रतिबद्ध है।

महाविद्यालय की छात्रा नम्रता चतुर्वेदी की उल्लेखनीय उपलब्धि

कटनी (स्वतंत्रमत)

शासकीय कन्या महाविद्यालय की पूर्व छात्रा नम्रता चतुर्वेदी ने मध्यप्रदेश लोक सेवा आयोग (एमपीपीएससी) द्वारा आयोजित राज्य स्तरीय पात्रता परीक्षा (सेट) में लाइफ साइंस विषय में सफलता प्राप्त कर महाविद्यालय का गौरव बढ़ाया है। नम्रता चतुर्वेदी, राजेश चतुर्वेदी एवं रेखा चतुर्वेदी की सुपुत्री हैं। इस परीक्षा में सफलता प्राप्त करने के उपरांत उन्हें उच्च शिक्षा विभाग में सहायक प्राध्यापक पद हेतु पात्रता प्राप्त हो गई है, जो कि शैक्षणिक क्षेत्र में महत्वपूर्ण उपलब्धि है। विदित हो कि नम्रता चतुर्वेदी शासकीय कन्या महाविद्यालय में एम.एससी. प्राणीशास्त्र की छात्रा रही हैं। अध्ययन काल के दौरान उन्होंने अपनी लगन, परिश्रम एवं समर्पण के बल पर निरंतर उत्कृष्ट प्रदर्शन किया। महाविद्यालय की प्राचार्य डॉ. चित्रा प्रभात एवं प्राध्यापकों के कुशल मार्गदर्शन तथा प्रेरणा से उन्होंने यह सफलता अर्जित की है। इस उपलब्धि पर महाविद्यालय परिवार ने हर्ष व्यक्त करते हुए उन्हें हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएँ प्रेषित की हैं।

हरिद्वार में अखिल भारतीय काव्य महोत्सव संपन्न

कटनी (स्वतंत्रमत)। नर्मदा आव्हान सेवा समिति नर्मदापुरम के तत्वावधान में प्रेस क्लब हरिद्वार में अखिल भारतीय काव्य महोत्सव एवं सम्मान समारोह संस्था के संस्थापक कैप्टेन करैया की उपस्थिति में संपन्न हुआ। इस गरिमामय आयोजन में नगर के साहित्यकारों अनिल मिश्र एवं विजय बागरी का सम्मान पुष्प हार से किया गया। विशिष्ट आतिथ्य अनिल मिश्र का रहा। विभिन्न प्रांतों से पधारे साहित्यकारों ने अपनी रचनाओं के माध्यम से अपनी उपस्थिति दर्ज की। वातायन उमरिया के साहित्यकारों रामलखन सिंह चौहान, शिवानंद पटेल के साथ नगर नवगीतकार सुभाष सिंह ठाकुर तथा हास्य व्यंग्य के कवि डॉ प्रद्युम्न मिश्र की विशेष उपस्थिति रही।

अमृत योजना के कार्यों का निगमायुक्त ने किया निरीक्षण

कटनी (स्वतंत्रमत)

तीन दिन में सड़क बहाली के दिए निर्देश

नगर निगम आयुक्त तपस्या परिहार ने गुरुवार को अमृत योजना एवं अमृत 2.0 के अंतर्गत शहर में चल रहे सीवर लाइन, पेयजल पाइपलाइन विस्तार और निर्माणाधीन जल संरचनाओं के कार्यों का स्थल निरीक्षण किया। उन्होंने कार्यों की प्रगति, गुणवत्ता और समय-सीमा की समीक्षा करते हुए संबंधित अधिकारियों एवं निर्माण एजेंसियों को आवश्यक निर्देश दिए। निरीक्षण के दौरान उपयंत्री मृदुल श्रीवास्तव, पीडीएमसी के एआरसी सौरभ नौगजा, निर्माण एजेंसी के प्रतिनिधि नेवित पटेल, हार्दिक पटेल सहित अन्य अधिकारी मौजूद रहे। वर्षा ऋतु को देखते हुए निगमायुक्त ने साउथ स्टेशन रोड स्थित लक्ष्मी पान भंडार से रंगनाथ मंदिर मार्ग तथा सागर पुलिया कब्रिस्तान मोड़ के समीप चल रहे सीवरेज कार्यों का पैदल निरीक्षण किया। उन्होंने निर्धारित समय-सीमा में कार्य पूर्ण करने के निर्देश दिए। सागर पुलिया के पास साइट रेस्टोरेशन कार्य की धीमी प्रगति पर नाराजगी जताते हुए निगमायुक्त ने निर्माण एजेंसी को अतिरिक्त श्रमिक और संसाधन लगाने के निर्देश दिए। उन्होंने कार्य अवधि बढ़ाकर सुबह से कार्य शुरू करने तथा सुरक्षा मानकों का पालन करते हुए रविवार तक शेष सड़क बहाली कार्य पूरा करने को कहा। उन्होंने स्पष्ट किया कि बारिश शुरू होने से पहले सभी कार्य पूरे किए जाएं, ताकि नागरिकों को आवागमन में परेशानी न हो। निगमायुक्त ने अधिकारियों को सीवरेज कार्यों की नियमित मॉनिटरिंग करने और दैनिक प्रगति रिपोर्ट प्रस्तुत करने के निर्देश भी दिए। लापरवाही पाए जाने पर संबंधितों के खिलाफ कार्रवाई की चेतावनी दी गई।

पाइपलाइन विस्तार कार्य का भी किया निरीक्षण

निरीक्षण के अगले चरण में गायत्री नगर में अमृत 2.0 योजना के तहत चल रहे पेयजल पाइपलाइन विस्तार कार्य का जायजा लिया गया। निगमायुक्त ने एजेंसी को शेष कार्य शीघ्र और गुणवत्तापूर्ण ढंग से पूरा कर स्थल का समुचित रेस्टोरेशन सुनिश्चित करने के निर्देश दिए।

775 किलोलीटर क्षमता की पानी की टंकी सितंबर तक होगी तैयार

शिवाजी वार्ड स्थित मुक्तिधाम परिसर में निर्माणाधीन 775 किलोलीटर क्षमता की पानी की टंकी का भी निरीक्षण किया गया। निगमायुक्त ने निर्माण कार्य की गुणवत्ता की समीक्षा करते हुए एजेंसी को सितंबर माह तक कार्य पूर्ण करने के निर्देश दिए।

एसटीपी निर्माण की तैयारी तेज करने के निर्देश

प्रेमनगर मल्टी के समीप अमृत 2.0 योजना के तहत प्रस्तावित सीवेज ट्रीटमेंट प्लांट (एसटीपी) की लोकेशन का निरीक्षण करते हुए निगमायुक्त ने अधिकारियों को ड्राइंग और डिजाइन की प्रक्रिया शीघ्र पूरी कर निर्माण कार्य प्रारंभ कराने के निर्देश दिए। निगमायुक्त तपस्या परिहार ने कहा कि अमृत योजना के अंतर्गत संचालित सभी अधोसंरचना परियोजनाओं को गुणवत्ता और समयबद्धता के साथ पूरा करना प्राथमिकता है, जिससे शहरवासियों को बेहतर पेयजल और सीवरेज सुविधाएं उपलब्ध हो सकें।

भारत ने पाकिस्तान को अंडर 18 हॉकी एशिया कप में हराया

आखिरी 15 मिनट में 3 गोल कर सेमीफाइनल जीता, फाइनल में जापान से मुकाबला

नई दिल्ली।

भारतीय अंडर-18 मेंस हॉकी टीम ने शुक्रवार को सेमीफाइनल में पाकिस्तान को 5-3 से हरा दिया। इस जीत के साथ ही भारत ने एशिया कप के फाइनल में जगह बना ली है। फाइनल में भारत का सामना शनिवार को जापान से होगा।

जापान के काकामिगाहारा में हुए मैच के तीसरे क्वार्टर के बाद भारतीय टीम 2-3 से पीछे चल रही थी। इसके बाद आखिरी 15 मिनट में भारत ने अटैकिंग गेम खेला और पाकिस्तान पर लगातार 3 गोल दागकर मैच का रुख बदल दिया।भारत की इस जीत के स्टार खिलाड़ी आशीष तानी पुर्ति रहे। उन्होंने मैच में 4 गोल किए। इसमें से 3 गोल उन्होंने मैच के आखिरी क्वार्टर में दागे। आशीष ने अपनी हैट्रिक भी पूरी की।

तीसरे क्वार्टर में पाकिस्तान था आगे

पहले क्वार्टर में के 12वें मिनट में भारतीय टीम को पेनल्टी स्ट्रोक मिला। आशीष ने इसे गोल में बदलकर भारत को 1-0 की ब?त दिलाई। पाकिस्तान ने दूसरे क्वार्टर में वापसी की और 16वें मिनट में अपना पहला पेनल्टी कॉर्नर हासिल किया। हालांकि, भारतीय गोलकीपर आयुष रजक ने इसे रोक दिया।

पाकिस्तान ने दूसरे क्वार्टर में 27वें मिनट में गोल दाग दिया। अदील ने हाफ-टाइम तक स्कोर 1-1 से बराबर कर दिया। मैच के 35वें मिनट में शाहरुख अली ने गोल कर भारत को फिर से 2-1 से आगे कर दिया। ठीक दो मिनट बाद पाकिस्तान के मुहम्मद फरहान असलम ने गोल कर स्कोर 2-2 कर दिया। तीसरे क्वार्टर के 42वें मिनट में उजैर अहमद कुरैशी ने पेनल्टी कॉर्नर को गोल में बदलकर पाकिस्तान को मैच में पहली बार 3-2 से आगे कर दिया।

पेनल्टी कॉर्नर ने बदला मैच का रुख

चौथे क्वार्टर में भारत ने बराबरी के लिए अटैकिंग गेम खेला। 46वें मिनट में पाकिस्तान के मुजम्मिल सईद को ग्रीन कार्ड मिला। भारत ने तुरंत इसका फायदा उठाया और लगातार पेनल्टी कॉर्नर्स हासिल किए। 49वें मिनट में मिले दूसरे पेनल्टी कॉर्नर पर आशीष ने गोल कर स्कोर 3-3 से बराबर कर दिया। 53वें मिनट में आशीष ने एक और गोल दागकर अपनी हैट्रिक पूरी की और भारत को 4-3 की बढ़त दिला दी। मैच खत्म होने से 4 मिनट पहले भारत को एक और पेनल्टी कॉर्नर मिला, जिस पर आशीष ने मैच का अपना चौथा गोल करते हुए लीड को 5-3 कर दिया। भारत ने -18 हॉकी एशिया कप की शुरुआत कजाकिस्तान पर 13-0 की बड़ी जीत के साथ की थी। इसके बाद जापान के खिलाफ 4-2 से हार मिली, लेकिन भारतीय टीम ने साउथ कोरिया को 4-1 और चीनी ताइपे को 13-1 से हराया।

श्रीलंका के रुमेश ने नीरज चोपड़ा का रिकॉर्ड तोड़ा

92.67 मीटर दूर भाला फेंका; एशिया में दूसरे नंबर पर, पाकिस्तान के अरशद टॉप पर

इटली। श्रीलंका के जैवलिन थ्रोअर रुमेश पाथिरागे ने नीरज चोपड़ा का रिकॉर्ड तोड़ दिया। वे एशिया में सबसे दूर जैवलिन फेंकने वाले दूसरे प्लेयर भी बन गए। 23 साल के रुमेश ने रोम डायमंड लीग में 92.67 मीटर का थ्रो किया। यह 2026 में किसी भी प्लेयर का पहला 90+ थ्रो था। नीरज ने दोहा डायमंड लीग में पिछले साल 90.23 का थ्रो किया था। पहले नंबर पर पाकिस्तान के अरशद नदीम है। उन्होंने पेरिस ओलिंपिक 2024 में 92.67 मीटर का थ्रो किया था। रुमेश का थ्रो ऑल टाइम सबसे लंबे थ्रो की सूची में आठवें स्थान पर पहुंच गया। एशिया में अब उनसे आगे केवल पाकिस्तान के अरशद नदीम हैं। ताइवान के चाओ-त्सुन चेंग 91.36 मीटर के साथ तीसरे और भारत के नीरज चोपड़ा चौथे स्थान पर हैं।

पहला थ्रो 84.49 मीटर का किया

रोम डायमंड लीग में रुमेश ने मौजूदा वर्ल्ड चैंपियन केशोर्न वॉलकॉट, पूर्व वर्ल्ड चैंपियन एंडरसन पीटर्स, पूर्व ओलंपिक चैंपियन थॉमस रोहलर और पूर्व ओलंपिक सिल्वर मेडलिस्ट याकुब वाडलेज्च जैसे खिलाड़ियों के बीच मुकाबला किया। 84.49 मीटर का थ्रो किया और दूसरे प्रयास में 92.67 मीटर तक भाला फेंक दिया। इसके बाद उनके बाकी सभी थ्रो फाउल रहे। रुमेश लगातार शानदार प्रदर्शन कर रहे हैं।

तेज गेंदबाज से बने जैवलिन थ्रोअर

रुमेश का खेल सफर क्रिकेट से शुरू हुआ था। टीनएज में वे 130 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से गेंदबाजी करते थे और 2019 की राष्ट्रीय टैलेंट हंट में अंडर-18 वर्ग में 134 किलोमीटर प्रति घंटे की गति दर्ज की थी। उस टूर्नामेंट में वह श्रीलंका और आईपीएल टीम सनराइजर्स हैदराबाद के खिलाड़ी ईशान मलिंगा से पीछे दूसरे स्थान पर रहे थे। रुमेश की तुलना अब अरशद और नीरज से की जा रही है।

मेज़बान भारत ने पांच गोल्ड मेडल जीतकर की शानदार शुरुआत

अहमदाबाद। मेज़बान भारत ने पहली वर्ल्ड योगासन चैंपियनशिप 2026 में ज़बरदस्त प्रदर्शन किया।टीम ने यहां एका एरिना में आयोजित इस खेल के सबसे बड़े ग्लोबल इवेंट में पहले छह में से पांच गोल्ड मेडल जीतकर अपना दबदबा साबित किया।पश्चिम बंगाल के अभय बर्मन (सीनियर पुरुष) और रितु मंडल (सीनियर महिला) ने पारंपरिक योगासन कैटेगरी में गोल्ड मेडल जीतकर मेज़बान टीम के लिए माहौल बनाया और घरेलू दर्शकों के सामने भारतीय टीम के शानदार प्रदर्शन की शुरुआत की।बर्मन ने 63.42 पॉइंट्स के स्कोर के साथ वर्ल्ड योगासन चैंपियनशिप में भारत का पहला गोल्ड मेडल जीता।वह इंडोनेशिया के अरकान रियांतो (57.23) से काफी आगे थे, जिन्होंने सिल्वर मेडल जीता, जबकि उज़्बेकिस्तान के एलन ने 53.21 पॉइंट्स के साथ ब्रॉन्ज़ मेडल हासिल किया।इसके बाद रितु मंडल ने सीनियर महिला कैटेगरी में 64.33 पॉइंट्स स्कोर करके भारत के लिए एक और गोल्ड मेडल जीता।कज़ाकिस्तान की ऐज़हान कुआनीशबायेवा (58.97) ने सिल्वर मेडल जीता, जबकि हांगकांग की लैम न्गा मैन (56.98) ने ब्रॉन्ज़ मेडल हासिल किया।भारत केवल च्सीनियर ए पुरुषज् कैटेगरी में जीत नहीं सका, जहाँ सिंगापुर के नथानिएल टैन लियोन्ग एन ने 55.37 पॉइंट्स के साथ पहला स्थान हासिल किया और भारत को सभी इवेंट्स में जीत हासिल करने से रोक दिया।

तंजानिया के करीमु स्वाफी ने 54.99 पॉइंट्स के साथ सिल्वर मेडल जीता, जबकि भारत के सुमीर ग्नावाली ने 54.00 पॉइंट्स के साथ ब्रॉन्ज़ मेडल हासिल किया।भारत ने जल्द ही वापसी की और रितु ठाकुर ने च्सीनियर ए महिलाज् कैटेगरी में 63.50 पॉइंट्स के साथ गोल्ड मेडल जीता।उन्होंने अर्जेंटीना की नबीला सोल बाराज़ा (62.04) को पीछे छोड़ा, जबकि केन्या की अवोर सॉलिन्हा ने ब्रॉन्ज़ मेडल जीता।रोशन थापा ने सीनियर बी पुरुष कैटेगरी में 65.67 पॉइंट्स के शानदार स्कोर के साथ भारत के लिए एक और गोल्ड मेडल जीता।बांग्लादेश के मो. मामून खान बाबू (58.57) और किर्गिस्तान के दानिल रायकोव (53.55) क्रमशः दूसरे और तीसरे स्थान पर रहे।मेज़बान देश के लिए ज्योति देउरकर ने चट्विस्टिंग बॉडी इंडिविजुअल सीनियर बी महिलाज् कैटेगरी में गोल्ड मेडल जीता।उन्होंने ओमान की ओलिमुथु नवमणि और जापान की साओरी क्यूई से आगे रहते हुए 46.14 पॉइंट्स हासिल किए। पहली वर्ल्ड योगासन चैंपियनशिप योगासन के विकास में एक ऐतिहासिक मील का पत्थर है।यह प्राचीन भारतीय अभ्यास को एक वैश्विक प्रतिस्पर्धी खेल के रूप में बदल रही है और साथ ही इसे ओलंपिक में मान्यता दिलाने की दिशा में मज़बूत कर रही है।

वैभव का आयरलैंड और इंग्लैंड के खिलाफ टी20 सीरीज के लिए चयन तय

अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट खेलने वाले सबसे कम उम्र के भारतीय बनेंगे

मुम्बई। 15 साल के भारते हुए बल्लेबाज वैभव सूर्यवंशी को आयरलैंड और इंग्लैंड दौरे के लिए भारतीय टी20 टीम में चुना जाना तय नजर आ रहा है। वैभव ने पिछले कुछ समय में जैसी बल्लेबाजी की है। उससे उनको टीम से बाहर रखना संभव नजर नहीं आता। इंडियन प्रीमियर लीग वैभव ने सबसे ज्यादा रन बनाकर ऑरेंज कैप जीतकर अपने को साबित कर दिया है। भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) चयनकर्ता शनिवार शनिवार को मुंबई में होने वाली बैठक में टीम चयन के दौरान ही उनके नाम पर भी मोहर लगा सकते हैं। माना जा रहा है कि उन्हें इन दोनों टीमों के लिए शामिल किया जाएगा। वहीं एक रिपोर्ट के अनुसार, वैभव को पहली बार टीम इंडिया में मौका मिलने जा रहा है। चयनकर्ता 2028 के लॉस एंजिल्स ओलंपिक और उसी साल ऑस्ट्रेलिया और न्यूजीलैंड में होने वाले टी20 विश्वकप को देखते हुए टीम तैयार कर रहे हैं। वैभव ने आईपीएल से पहले अंडर 19 विश्वकप में प्लेयर ऑफ द टूर्नामेंट का पुरस्कार जीता था। इसके अलावा घरेलू क्रिकेट में भी अच्छा प्रदर्शन किया था। आईपीएल में उन्होंने 237.30 के स्ट्राइक रेट से बल्लेबाजी की और 16 मैचों में कुल 776 रन बनाकर टूर्नामेंट में सबसे कम उम्र में ऑरेंज कैप जीत का रिकॉर्ड बनाया। उन्होंने 16 मैचों में 72 छक्के लगाए। यह किसी भी खिलाड़ी द्वारा टी20 सीरीज या टूर्नामेंट में सबसे ज्यादा हैं।वैभव की आक्रामक बल्लेबाजी को सचिन तेंदुलकर, पैट कमिंस सहित कई अन्य दिग्गज खिलाड़ियों ने भी प्रशंसा की है। वहीं अब वह टी20 में उतरते ही अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में भारतीय पुरुष क्रिकेट टीम का प्रतिनिधित्व करने वाले सबसे युवा खिलाड़ी बनने जा रहे हैं।

अमसाकरुणन और एमआर अर्जुन की जोड़ी हारी

जकार्ता। भारत के हरिहरन अमसाकरुणन और एमआर अर्जुन की जोड़ी पुरुषों के युगल क्वार्टरफाइनल मुकाबले में मलेशिया के गोह जे फी और नूर इज़ुद्दीन की जोड़ी से हार गई।इसी के साथ भारत का इंडोनेशिया ओपन बैडमिंटन टूर्नामेंट में अभियान समाप्त हो गया।आज यहां खेले गये मुकाबले में युगल रैंकिंग में 30वें स्थान पर मौजूद भारतीय बैडमिंटन खिलाड़ियों को मलेशियाई जोड़ी गोह जे फी और नूर इज़ुद्दीन ने 32 मिनट में 21-12, 21-10 से हराया।पहले गेम में, सातवीं वरीयता प्राप्त मलेशियाई जोड़ी ने ब्रेक तक चार अंकों की बढ़त बना ली थी, लेकिन खेल दोबारा शुरू होने पर हरिहरन अमसाकरुणन और एमआर अर्जुन ने अंतर को कम करके 11-10 कर दिया।हालांकि गोह जे फी और नूर इज़ुद्दीन ने अपनी लय बढ़ाई और आसानी से पहला गेम जीत लिया।दूसरा गेम शुरू से आखिर तक एकतरफा रहा ।

पोलैंड की माजा च्वालिंस्का फ्रेंच ओपन टेनिस के फाइनल में पहुंची

खिताबी मुकाबले में एंड्रीवा का सामना करेंगी

पेरिस। पोलैंड की माजा च्वालिंस्का ने फ्रेंच ओपन टेनिस 2026 के फाइनल में पहुंच गयी हैं। च्वालिंस्का ने इसी के साथ ही एक बड़ी उपलब्धि अपने नाम कर ली है। इसी के साथ ही वह किसी ग्रैंड स्लैम के खिताब मुकाबले में पहुंचने वाली पहली क्वालिफायर खिलाड़ी बन गयी हैं। च्वालिंस्का ने महिला एकल सेमीफाइनल में रूस की डायना श्नाइडर को दो घंटे से अधिक समय तक चले संघर्षपूर्ण मुकाबले में सीधे सेटों में 7-6(4), 6-4 से हराकर खिताबी मुकाबले में जगह बनायी। च्वालिंस्का ने इस टूर्नामेंट में शानदार प्रदर्शन करते हुए कुल नौ मैच जीते हैं। इनमें तीन मैच क्वालिफाइंग और छह मैच मुख्य ड्रॉ के हैं। इस प्रकार वह ओपन युग में किसी ग्रैंड स्लैम फाइनल तक पहुंचने वाली केवल दूसरी क्वालिफायर बनी हैं। इससे पहले, यह रिकार्ड ब्रिटेन की महिला टेनिस स्टार एम्मा राडुकानू ने साल 2021 अमेरिकी ओपन में किया था। सेमीफाइनल मुकाबले में च्वालिंस्का ने अपने अच्छे प्रदर्शन से सभी को प्रभावित किया।

सोने और चांदी की चमक घटी

सोने के भाव में 949 रुपए, चांदी में 4,772 की गिरावट

नई दिल्ली। सोने-चांदी के भाव में शुक्रवार को सुस्ती देखने को मिल रही है। दोनों के भाव शुक्रवार को गिरावट के साथ खुले। खबर लिखे जाने के समय घरेलू बाजार में सोने के वायदा भाव 1,58,450 रुपये, जबकि चांदी के भाव 2,61,100 रुपये के करीब कारोबार कर रहे हैं। अंतरराष्ट्रीय बाजार में सोने-चांदी के भाव नरमी के साथ कारोबार कर रहे हैं। सोने के वायदा भाव की शुरुआत गिरावट के साथ हुई। मल्टी कमोडिटी एक्सचेंज (एमसीएक्स) पर सोने का बेंचमार्क अगस्त कॉन्ट्रैक्ट 949 रुपये की गिरावट के साथ 1,58,598 रुपये के भाव पर खुला। पिछला बंद भाव 1,59,547 रुपये था। खबर लिखे जाने के समय यह कॉन्ट्रैक्ट 1,106 रुपये की गिरावट के साथ 1,58,441 रुपये के भाव पर कारोबार कर रहा था। इस समय इसने 1,58,598 रुपये के भाव पर दिन का उच्च और 1,58,213 रुपये के भाव पर दिन का निचला स्तर छू लिया। चांदी के वायदा भाव की शुरुआत सुस्त रही। एमसीएक्स पर चांदी का बेंचमार्क जुलाई कॉन्ट्रैक्ट 4,772 रुपये की गिरावट के साथ 2,60,024 रुपये पर खुला। पिछला बंद भाव 2,64,796 रुपये था। खबर लिखे जाने के समय यह कॉन्ट्रैक्ट 3,697 रुपये की गिरावट के साथ 2,61,099 रुपये के भाव पर कारोबार कर रहा था। इस समय इसने 2,61,231 रुपये के भाव पर दिन का उच्च और 2,59,167 रुपये के भाव पर दिन का निचला स्तर छू लिया। अंतरराष्ट्रीय बाजार में सोने-चांदी के वायदा भाव में नरमी देखने को मिल रही है। कॉमेक्स पर सोना 4,503 डॉलर प्रति औंस के भाव पर खुला। पिछला बंद भाव 4,505 डॉलर प्रति औंस था। खबर लिखे जाने के समय यह 36.10 डॉलर की गिरावट के साथ 4,468.90 डॉलर प्रति औंस के भाव पर कारोबार कर रहा था। सोने के भाव ने इस साल 5,586.20 डॉलर के भाव पर सर्वोच्च स्तर छू लिया। कॉमेक्स ञ्पर चांदी के वायदा भाव 74.18 डॉलर के भाव पर खुले। पिछला बंद भाव 73.97 डॉलर था। खबर लिखे जाने के समय यह 1.40 डॉलर की गिरावट के साथ 72.57 डॉलर प्रति औंस के भाव पर कारोबार कर रहा था।

सेवा, विनिर्माण क्षेत्र के अच्छे प्रदर्शन से 2025-26 में 7.7 प्रतिशत रही जीडीपी वृद्धि दर

नयी दिल्ली। सेवा और विनिर्माण क्षेत्र के अच्छे प्रदर्शन के दम पर वित्त वर्ष 2025-26 में सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) की वृद्धि दर 7.7 प्रतिशत दर्ज की गयी जो 2022-23 आधार वर्ष पर शुरू नयी सीरीज में सबसे तेज है।वित्त वर्ष 2023-24 में जीडीपी वृद्धि दर 7.2 प्रतिशत और 2024-25 में (पहला संशोधित अनुमान) 7.1 प्रतिशत रही थी।केंद्रीय सांख्यिकी कार्यालय ने शुक्रवार को वित्त वर्ष 2025-26 और उसकी चौथी तिमाही के जीडीपी के प्राथमिक अनुमान जारी किये।अनुमान में बताया गया है कि गत 31 मार्च को समाप्त पिछले वित्त वर्ष में वास्तविक जीडीपी 323.12 लाख करोड़ रुपये पर पहुंच गया।यह एक साल पहले 299.89 लाख करोड़ रुपये था।

वर्तमान मूल्यों पर आधारित नॉमिनल जीडीपी या सांकेतिक जीडीपी 346.36 लाख करोड़ रुपये रहा, जो सालाना 8.9 प्रतिशत की वृद्धि दिखाता है।वित्त वर्ष 2025-26 की चौथी तिमाही में स्थिर मूल्य पर आधारित वास्तविक जीडीपी वृद्धि दर 7.8 प्रतिशत रही और यह 87.77 लाख करोड़ रुपये पर पहुंच गयी।तीसरी तिमाही में वृद्धि दर आठ प्रतिशत, दूसरी तिमाही में 8.3 प्रतिशत और पहली तिमाही में 6.8 प्रतिशत रही थी।चौथी तिमाही में नॉमिनल जीडीपी 9.1 प्रतिशत बढ़कर 94.65 लाख करोड़ रुपये पर पहुंच गयी।

प्राथमिक अनुमानों के अनुसार, वित्त वर्ष 2025-26 में सकल पूंजी निर्माण 9.9 प्रतिशत बढ़कर 110.64 लाख करोड़ रुपये पर पहुंच गया रहा।जीडीपी में इसका योगदान 31.9 प्रतिशत रहा।

दालों और खाद्य तेलों में ऊतार-चढ़ाव जारी

नयी दिल्ली। घरेलू थोक जिंस बाजारों में शुक्रवार को चावल का औसत भाव बढ़ गया।गेहूं में नरमी रही, जबकि चीनी की कीमत भी कमोबेश पिछले कारोबारी दिवस के स्तर पर ही टिकी रही।दालों और खाद्य तेलों में घट-बढ़ का रुख रहा।औसत दर्जे के चावल की औसत कीमत 10 रुपये बढ़कर 3,867 रुपये प्रति क्विंटल पर पहुंच गयी।गेहूं 20 रुपये सस्ता हुआ और 2,764 रुपये प्रति क्विंटल बोला गया।आटे की कीमत भी 11 रुपये घट गयी।दाल-दलहनों में मसूर दाल औसतन 17 रुपये प्रति क्विंटल महंगी हुई।तुअर दाल की कीमत 29 रुपये और उड़द दाल की 21 रुपये गिर गयी।चना दाल 19 रुपये और मूंग दाल दो रुपये प्रति क्विंटल टूट गयी।मलेशिया के बुरसा मलेशिया डेरिवेटिव एक्सचेंज में अगस्त का पाम ऑयल वायदा 47 रिंगिट गिरकर 4,554 रिंगिट प्रति टन बोला गया।

जुलाई का अमेरिकी सोया तेल वायदा भी 0.01 प्रतिशत की गिरावट में 76.28 सेंट प्रति पौंड के भाव बोला गया।स्थानीय बाजारों में पाम ऑयल औसतन 76 रुपये और सूरजमुखी तेल 35 रुपये प्रति क्विंटल महंगा हुआ।सोया तेल की कीमत 31 रुपये और मूंगफली तेल की 10 रुपये बढ़ गयी।

शेयर बाजार गिरावट पर बंद

सेंसेक्स 116, निफ्टी 49 अंक गिरा

मुम्बई। भारतीय शेयर बाजार शुक्रवार को गिरावट पर बंद हुआ। सप्ताह के अंतिम कारोबारी दिन बाजार में ये गिरावट दुनिया भर के बाजार से मिले कमजोर संकेंतों के साथ ही बिकवाली हावी रहने से आई है। इसकी कारण दिन भर कर के कारोबार के बाद 30शेयरों पर आधारित बीएसई सेंसेक्स 116.67 अंक नीचे आकर 74243.34 के स्तर पर बंद हुआ जबकि 50 शेयरों वाला एनएसई निफ्टी 49.85 अंकों की गिरावट के साथ ही 23366.7 के स्तर पर बंद हुआ। आज कारोबार के दौरान एक समय पर सेंसेक्स करीब 355 अंक उछलकर 74,717.57 के स्तर पर पहुंच गया था पर इसके बाद अचानक ही इसमें गिरावट आने लगी। आज के कारोबार के दौरान सेंसेक्स के जिन शेयरों में अच्छी खरीदारी रही। वे हैं अडानी पोर्ट, बजाज फाइनेंस, एक्सिस बैंक और एमएंडएम। वहीं दूसरी ओर टाटा स्टील, टीसीएस और एचसीएल टेक के शेयरों मे गिरावट रही जबकि निफ्टी के साथ ही मिड और स्मॉलकैप शेयरों में भी बिकवाली हावी रही। इस कारण निफ्टी मिडकैप 100 इंडेक्स 0.37 फीसदी नीचे आ गयाजबकि निफ्टी स्मॉलकैप 100 इंडेक्स 0.13 फीसदी गिरा। आज कारोबार के दौरान अधिकतर इंडेक्स लाभ के साथ बंद हुए। आज सबसे ज्यादा खरीदारी निफ्टी मीडिया में रही और यह करीब 3.50 फीसदी तक ऊपर आया। इसके अलावा निफ्टी ऑटो, एफएमसीजी, फार्मा, पीएसयू बैंक, निजी बैंक, रियल्टी, हेल्थकेयर और कंज्यूमर ड्यूरेबल्स इंडेक्स के शेयर भी लाभ के साथ बंद हुए। दूसरी ओर निफ्टी मेटल इंडेक्स करीब 1.50 फीसदी और निफ्टी आईटी करीब एक फीसदी गिरा। बाजार जानकारों के अनुसार ईरान और अमेरिका के बीच बातचीत को लेकर संशय के बची ही विदेशी निवेशकों के बाजार से दूरी बनाने के अलावा आरबीआई के आर्थिक विकास दर के कम होने और महंगाई बढ़ने की आशंका से भी बाजार गिरा है। वहीं इससे पहले आज सुबह बाजार तेजी के साथ खुला।

सुबह सेंसेक्स 197.90 अंक की बढ़त के साथ 74,557.91 के स्तर पर कारोबार कर रहा है। वहीं नेशनल स्टॉक एक्सचेंज का निफ्टी भी पीछे नहीं है और यह 51.41 अंक की तेजी के साथ 23,467.95 के महत्वपूर्ण स्तर पर कामकाज कर रहा था। । शुरुआती कारोबार में लार्ज-कैप शेयरों में तेजी से भी बाजार संभला। आईटी और इंफ्रास्ट्रक्चर सेक्टर के शेयरों में निवेशकों ने रुचि दिखायी।

प्रकृति मित्र बनकर धरती माता का आंगन हरा भरा रखने के लिए लगायें पेड़ : मुख्यमंत्री

किसान हित में वर्ष का अंत 31 मार्च के बजाय 31 मई तक

ताकि किसान न हो पायें लोन डिफॉल्टर

भोपाल (स्वतंत्र मत)

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि विश्व पर्यावरण दिवस हमें भविष्य के लिए सचेत हो जाने का संकेत देता है। यह दिवस याद दिलाता है कि हमें अपना और अपनी पीढियों के भविष्य को बचाये रखने के लिये पेड़ लगाने होंगे, पानी बचाना होगा, प्रदूषण कम करना होगा, तभी हमारी यह धरती बची रहेगी। उन्होंने कहा कि हमें प्रकृति का मित्र बनना होगा। हम यदि आज नहीं संभले तो जलवायु परिवर्तन से हमारे अस्तित्व पर संकट का खतरा मंडराने लगेगा। मुख्यमंत्री डॉ. यादव शुक्रवार को मध्यप्रदेश राज्य सहकारी बैंक मर्यादित (अपेक्स बैंक) परिसर में विश्व पर्यावरण दिवस पर आयोजित कार्यक्रम को संबोधित कर रहे थे। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने सभी से कहा कि अपनी धरती माता का आंगन स्वच्छ एवं हरा-भरा रखने के लिए हम सब कम से कम एक-एक पेड़ अवश्य लगायें। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने अपेक्स बैंक परिसर में एक पेड़ माँ के नाम अभियान अंतर्गत आम का पौधा भी रोपा। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने बिना सहकार, नहीं उद्धार का नारा उदघोष करते हुए कहा कि हम प्रदेश में सहकारिता से समृद्धि लाने के लिए प्रयासरत है। दूध का उत्पादन बढ़ाकर हम किसानों, पशुपालकों का जीवन सँवारेंगे और मध्यप्रदेश को देश की मिल्क कैपिटल बनायेंगे। अपेक्स बैंक द्वारा प्रदेशव्यापी हरित सहकार अभियान चलाया जा रहा है। इसमें एक पेड़ माँ के नाम के तहत अपेक्स बैंक मुख्यालय सहित प्रदेश के सभी जिला सहकारी बैंक एवं प्रत्येक प्राथमिक साख सहकारी समिति (पेक्स) में सघन पौधरोपण महाभियान चलाया जा रहा है। विश्व पर्यावरण दिवस के मौके पर शुक्रवार को अपेक्स बैंक के नेतृत्व में प्रदेश भर में एक साथ 1 लाख पौधे लगाये गये।

दोषियों पर होगी सख्त कार्यवाही

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कार्यक्रम में सरकार के एक विशेष प्रावधान के बारे में कहा कि अगर प्राथमिक सहकारी समिति (पेक्स) में कोई अधिकारी-कर्मचारी गड़बड़ी करेगा, तो उसके खिलाफ कड़ी कार्रवाई की जाएगी। समिति के सदस्य किसानों पर इसका कोई असर नहीं पड़ने दिया जाएगा। सोसाइटी पर नहीं दोषी व्यक्ति पर कार्रवाई होगी। वह सोसायटी पहले की तरह संचालित रहे, इसके लिए सभी तरह के प्रबंध किए जाएंगे। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि किसानों के हित में हमारा प्रयास है कि वर्ष का अंत (फसल ऋण आदि लेने की अवधि) 31 मार्च से बढ़ाकर 31 मई तक कर दी जायेगी, ताकि किसान लोन डिफाल्टर न हो पायें और अपना सालाना टर्न ओवर पूरा कर सकें। उन्होंने कहा कि किसानों की समृद्धि के लिए राज्य सरकार हर स्तर पर प्रयास कर रही है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा है कि प्रधानमंत्री मोदी ने प्रधानमंत्री के रूप में 12 साल पूरे कर लिए हैं। उनके नेतृत्व में केन्द्र सरकार के सुशासन से लोक कल्याण का 13वां साल शुरू हो चुका है। इसी उपलक्ष्य में हमने 'एक पेड़ माँ के नाम 2.0 अभियान शुरू किया है। उन्होंने कहा कि 5 जून (विश्व पर्यावरण दिवस) से 21 जून (विश्व योग दिवस) तक पूरे एक पखवाड़े के दौरान प्रदेश की सभी सहकारी समितियों के माध्यम से एक लाख पौधे रोपित किए जाएंगे। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि मध्यप्रदेश मिल्क कैपिटल बनने की दिशा में कदम बढ़ा चुका है। प्रदेश के किसान दूध उत्पादन में अपनी समृद्धि का मार्ग खोज रहे हैं। दूध उत्पादन से किसानों का आय में वृद्धि हुई है।

प्राकृतिक खेती में गौमाता का विशेष महत्व

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि प्राकृतिक खेती में गौमाता का विशेष महत्व है। हम गौ संरक्षण और उन्नत गौवंश के पालन को प्रोत्साहित कर रहे है। हमारी सरकार उद्यानिकी फसलों के माध्यम से किसानों की आय बढ़ाने के लिए भी सभी जरूरी सहायता प्रदान कर रही है। उन्होंने कहा कि गन्ना उत्पादक किसानों को लाभ देने के लिए शिवपुरी जिले के कोलारस कस्बे में जल्द ही शुगर फैक्ट्री स्थापित की जायेगी। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि हमारी सरकार पार्वती-कालीसिंध-चंबल राष्ट्रीय नदी जोड़ो परियोजना से प्रदेश में सिंचाई का रकबा बढ़ाने की ओर आगे बढ़ रही है। प्रदेश के किसानों को सिंचाई के लिए अब दिन में बिजली प्रदाय की जा रही है। इस वर्ष गेहूं उत्पादन और उपार्जन में मध्यप्रदेश ने नया कीर्तिमान स्थापित किया है। प्रदेश सरकार ने पिछली बार के 78 लाख मीट्रिक टन के मुकाबले वर्ष 2026 में 104 लाख मीट्रिक टन गेहूं किसानों से खरीदा है। किसानों को एमएसपी पर प्रति क्विंटल 40 रुपए बोनस देकर 2625 रुपए भुगतान किया है। किसानों को सोयाबीन फसल पर भावांतर भुगतान का भी लाभ दिया गया है। हमारी सरकार का प्रयास है कि हम किसानों को उनकी उपज पर न्यूनतम समर्थन मूल्य (एमएसपी) से ऊपर भी उचित दाम दिलवायेंगे।

वक्ताओं ने कार्यक्रम को किया संबोधित

खेल एवं युवा कल्याण तथा सहकारिता मंत्री विश्वास कैलाश सारंग ने कहा कि हमें हर संभव प्रयास करके अपने पर्यावरण को संरक्षित करना ही होगा। विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर इस साल हम एक लाख पौधे लगाने जा रहे है। पिछले साल भी 5 जून को एक साथ एक लाख पौधे लगाये गये थे। पिछले साल लगाये गये सभी पौधे जीवित हैं। उन्होंने कहा कि सहकारिता विभाग प्रदेश में दुग्ध क्रांति के जरिए एक बड़ी उपलब्धि हासिल करने की ओर बढ़ रहा है। हमारी सरकार ने सहकारिता को समृद्धि का द्वार माना है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि हम मध्यप्रदेश को सहकारिता के क्षेत्र में नये शिखर पर लेकर जायेंगे। उन्होंने सभी से अपील की कि एक पेड़ माँ के नाम अभियान में हम सब कम से कम एक पौधा लगायें और उन्हें पेड़ बनने तक जीवित रखने के लिए भी जुट जायें। अपेक्स बैंक के अध्यक्ष (प्रशासक)महेन्द्र सिंह यादव ने कहा कि एक पेड़ माँ के नाम अभियान 2.0 के तहत अपेक्स बैंक ने प्रदेश की 4 हजार 500 से अधिक सहकारी समितियों और 38 जिला बैंकों ने मिलकर एक लाख पौधे एक ही दिन में लगाने का लक्ष्य रखा है।

मुख्यमंत्री के राज में बेटियां असुरक्षित, दहेज और घरेलू हिंसा के मामलों ने तोड़े रिकॉर्ड

भोपाल (स्वतंत्र मत)

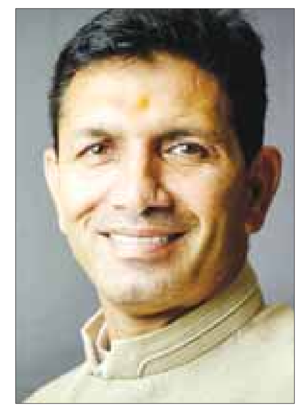

मध्यप्रदेश कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष जीतू पटवारी ने मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के नेतृत्व वाली भाजपा सरकार पर प्रदेश में महिलाओं की सुरक्षा को लेकर गंभीर आरोप लगाए हैं। उन्होंने कहा कि एनसीआरबी 2024 की रिपोर्ट ने भाजपा सरकार के महिला सुरक्षा संबंधी दावों की पोल खोल दी है। प्रदेश में दहेज हत्या के 450 मामले और घरेलू हिंसा के 7514 मामले दर्ज होना इस बात का प्रमाण है कि मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव महिलाओं को सुरक्षित वातावरण देने में पूरी तरह असफल साबित हुए हैं। श्री पटवारी ने कहा कि भाजपा सरकार एक ओर नारी सम्मान और महिला सशक्तिकरण के नारे देती है, वहीं दूसरी ओर प्रदेश की बेटियां दहेज लोभियों और घरेलू हिंसा का शिकार हो रही हैं। ग्वालियर-चंबल क्षेत्र की स्थिति विशेष रूप से भयावह है। मुरैना में दहेज हत्या के 25 मामले दर्ज हुए हैं, जबकि ग्वालियर में घरेलू हिंसा के 582 मामले सामने आए हैं। ये आंकड़े बताते हैं कि सरकार का प्रशासनिक तंत्र महिलाओं की सुरक्षा सुनिश्चित करने में विफल हो चुका है। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव को बताना चाहिए कि जब उनकी सरकार महिलाओं के सम्मान और सुरक्षा के बड़े-बड़े दावे कर रही है, तब प्रदेश में इतनी बड़ी संख्या में बेटियां दहेज की बलि क्यों चढ़ रही हैं? आखिर क्यों विवाह जैसे पवित्र रिश्ते को सरकारी नौकरी वाले दूल्हों की बोली लगाने का माध्यम बना दिया गया है? क्यों आज भी बेटियों के परिवारों को लाखों रुपये, गाड़ियां और गहने देने के लिए मजबूर किया जा रहा है? श्री पटवारी ने कहा कि भाजपा सरकार की प्राथमिकताएं जनता की समस्याओं का समाधान नहीं बल्कि प्रचार और इवेंट प्रबंधन बनकर रह गई हैं।

केवल घोषणाओं में व्यस्त है सरकार

यदि सरकार वास्तव में महिलाओं की सुरक्षा को लेकर गंभीर होती तो दहेज हत्या और घरेलू हिंसा के मामलों में कमी दिखाई देती। लेकिन सच्चाई यह है कि अपराधियों में कानून का कोई भय नहीं है और पीड़ित महिलाओं को न्याय के लिए भटकना पड़ रहा है। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव को महिलाओं की सुरक्षा के सवाल पर प्रदेश की जनता को जवाब देना चाहिए। सरकार बताए कि दहेज हत्या और घरेलू हिंसा रोकने के लिए कौन-सी प्रभावी योजना लागू की गई और उसका परिणाम क्या रहा? प्रदेश की बेटियां आंकड़ों में बदलती जा रही हैं और सरकार केवल घोषणाओं में व्यस्त है।

श्री पटवारी ने मांग की कि प्रदेश में दहेज हत्या और घरेलू हिंसा के सभी मामलों की विशेष समीक्षा की जाए, दोषियों के खिलाफ त्वरित कार्रवाई सुनिश्चित की जाए तथा महिलाओं की सुरक्षा के लिए जवाबदेही तय की जाए। उन्होंने कहा कि कांग्रेस पार्टी महिलाओं के सम्मान और सुरक्षा के मुद्दे पर भाजपा सरकार को जवाबदेह बनाने का काम जारी रखेगी। जब सरकार की प्राथमिकता प्रचार हो और प्रशासन की प्राथमिकता जवाबदेही से बचना हो, तब समाज की सबसे बड़ी कीमत बेटियों को चुकानी पड़ती है। मध्यप्रदेश की बेटियां सुरक्षा, सम्मान और न्याय चाहती हैं, लेकिन मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव की सरकार उन्हें केवल आश्वासन दे रही है।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव से मिलीं पर्वतारोही सुश्री अंजना यादव

भोपाल (स्वतंत्र मत)। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव से शुक्रवार को रायसेन जिले के सेमरी गांव की रहने वाली पर्वतारोही बेटी सुश्री अंजना यादव ने मुख्यमंत्री निवास स्थित समत्व भवन में सौजन्य भेंट की। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने सुश्री अंजना को उसकी अतुल्नीय उपलब्धि के लिए बधाई दी। उल्लेखनीय है कि सुश्री अंजना यादव ने हाल ही में विश्व की सबसे ऊंची चोटी माउण्ट एवरेस्ट (कुल 8848.86 मीटर ऊंची) के टॉप पाइंट पर सफलतापूर्वक फतह हासिल कर देश-दुनिया में प्रदेश का नाम रौशन किया है।

पर्यावरण संरक्षण केवल सरकार की जिम्मेदारी नहीं बल्कि प्रत्येक नागरिक का कर्तव्य : राज्यमंत्री पटेल

दमोह (स्वतंत्र मत)। विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर पूरे देश एवं प्रदेश में एक पेड़ मां के नाम अभियान के तहत व्यापक स्तर पर पौधरोपण कार्यक्रम आयोजित किए गए। पेड़ पर्यावरण संतुलन बनाए रखने में सबसे महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। बढ़ते प्रदूषण एवं जलवायु परिवर्तन की चुनौतियों के बीच अधिक से अधिक पौधरोपण समय की आवश्यकता है, एक पेड़ मां के नाम अभियान के माध्यम से प्रत्येक नागरिक को अपनी माता के सम्मान में एक पौधा लगाने के लिए प्रेरित किया जा रहा है। इस आशय की विचार पशुपालन एवं डेयरी विभाग राज्यमंत्री लखन पटेल ने विश्व

पर्यावरण दिवस पर श्एक पेड़ मां के नामश् कार्यक्रम के अंतर्गत किशन तलैया हनुमान मंदिर परिसर में पौधोरोपण के दौरान व्यक्त किये। राज्यमंत्री पटेल ने कहा इस विशेष अभियान का शुभारंभ आज प्रातः लगभग 10 बजे भोपाल से मुख्यमंत्री के नेतृत्व में किया गया। इसके साथ ही पूरे प्रदेश में एक साथ पौधरोपण कार्यक्रम प्रारंभ हुए। सरकार द्वारा यह अभियान आगामी तीन माह तक चलाया जाएगा जिसके अंतर्गत प्रदेशभर में लाखों-करोड़ों पौधे लगाए जाने का लक्ष्य निर्धारित किया गया है। अभियान में जनभागीदारी सुनिश्चित करने के लिए विभिन्न विभागों, सामाजिक संगठनों, विद्यार्थियों एवं आम नागरिकों को जोड़ा जा रहा है। उन्होंने कहा पर्यावरण संरक्षण केवल सरकार की जिम्मेदारी नहीं बल्कि प्रत्येक नागरिक का कर्तव्य है। अधिक से अधिक वृक्षारोपण कर आने वाली पीढ़ियों के लिए स्वच्छ एवं सुरक्षित पर्यावरण तैयार किया जा सकता है। जिपं उपाध्यक्ष मंजू धर्मेन्द्र कटारे ने कहा पर्यावरण दिवस केवल एक दिन तक सीमित नहीं रहना चाहिए बल्कि इसे हर दिन की जिम्मेदारी के रूप में अपनाना होगा। वर्तमान समय में बढ़ते प्रदूषण और जलवायु परिवर्तन को देखते हुए प्रकृति संरक्षण अब मानव जीवन की सबसे बड़ी आवश्यकता बन चुका है। उन्होंने कहा पर्यावरण संरक्षण की सोच समाज के हर व्यक्ति तक पहुंचनी चाहिए। बच्चों, महिलाओं, युवाओं और बुजुर्गों सहित सभी को इस अभियान से जोड़ने का प्रयास किया जा रहा है ताकि आने वाली पीढ़ियों को सुरक्षित और स्वच्छ वातावरण मिल सके। वनमंडलाधिकारी ईश्वर जरांडे ने कहा आज विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर वन विभाग द्वारा पौधारोपण अभियान का शुभारंभ किया गया। राज्यमंत्री लखन पटेल ने एक पेड़ मां के नाम अभियान के तहत पौधारोपण कर कार्यक्रम की शुरुआत की। इस अवसर पर उपस्थित सभी जनप्रतिनिधियों एवं अधिकारियों ने एक-एक पौधा लगाकर पर्यावरण संरक्षण का संकल्प लिया। विभाग द्वारा अगले दो महीनों तक अभियान को सतत रूप से चलाया जाएगा। इस वर्ष लगभग 25 लाख पौधे लगाने का लक्ष्य निर्धारित किया है। इस अवसर पर जिला उपाध्यक्ष मंजू धर्मेन्द्र कटारे, भाजपा जिला अध्यक्ष श्याम शिवहरे रहे।

कलेक्टर की कार्रवाई का हटा में दिखा असर रातोंरात बदले शराब दुकानों के बोर्ड

हटा (स्वतंत्र मत)। दमोह कलेक्टर प्रताप नारायण यादव द्वारा हाल ही में दमोह के हटा नाका स्थित शराब दुकान का निरीक्षण कर अनियमितताएं पाए जाने पर लाइसेंस निरस्तीकरण की कार्रवाई किए जाने का असर जिलेभर में दिखाई देने लगा है। हटा नगर में संचालित शराब दुकानों में भी इस कार्रवाई के बाद तत्काल बदलाव देखने को मिले हैं। जानकारी के अनुसार नगर की तीनों शराब दुकानों के बाहर लगे साइन बोर्ड रातोंरात बदल दिए गए। दुकानों पर वास्तविक लाइसेंसधारियों के नाम प्रदर्शित किए गए तथा जिन दुकानों के संचालन संबंधी अनुबंध दस्तावेज पूर्ण नहीं थे, उन्हें भी दस्तावेजी रूप देने की प्रक्रिया शुरू कर दी गई। बताया जाता है कि अंधियारा बगीचा स्थित शराब दुकान को टेंडर शर्तों के अनुसार रुसल्ली रोड पर निर्धारित स्थान से लगभग 300 मीटर दूरी पर संचालित किया जाना था लेकिन नई ठेका कंपनी द्वारा दुकान का संचालन अंधियारा बगीचा क्षेत्र में ही किया जा रहा था। इस मामले में आबकारी विभाग द्वारा निर्धारित स्थल पर दुकान संचालित करने के लिए नोटिस जारी किया गया है। कलेक्टर की कार्रवाई का असर शराब बिक्री पर भी देखने को मिला है।

जिले के 40 पेयजल समस्या मूलक ग्रामों के पेयजल संबंधी समस्याओं के संबंध में बैठक

दमोह (स्वतंत्र मत)

जिले में पेयजल समस्याओं के निराकरण को लेकर प्रशासन लगातार सक्रिय है। कलेक्टर प्रताप नारायण यादव ने जिले के उन सभी ग्रामों और टोलों को जिन्हें चिन्हित किया गया था जहां पेयजल संकट की स्थिति थी। समीक्षा में कुल 40 ऐसे क्षेत्र सामने आए थे जहां लोगों को पानी की समस्या का सामना करना पड़ रहा था। इस उद्देश्य की पूर्ति हेतु कलेक्टर श्री यादव ने तत्काल कार्रवाई करते हुए बैठक में संबंधित विभागों को समस्याओं के समाधान के निर्देश दिए थे सकलेक्टर कार्यालय के आज आयोजित पुनः समीक्षा में पाया गया कि 40 में से 37 क्षेत्रों में पेयजल व्यवस्था दुरुस्त कर दी गई है और उन क्षेत्रों में नियमित रूप से पानी की सप्लाई शुरू हो गई है।

कलेक्टर ने कहा वर्तमान में केवल तीन ऐसे क्षेत्र शेष हैं जहां पाइपलाइन विस्तार, पानी की टंकी टूटने अथवा खराब होने जैसी तकनीकी समस्याएं हैं। इन समस्या मूलक क्षेत्रों में अस्थायी राहत के रूप में टैंकरों के माध्यम से पानी उपलब्ध कराने के निर्देश दिए गए हैं तथा मरम्मत और विस्तार कार्य तेजी से जारी है। कलेक्टर ने कहा एक नया क्षेत्र भी चिन्हित किया गया है जहां पेयजल समस्या सामने आई है। वहां भी शीघ्र समाधान के लिए आवश्यक कार्रवाई की जा रही है। कलेक्टरने जिपं सीईओ, जनपद पंचायत सीईओ और नगरीय निकायों के सीएमओ को स्पष्ट निर्देश दिए हैं कि किसी भी परिवार को पेयजल की असुविधा नहीं होनी चाहिए। जहां स्थायी समाधान में समय लग रहा है, वहां तत्काल टैंकर के माध्यम से पानी उपलब्ध कराया जाए। उन्होंने कहा पंचायतों को उपलब्ध फंड से स्थायी समाधान के कार्य कराए जाएं और जिन क्षेत्रों में अधिक बजट की आवश्यकता हो, वहां संबंधित विभाग परियोजना तैयार कर शासन को प्रस्ताव भेजें। शासन स्तर से स्वीकृति प्राप्त कर पेयजल आपूर्ति को स्थायी रूप से सुनिश्चित किया जाएगा।

मगरोन में किया पौधारोपण

दमोह। विश्व पर्यावरण दिवस के उपलक्ष्य में गौ अभयारण्य जरारूधाम मगरोन में नर्मदाखण्ड सेवा संस्थान एवं आशियाना संस्कार समिति के संयुक्त तत्वधान में विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर पौधा रोपण किया गया। जिसमें अमरूद, आंवला एवं आम के 50 पौधे रोपित किये गए साथ ही सभी आमजनो से अधिक से अधिक पौधे लगाने का आह्वान किया गया। इस अवसर पर पुष्पलता सिंह पटेल, प्रतिज्ञा सिंह पटेल, नरेन्द्र बजाज, शिवचरण पटेल, गंगाराम सिंह की उपस्थिति रही।

कार्यालय नगर पालिक निगम जबलपुर

क्रमांक-का.से./2026-27/100 दिनांक 21/05/2026

सार्वजनिक सूचना

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि संभाग क्रमांक-11 वार्ड क्रमांक 67 (रानी अवंती बाई वार्ड) के अंतर्गत मौजा/ग्राम कजरवारा न.बं. 505 प.ह.नं. 23/27/2/10 खसरा नं. 390 कुल रकबा 1.1210 हेक्टेयर में से 1.105909 हेक्टेयर (11059.09 वर्गमीटर) भूमि पर आवासीय भूखंडीय विकास अनुमति (Shri Radkh Krishna Parisar) की अनुमति हेतु विकासकर्ता / कालोनाईजर मेसर्स कांतिरूपम होम्स प्रा.लि. अधिकृत व्यक्ति श्री नीतेन्द्र कुमार सुहाने पिता श्री तारेन्द्र सुहाने एवं श्रीमति रश्मि चौकसे पति श्री अभिषेक चौकसे पता फर्स्ट फ्लोर शोरूम नं. 5 दीक्षित प्राईड नियर तैयब अली पेट्रोल पंप जबलपुर, द्वारा कालोनी विकास अनुमति प्राप्त करने के लिए निष्पादित विकास अनुबंध अनुसार विकास कार्यों के विरूद्ध निगम पक्ष में बंधक रखी गई संपत्ति का विवरण निम्न है।

बंधक सम्पति का विवरण- भूखंड क्रमांक 66, 70, 71 एवं 72 कुल 04 नग क्षेत्रफल 471.28 वर्गमीटर तथा सुविधा शॉप क्रमांक सी-67, सी-68, सी-69 कुल 03 नग क्षेत्रफल 329.09 वर्गमीटर

अतः सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि उपरोक्त दर्शित संपत्ति भूखंडों का क्रय विक्रय कालोनी विकासकर्ता द्वारा नगर निगम से विकास कार्य पूर्णता प्रमाण पत्र एवं बंधक मुक्ति करने के पूर्व न किया जावे उपरोक्त संबंध में विस्तृत जानकारी एवं विवरण तथा अभिन्यास का अवलोकन कार्यालयीन कार्य दिवस में नगर पालिक निगम जबलपुर कालोनी सेल कक्ष क्रमांक 5 में किया जा सकता है ।

प्रभारी कालोनी सेल
नगर पालिक निगम, जबलपुर

कार्यालय संभागीय अधिकारी संभाग क्र. 11 नगर निगम जबलपुर
पत्र क्र./ सं.क्र.11/26-27
दिनांक 5/6/2026

भवन नामांतरण सूचना

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि श्रीमती उमा कुण्डे पति श्री मुरलीधर कुण्डे ने वार्ड क्रमांक 66 वार्ड का नाम रानी लक्ष्मी बाई के भवन क्रमांक प्लाट नं. 19 मॉडल टाउन बिलहरी संपत्ति के पिन क्रमांक 1000378960 पर दर्ज भूमि का क्षेत्रफल 1490 व.फु. जिस पर निम्न दस्तावेज विक्रय पत्र के आधार पर निगम में दर्ज अंजना बाघेला का नाम हटाये जाने एवं आवेदक के नाम से नाम परिवर्तन किये जाने पर जिस किसी को भी उक्त नाम परिवर्तन पर आपत्ति हो तो वे इस प्रकाशन की तिथि से 15 दिन के अंदर कार्यालय संभाग क्रमांक 11 राजा गोकुलदास धर्मशाला नगर निगम जबलपुर में प्रमाण सहित आपत्ति प्रस्तुत करें।

संभागीय अधिकारी
संभाग क्रमांक-11
नगर निगम, जबलपुर

कार्यालय संभागीय अधिकारी संभाग क्र. 11 नगर निगम जबलपुर
पत्र क्र./ सं.क्र.11/26-27
दिनांक 5/6/2026

भवन नामांतरण सूचना

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि श्रीमती नर्बद बाई विश्वकर्मा पति स्व. मोती लाल विश्वकर्मा (2) अनिरूद्ध विश्वकर्मा पुत्र मोती लाल ने वार्ड क्रमांक 66 वार्ड का नाम रानी लक्ष्मी बाई के भवन क्रमांक 2972 शंकर मंदिर के सामने संपत्ति के पिन क्रमांक 1000390128 पर दर्ज भूमि का क्षेत्रफल 2000 व.फु. पक्का जिस पर निम्न दस्तावेज शपथ पत्र, मृत्यु प्रमाण पत्र के आधार पर निगम में दर्ज स्व. श्री मोती लाल विश्वकर्मा पिता स्व. श्री दौलत राम विश्वकर्मा का नाम हटाये जाने एवं आवेदक के नाम से नाम परिवर्तन किये जाने पर जिस किसी को भी उक्त नाम परिवर्तन पर आपत्ति हो तो वे इस प्रकाशन की तिथि से 15 दिन के अंदर कार्यालय संभाग क्रमांक 11 राजा गोकुलदास धर्मशाला नगर निगम जबलपुर में प्रमाण सहित आपत्ति प्रस्तुत करें।

संभागीय अधिकारी
संभाग क्रमांक-11
नगर निगम, जबलपुर

नगर पालिक निगम, जबलपुर जोन क्र.-07 अधारताल जबलपुर म.प्र
क्र./सं.अधि./07/M./E.N.P.No/ 44
2026-2027 दिनांक 3/6/2026

भवन नामांतरण सूचना

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है,कि क्रेता श्री अमरजीत खरे पिता स्व. श्री मदन मोहन खरे ने भवन क्रमांक 982 /IA/P.no.188 का भाग संपत्ति कर/ पिन नं. 1000360949, विक्रेतागण/ पंजीकृत गृहस्वामी श्री राममूति खरे पिता स्व. श्री मदन मोहन खरे के भाग पर वार्ड महर्षि महेश योगी के कुल प्लाट रकवा निर्मित क्षेत्रफल 2400 में से विक्रय प्लाट रकवा 1200 व.फु. जिस पर निर्मित भूतल 600 व.फु. आर.सी.सी., पर विक्रयपत्र, बटवारानामा के आधार पर नगर निगम द्वारा प्रदत्त भवन क्रमांक पर दर्ज प्रविष्टि के स्थान/ क्रय भाग पर नामांतरण हेतु आवेदन दिया गया है, जिस किसी को उक्त नामांतरण पर आपत्ति हो तो वे इस प्रकाशन तिथि से 15 दिन के अंदर संभागीय कार्यालय क्रमांक 07 में प्रमाण एवं दस्तावेजों के साथ आपत्ति प्रस्तुत करें।

संभागीय अधिकारी संभाग
क्रमांक-7,अधारताल
नगर निगम जबलपुर

कार्यालय नगर पालिक निगम, जबलपुर (म.प्र.)

प्रथम निविदा सूचना

निम्नलिखित कार्य हेतु केन्द्रीयकृत प्रणाली में पंजीकृत ठेकेदारों से ऑन लाईन निविदायें आमंत्रित की जाती है। निविदा का विस्तृत विवरण वेबसाइट https://mptender.gov.in पर देखा जा सकता है।

क्र.	टेण्डर क्रमांक जारी दिनांक	कार्य का नाम	लागत राशि एवं समयावधि	निविदा प्रपत्र का मूल्य एवं EMD	निविद की अंतिम तिथि
1	2	3	4	5	6
1	Tender ID-2026_UAD_511200_1 PRO-272 Date 5/6/2026	संभाग क्रं. 1 गढ़ा इंदिरा गांधी वार्ड अंतर्गत एसबीआई कालोनी अरविंद मिश्रा के घर के पास सड़क निर्माण कार्य	18.87 लाख दो माह	2000/- 14160/-	5/7/2026

नोटः- निविदा से संबंधित किसी भी प्रकार के संशोधन का प्रकाशन ऑनलाईन https://mptender.gov.in की वेबसाइट पर ही किया जावेगा पृथक से समाचार पत्र में प्रकाशन नहीं किया जावेगा।

कार्यपालन यंत्री नगर पालिक निगम जबलपुर

वेटरनरी विश्वविद्यालय में एनएसयूआई का प्रदर्शन

निविदा प्रक्रिया में अनियमितताओं के आरोप

जबलपुर। नानाजी देशमुख पशुचिकित्सा विज्ञान विश्वविद्यालय के संपदा अधिकारी डॉ. एसके कारमोरे पर निविदा प्रक्रिया में गंभीर अनियमितताओं एवं भ्रष्टाचार के आरोप लगाते हुए एनएसयूआई कार्यकर्ताओं ने प्रदेश सचिव एजाज अंसारी के नेतृत्व में विवि में प्रदर्शन कर कुलपति मनदीप शर्मा को ज्ञापन सौंपा। प्रदेश सचिव एजाज़ अंसारी ने बताया कि हाल ही में जबलपुर एवं महू के लिए फर्नीचर क्रय हेतु पोर्टल के माध्यम से जारी निविदा में निर्धारित दस्तावेजों की पूर्ति न करने वाली कुछ फर्मों को कथित रूप से लाभ पहुंचाया गया तथा उन्हें कार्य आदेश जारी किए गए।

बिना रुके 609 दिनों तक किया अखंड बिजली उत्पादन

अमरकंटक ताप विद्युत गृह चचाई का देश में डंका

जबलपुर। राज्य क्षेत्र के थर्मल पावर स्टेशनों में एक नया इतिहास रचते हुए, मप्र पावर जनरेटिंग कंपनी की अमरकंटक ताप विद्युत गृह चचाई की 210 मेगावाट क्षमता वाली यूनिट नंबर 5 ने लगातार 609 दिनों तक निर्बाध रूप से क्रियाशील रहकर एक नया कीर्तिमान स्थापित किया है। यह शानदार सफर 1 अक्टूबर 2024 से शुरू होकर 2 जून 2026 तक करीब पौने दो साल तक बिना रुके जारी रहा, जो राज्य क्षेत्र की किसी भी थर्मल यूनिट के लिए अब तक का सबसे सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन है। 2 जून को एक अचानक आई तकनीकी विद्युत खराबी के कारण इस यूनिट को रोकना पड़ा, जिससे यह अद्भुत सफर थम गया।

एक लाख की रिश्वत लेते सीबीआई के जाल में फंसा रेलवे का सेक्शन इंजीनियर

सिक्योरिटी राशि लौटाने के एवज में मांगी थी रकम, पूछताछ जारी

जबलपुर सीबीआई की टीम ने गुरुवार देर रात सागर में बड़ी कार्यवाही करते हुए रेलवे के एक सेक्शन इंजीनियर को एक लाख रुपए की रिश्वत लेते रंगे हाथ गिरफ्तार किया। आरोपी की पहचान नारायण सिंह बुंदेला के रूप में हुई है। इस कार्यवाही के बाद सीबीआई टीम आरोपी को अपने साथ जबलपुर ले आई, जहां शुक्रवार को उसे सीबीआई कोर्ट में पेश किया गया।

जबलपुर (स्वतंत्र मत)

सीबीआई ने पूछताछ के लिए कोर्ट से 5 दिन की रिमांड मांगी है।

जानकारी के मुताबिक सागर रेलखंड में गिट्टी सप्लाई करने वाले एक ठेकेदार ने काम पूरा होने के बाद विभाग में जमा अपनी सिक्योरिटी राशि वापस मांगी थी। आरोप है कि राशि लौटाने के एवज में सेक्शन इंजीनियर नारायण सिंह बुंदेला ने एक लाख रुपए रिश्वत की मांग की। जब ठेकेदार ने रिश्वत देने से इनकार किया तो अधिकारी ने सिक्योरिटी राशि लौटाने से मना कर दिया।

पहले भी मिल चुकी कई शिकायत – इसके बाद ठेकेदार ने मामले की शिकायत जबलपुर स्थित सीबीआई एसपी कार्यालय में की। शिकायत की प्रारंभिक जांच और पुष्टि के बाद सीबीआई ने आरोपी अधिकारी पर निगरानी शुरू कर दी। बताया जा रहा है कि सेक्शन इंजीनियर ने रिश्वत की रकम लेने के लिए ठेकेदार को गुरुवार रात सागर के पैराडाइज होटल में बुलाया था। बताया जा रहा है कि सीबीआई की टीम पहले से ही सादी वर्दी में होटल के आसपास तैनात थी। जैसे ही ठेकेदार ने आरोपी अधिकारी को एक लाख रुपए सौंपे, टीम ने तत्काल कार्यवाही करते हुए उसे रंगे हाथ पकड़ लिया। शुक्रवार दोपहर आरोपी सेक्शन इंजीनियर को जबलपुर स्थित सीबीआई कोर्ट में पेश किया गया। बताया जा रहा है कि आरोपी अधिकारी के खिलाफ पहले भी विभागीय शिकायतें हो चुकी थीं, लेकिन इसके बावजूद रिश्वत मांगने का सिलसिला जारी था। बहरहाल सीबीआई पूरे मामले में आरोपी से पूछताछ कर रही है।

बदमाशों ने घर पर फेंके सुअरमार बम

जबलपुर (स्वतंत्र मत)। हनुमानताल थाने में पिंकी गुप्ता उम्र 39 वर्ष निवासी बड़ी खेरमाई दुर्गा चौक ने ने रिपोर्ट दर्ज कर बताया कि शाम के समय वह वह घर के अंदर थी तभी दरवाजे के पास बम फटने की आवाज आने पर बाहर निकल कर देखा तो धागे, कागज पत्थर जैसे टुकड़े दरवाजे में फैले हुये थे, धुआं निकल रहा था। उसने देखा कि सिंधी कैम्प भानतलैया के पास रहने वाला सम्राट सोनकर अपने अन्य साथी के साथ उसके घर के दरवाजे पर बम पटककर स्कूटी से भाग रहा था। उसने सीसीटीवी चैक किये जिसमें सम्राट सोनकर एक्टिवा/स्कूटी जैसी गाड़ी से आया और उसके घर में पहले एक बम मारा जो नहीं फटा फिर दूसरा बम उसके घर के दरवाजे पर मारा जो फट गया है, अवशेष मकान के सामने फैले है। पिंकी गुप्ता ने बताया कि सम्राट सोनकर उसके लड़के से रंजिश रखता है इस कारण दहशत फैलाने के लिये उसके मकान पर सुअरमार बम फेंककर विस्फोट किया है। पुलिस ने मामले को जांच में लिया है।

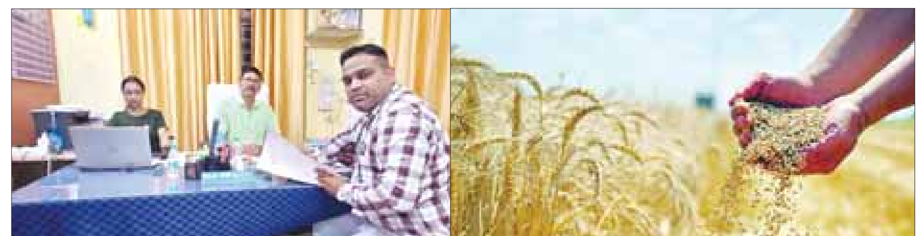

5168 क्विंटल गेंहू में हेराफेरी, 10 के खिलाफ नामजद एफआईआर

मझौली का मामला, फर्जी एंट्री और सरकारी बारदाने में की हेराफेरी

जबलपुर (स्वतंत्र मत)

जिले के मझौली में गेहूं उपार्जन में लाखों रुपए का घोटाला सामने आया है। इस गोलमाल का खुलासा जिला प्रशासन द्वारा कराई गई जांच में हुआ है। जिसके बाद रीना लोधी, शुभम बर्मन, मयूरी लोधी, प्रमोद कुमार मिश्रा, प्रकाश पाण्डेय, अमन पाण्डेय, आकाश पाण्डेय, अनिल पटेल और रिंकू साहू सहित कुल 10 लोगों के खिलाफ नामजद एफआइआर दर्ज की गई है। प्रशासनिक जांच और भौतिक सत्यापन के दौरान उपार्जन केंद्र के स्टॉक से कुल 5168.70 क्विंटल गेहूं कम पाया गया। आरोपियों ने आपसी मिलीभगत से पोर्टल पर फर्जी एंट्री और सरकारी बारदाने की हेराफेरी की। इस महाघोटाले में पहली बार खाद्य विभाग के अधिकारियों के साथ एनआरएलएम के कर्मचारी, ग्राम संगठन के पदाधिकारी, सर्वेयर और बिचौलियों पर सीधे आपराधिक मामला दर्ज हुआ है।

एक करोड़ से ऊपर का घोटाला– जांच दल को भौतिक सत्यापन के दौरान उपार्जन केंद्र के वास्तविक स्टॉक और कंप्यूटर पोर्टल पर दर्ज आंकड़ों में बहुत बड़ा अंतर मिला। सरकारी रिकॉर्ड की तुलना में मौके से 5168.70 क्विंटल गेहूं पूरी तरह गायब था, जिसकी बाजार में कीमत लगभग 1.35 करोड़ रुपये आंकी गई है। इस पूरी गड़बड़ी को अंजाम देने के लिए सरकारी बारदानों के इस्तेमाल और उनके आधिकारिक रिकॉर्ड में भी बड़े पैमाने पर हेरफेर किया गया। आरोपियों ने योजनाबद्ध तरीके से बिना किसी वास्तविक अनाज की आवक के ही कंप्यूटर पोर्टल पर फर्जी एंट्री दर्ज कर दी ताकि कागजों पर स्टॉक को सही दिखाया जा सके।

पिता को ट्रांसफर कर दी पंचायत की राशि, सरपंच की सेवा हुई समाप्त

ग्राम पंचायत दर्शनी का मामला

न्यायालय ने सुनाया फैसला

जबलपुर (स्वतंत्र मत)

न्यायालय विहित प्राधिकारी एवं जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी द्वारा आदेश जारी कर मप्र पंचायत राज अधिनियम 1993 के तहत जनपद पंचायत मझौली की ग्राम पंचायत दर्शनी के सरपंच सुमित राय को तत्काल प्रभाव से उनके पद से पृथक कर दिया गया है। जारी आदेश के अनुसार शिकायतकर्ता ग्राम पंचायत दर्शनी के निवासी मोहन झारिया ने 5 फरवरी को अपनी शिकायत में आरोप लगाया था कि सरपंच सुमित राय ने अपने पिता संतोष राय के नाम से पंचायत की राशि का अवैध रूप से भुगतान प्राप्त किया है। शिकायत की गंभीरता को देखते हुए मुख्य कार्यपालन अधिकारी, जनपद पंचायत मझौली को जांच के निर्देश दिए गए थे। जनपद स्तरीय जांच दल की रिपोर्ट में शिकायत को सही पाया गया।

जांच दल ने पाया कि सरपंच सुमित राय ने अपने पिता संतोष राय को पंचायत के लेखों एवं पंचायत दर्पण पोर्टल के माध्यम से कुल 50 हजार रुपये का भुगतान किया। यह भुगतान विधायक निधि और प्रधानमंत्री खनिज क्षेत्र कल्याण योजना के अंतर्गत रंगमंच निर्माण एवं सामुदायिक भवन निर्माण कार्यों के नाम पर किया गया था।

यह राशि 23 नवंबर 2023 और 21 नवंबर 2023 को विभिन्न बिलों के माध्यम से संतोष राय के खाते में अंतरित की गई। न्यायालय ने अपने आदेश में स्पष्ट किया कि पंचायत के किसी पदधारी द्वारा अपने नातेदार को आर्थिक लाभ पहुंचाना और पद का दुरुपयोग करना अवचार की श्रेणी में आता है।

इस कृत्य को लोकहित में अवांछनीय मानते हुएए विहित प्राधिकारी ने सरपंच सुमित राय को अधिनियम की धारा 40 के अंतर्गत तत्काल प्रभाव से पदमुक्त कर दिया है।

मूक बधिर युवक से मारपीट

जबलपुर। अधारताल थाने में सीमा लालवानी उम्र 64 वर्ष निवासी कुदवारी अधारताल ने लिखित शिकायत कर बताया कि वह अपने बेटे तुषार लालवानी एवं बहू चिंकी साहू के साथ रहती है । बेटे बहू दोनों मूक बधिर हैं, विगत कुछ समय पूर्व से उसकी कालोनी में समीप अहमद नगर निवासी गुलाम गौस उसके घर के बाहर आकर बेटे बहू से विवाद करता रहता था। रात के समय गुलाम गौस जो कि मूक बधिर है उसके घर के बाहर आकर उसके लड़के से इशारे में शराब पीने के लिये 500 रूपये मांग रहा था। उसके लड़के ने इशारे में रूपये देने से मना करने पर गुलाम गौस ने पत्थर फैंककर घर की खिड़की के काचं एवं घर के बाहर रखी स्कूटी तोड़कर भाग गया। पुलिस ने मामले को जांच में लिया है।

अवैध रेत खनन के ठिकानों पर जिला प्रशासन की ताबड़तोड़ कार्यवाही

जबलपुर (स्वतंत्र मत)

रेत के अवैध उत्खनन को रोकने शहपुरा तहसील में शुक्रवार को की गई एक और कार्यवाही में ग्राम छपरट में नर्मदा नदी किनारे अवैध रूप से भंडारित लगभग एक से डेढ़ हाइवा रेत को राजस्व विभाग के अमले द्वारा जब्त कर लिया गया। एसडीएम शहपुरा मदन सिंह रघुवंशी ने बताया कि कार्यवाही करने गये दल द्वारा लोगों से पूछताछ भी लेकिन रेत निकालने वालों का पता नहीं चल सका। उन्होंने बताया कि जब्त रेत को पंचनामा बनाकर ग्राम पंचायत छपरट के उपसरपंच को सुपुर्दगी में दे दिया गया है। इसी प्रकार चरगवां वृत्त के ग्राम धरतीकछार में राजस्व एवं पुलिस विभाग की संयुक्त टीम ने छापामार कार्यवाही कर नर्मदा नदी से निकाली गई लगभग ढाई हाइवा रेत जब्त की। कार्यवाही के दौरान मौके पर नदी से रेत निकालने में प्रयुक्त नौका एवं मोटर पंप को भी जब्त कर लिया गया तथा रेत निकालने के लिए पाइप एवं ड्रम से बनाये गये प्लेटफार्म को नष्ट कर दिया गया। इसके अलावा एसडीएम पाटन मानवेंद्र सिंह के नेतृत्व में राजस्व और खनिज अमले द्वारा पाटन तहसील पाटन के हिरन नदी से लगे ग्राम हरदुआ और वासन से गुजरने वाले सड़क मार्ग एवं आसपास के क्षेत्र का औचक निरीक्षण किया गया। निरीक्षण के दौरान ग्राम हरदुआ और ग्राम वासन में खनिज रेत का अवैध भंडारण पाए जाने पर लगभग 62 ट्राली रेत को मौके से जब्त कर ग्राम कोटवार की सुपुर्दगी में रखवाया गया।

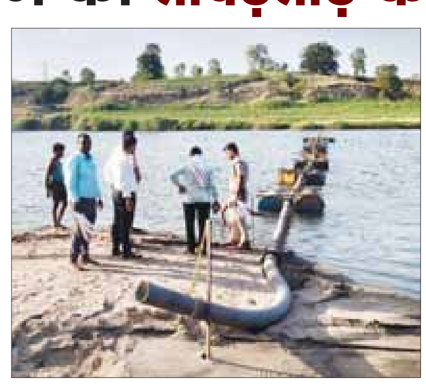

पति ने की मारपीट

जबलपुर। विजयनगर थाने में लक्ष्मी बाई उम्र 45 वर्ष निवासी अमोच थाना स्लीमनाबाद जिला कटनी वर्तमान पता लक्ष्मीपुर विजयनगर ने रिपोर्ट दर्ज कर बताया कि वह अपनी मां की बरसी कार्यक्रम हेतु अपने भाई प्यारेलाल चौधरी के घर लक्ष्मीपुर विजयनगर आयी थी। तब से वह अपने भाई के घर पर ही थी। उसके पति सुनील चौधरी गांव अमोच से उसके पास आये और बोले कि तुम्हारे जेवर कहां है मुझे चाहिये, उसने कहा कि उसके पास जेवर नहीं हैं इसी बात पर पति गाली गलौज करने लगे, उसने गालियां देने से मना किया तो बका जैसी चीज से हमला कर उसके हाथ में चोट पहुंचा दी तथा जान से मारने की धमकी देते हुये भाग गये। पुलिस ने मामले को जांच में लिया है।

निरीक्षण में मिली खामियां, मंजूषा नर्सिंग होम का लाइसेंस निलंबित

जबलपुर (स्वतंत्र मत)

मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी द्वारा प्राप्त शिकायत के आधार पर गठित जांच दल द्वारा मंजूषा नर्सिंग होम, सदर रोड का निरीक्षण किया गया। निरीक्षण के दौरान अस्पताल में रिकॉर्ड संधारण, दस्तावेजीकरण एवं मरीज संबंधी अभिलेखों के रखरखाव में विभिन्न अनियमित्ताएं पाई गईं। जांच के दौरान यह पाया गया कि उपचार संबंधी अभिलेख एवं केस फाइलें समुचित रूप से संधारित नहीं की गई थीं, आवश्यक लिखित सहमति पत्र उपलब्ध नहीं थे, निरीक्षण के समय प्रशिक्षित स्टाफ नर्स उपलब्ध नहीं पाई गई तथा मरीजों की जानकारी अनमोल पोर्टल पर दर्ज नहीं की जा रही थी। इसके अतिरिक्त रिकॉर्ड संधारण एवं रिपोर्टिंग व्यवस्था भी संतोषजनक नहीं पाई गई। उक्त तथ्यों के आधार पर संस्थान को मध्यप्रदेश उपचर्यागृह तथा रूग्णोपचार संबंधी स्थापनाएं (रजिस्ट्रीकरण तथा अनुज्ञापन) अधिनियम, 1973 के प्रावधानों के अंतर्गत कारण बताओ सूचना पत्र जारी किया गया है तथा संस्थान को अपना स्पष्टीकरण प्रस्तुत करने हेतु 07 दिवस का समय दिया गया है। साथ ही, जनहित एवं मरीज सुरक्षा को दृष्टिगत रखते हुए मंजूषा नर्सिंग होम का संचालन तत्काल प्रभाव से 15 दिवस की अवधि हेतु अस्थायी रूप से निलंबित किया गया है। निलंबन अवधि में संस्थान किसी भी नवीन मरीज को भर्ती नहीं करेगा। उल्लेखनीय है कि शिकायत से संबंधित महिला मरीज की मृत्यु नेताजी सुभाषचन्द्र बोस मेडिकल कॉलेज एवं चिकित्सालय में हुई है। मृत्यु के वास्तविक कारणों एवं उपचार संबंधी चिकित्सकीय अभिमत के संबंध में मेडिकल कॉलेज स्तर पर विस्तृत जांच की जा रही है। मेडिकल कॉलेज द्वारा जांच प्रतिवेदन प्राप्त होने के उपरांत तथा संस्थान द्वारा प्रस्तुत स्पष्टीकरण के परीक्षण के बाद नियमानुसार अंतिम निर्णय लिया जाएगा।

जेवर-नगदी के साथ आंगन में खड़ी एक्टिवा ले उड़े चोर

जबलपुर (स्वतंत्र मत)। संजीवनीनगर थाने में अश्वनी कुमार जायसवाल उम्र 29 वर्ष निवासी गंगानगर ने रिपोर्ट दर्ज कर बताया कि वह आटो चलाता है। सुबह के समय वह आटो लेकर चला गया था। उसकी पत्नी चिंकी जायसवाल अपने मायके गुजराती कालोनी चली गई थी। वह खाना खाने घर वापस आया देखा मेन गेट का ताला टूटा पडा था। अंदर वाले गेट का ताला भी टूटा हुआ था। अंदर रखी लोहे की आलमारी से सोने-चांदी के जेवर, नगदी 15 हजार रूपये एवं आंगन में रखी एक्टिवा गायब थी। पुलिस ने मामले को जांच में लिया है।

विद्युत शिविर में आमजन को मिली राहत

सिहोरा। मप्र पूर्व क्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी लिमिटेड संभाग के वितरण केंद्र सिहोरा (शहर) द्वारा 05-06-2026 को अम्बा बिहार अवैध कॉलोनी में विद्युतीकरण हेतु शिविर लगाया गया। शिविर में कनिष्ठ अभियंता सिहोरा (शहर), परीक्षण सहायक राकेश पाण्डेय और लाइन परिचारक धीरेन्द्र ठाकुर ने कॉलोनी वासियों को स्थायी विद्युत कनेक्शन के लिए सुगम विद्युत सुविधा योजना 2024 की जानकारी दी। योजना के तहत आवेदक या आवेदकों के समूह को देय राशि का न्यूनतम 25 प्रतिशत आवेदन के साथ एकमुश्त देना होगा। शेष राशि कनेक्शन चालू होने के बाद मासिक बिलों के साथ ब्याज सहित अधिकतम दो वर्ष में जमा कर सकेंगे। विद्युतीकरण से कॉलोनी में केबलों के मकड़जाल से राहत मिलेगी। अस्थायी कनेक्शन की जगह स्थायी कनेक्शन मिलने पर पर्याप्त वोल्टेज और बिजली बिलों में भी राहत मिलेगी।

72 घंटे में सभी प्रतिष्ठान जमा करें फायर ऑडिट रिपोर्ट, वरना होगी सख्त कार्यवाही

दिल्ली की होटल में हुए अग्निकांड के बाद निगमायुक्त ने इमारतों के संचालकों को जारी किए निर्देश

जबलपुर (स्वतंत्र मत)। दिल्ली की एक होटल में हुए अग्निकांड के बाद शहर का नगर निगम विभाग भी अब हरकत में आ गया है। दरअसल निगमायुक्त ने इस हादसे के बाद शहर में बने होटल, अस्पताल, नर्सिंग होम, औद्योगिक इकाइयों, गोदामों और अन्य वाणिज्यिक प्रतिष्ठानों को 72 घंटे में फायर ऑडिट रिपोर्ट देने के निर्देश दिए है। निगमायुक्त राम प्रकाश अहिरवार ने बताया कि मप्र नगर पालिक निगम अधिनियम, 1956 के प्रासंगिक प्रावधानों, मध्यप्रदेश भूमि विकास नियम, 2012 तथा राष्ट्रीय भवन निर्माण मानक, 2026 के अग्नि एवं जीवन सुरक्षा प्रावधानों के आलोक में नागरिकों की सुरक्षा को सर्वोपरि रखते हुए नगर निगम ने एक बेहद सुरक्षात्मक मुहिम शुरू की है। इस संबंध में निगमायुक्त रामप्रकाश अहिरवार ने देश के अन्य हिस्सों में हुई दुखद अग्नि दुर्घटनाओं के प्रकाश में नगर निगम के अग्निशमन और भवन शाखा को कड़े निर्देश देते हुए कहा है कि शहर के सभी कमर्शियल हब्स की जांच टीम के साथ करें और अग्नि सुरक्षा के सभी मानकों संबंधी रिपोर्ट प्रस्तुत करें। उन्होंने ने जबलपुर सीमा में आने वाले सभी होटलों, अस्पतालों, नर्सिंग होम, मॉल, गोदामों, मैरिज गार्डनों और औद्योगिक इकाइयों को भी 72 घंटे के भीतर 08 जून की शाम 06 बजे तक अपनी विस्तृत फायर सेफ्टी ऑडिट रिपोर्ट जमा करने के सख्त निर्देश दिए गए हैं।

स्प्रिंकलर, फायर अलार्म भी अनिवार्य– नगर निगम ने स्पष्ट रूप से कहा है कि केवल बिल्डिंग में अग्निशामक यंत्र रखना काफी नहीं होगा, बल्कि स्प्रिंकलर, फायर पंप, इमरजेंसी एग्जिट, और अलार्म सिस्टम जैसी हर एक व्यवस्था का चालू हालत में होना अनिवार्य है। उन्होंने बताया कि समय रहते फायर सेफ्टी ऑडिट होने से किसी भी संभावित खतरे को पहले ही पहचान कर ठीक कर लिया जाएगा, जिससे भविष्य में होने वाले हादसों को टाला जा सकेगा। अस्पतालों और होटलों जैसी जगहों पर मरीजों और आम जनता की सुरक्षा 100 प्रतिशत पुख्ता होगी। नए नियमों के तहत अब इन संस्थानों के स्टाफ को फायर ड्रिल और आपातकालीन स्थिति से निपटने की ट्रेनिंग भी दी जाएगी। निगमायुक्त ने बताया कि संस्थानों की सहूलियत के लिए निगम ने हार्ड कॉपी के साथ-साथ ईमेल के जरिए पीडीएफ सबमिट करने का भी विकल्प दिया है, ताकि प्रक्रिया पारदर्शी और तेज हो सके।

बिना अनुमति बोरवेल करने पर हुई कार्यवाही

जबलपुर। आधारताल एसडीएम पंकज मिश्रा के निर्देशन पर ग्राम बेतला, तहसील अधारताल में बिना सक्षम अनुमति के संचालित किए जा रहे बोरवेल खनन कार्य के विरुद्ध सख्त कार्रवाई की गई। एसडीएम ने कहा कि निरीक्षण के दौरान बोरवेल खनन कार्य अनधिकृत पाए जाने पर उसे तत्काल प्रभाव से बंद करा दिया गया है। साथ ही बोरवेल खनन में प्रयुक्त बोरिंग मशीन को जप्त कर आवश्यक कार्यवाही के लिए संबंधित थाने में सुपुर्द किया गया।

हितकारिणी प्रकाशन प्रायवेट लिमिटेड के लिए **प्रकाशक एवं मुद्रक- राम असरानी** द्वारा प्रेस काम्पलेक्स सिविक सेंटर जबलपुर से प्रकाशित एवं हितकारिणी प्रिंटिंग प्रेस, सिविक सेंटर जबलपुर से मुद्रित. **प्रबंध सम्पादक- सुबोध दुबे, सम्पादक- राजेन्द्र मिश्रा,** *पीआरबी एक्ट के तहत समाचार चयनार्थ उत्तरदायी।
ई-मेल-**smatjbp1@ gmail.com,** फोन- 0761-2411414, 4032436 समस्त विवाद जबलपुर न्यायालयाधीन. पोस्टल रजि. नं. एसएसपी जबलपुर/13/2026-28, **RNI No. 64561/96.**